ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

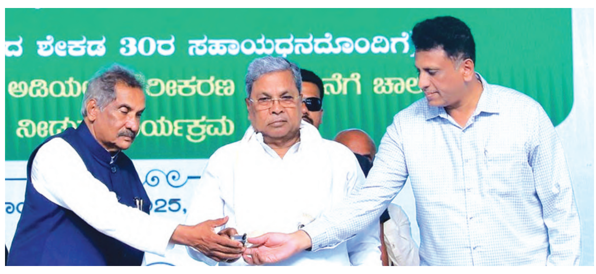

सीएम सिद्धरामैया ने कुसुम सी प्रोजेक्ट किया लॉन्च @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 12 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-161

मोदी कैबिनेट ने दो रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी

आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और झारखंड को सौगात

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनकी कुल लागत 6,405 करोड़ रुपए है। यह परियोजनाएं पीएम मोदी के नए भारत के विजन के तहत क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने का हिस्सा हैं, जो रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर प्रदान करेंगी।

कैबिनेट ने झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के सात जिलों को शामिल करते हुए भारतीय रेल की दो मल्टी ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिससे विद्यमान नेटवर्क में करीब 318 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। सरकार के मुताबिक, इन

पहलों से यात्रा सुविधा में सुधार होगा, लॉजिस्टिक लागत घटेगी, तेल आयात में कमी और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में गिरावट आएगी, जिससे टिकाऊ और कुशल रेल प्रचालन को बढ़ावा मिलेगा। बता दें कि, इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 6,405 करोड़ रुपए है।

दो मल्टी ट्रैकिंग परियोजनाएं में से एक कोडरमा-बरकाकाना दोहरीकरण (133 किलोमीटर) परियोजना खंड झारखंड के एक प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्र से होकर गुजरती है। इसके अतिरिक्त, यह पटना और रांची के बीच सबसे छोटा और अधिक कुशल रेल संपर्क है। दूसरी बेल्लारी-चिकजाजुर दोहरीकरण (185 किलोमीटर) परियोजना लाइन कर्नाटक के बेल्लारी और चित्रदुर्ग जिलों और आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले से होकर गुजरती है। सरकार के अनुसार, इन परियोजनाओं से लगभग 1,408 गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिनकी कुल जनसंख्या लगभग 28.19 लाख है। ये रास्ते कोयला, लौह अयस्क, तैयार स्टील, सीमेंट, उर्वरक, कृषि उत्पाद और पेट्रोलियम उत्पाद जैसे महत्वपूर्ण सामानों की ढुलाई ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने कहा

न्यायिक आतंकवाद न बने न्यायिक सक्रियता

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि देश में न्यायिक सक्रियता की भूमिका बनी रहेगी, लेकिन इसे इतना नहीं बढ़ाना चाहिए कि यह न्यायिक आतंकवाद का रूप ले ले। मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि जब विधायिका और कार्यपालिका नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने में असफल रहती है, तब न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ता है। लेकिन इस हस्तक्षेप की सीमा और मर्यादा होनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायिक सक्रियता बनी रहेगी, लेकिन कभी-कभी जब सीमाएं लांघी जाती हैं और न्यायपालिका उन क्षेत्रों में प्रवेश करती है जहां उसे नहीं करना चाहिए, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। जस्टिस गवई ने कहा कि न्यायिक समीक्षा का उपयोग केवल विशेष परिस्थितियों में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह शक्ति केवल तब प्रयोग की जानी चाहिए जब कोई कानून संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन

कार्यपालिका के नाकाम होने पर न्यायिक हस्तक्षेप जरूरी

करता हो या किसी मौलिक अधिकार के प्रतिकूल हो या जब वह पूरी तरह मनमाना व भेदभावपूर्ण हो। मुख्य न्यायाधीश ने ऑक्सफोर्ड यूनियन में आयोजित विचार गोष्ठी में यह बात कही। अपने संबोधन में मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि एक समय था जब लाखों भारतीयों को अछूत कहा जाता था, लेकिन आज उसी समुदाय से आए व्यक्ति को देश की सर्वोच्च न्यायिक जिम्मेदारी मिली है जो भारतीय संविधान की समानता की भावना का प्रत्यक्ष उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान उन लोगों की धड़कनों को संजोए हुए है जिन्हें कभी सुना नहीं गया। यह न केवल अधिकारों की रक्षा करता है, बल्कि उन्हें सशक्त करने, सुधारने और न्याय दिलाने के लिए राज्य को बाध्य करता है। मुख्य न्यायाधीश गवई ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को उदाहरण के तौर पर पेश करते हुए कहा कि लोकतंत्र तभी टिकाऊ होता है जब सत्ता केवल संस्थाओं के बीच ही नहीं, बल्कि समुदायों के बीच भी वितरित हो। मुख्य न्यायाधीश के ये बयान उस व्यापक बहस के बीच आए हैं, जिसमें यह सवाल उठाया जा रहा है कि क्या न्यायपालिका अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जा रही है. ऐसे में मुख्य न्यायाधीश के विचार न्यायपालिका की भूमिका, उसकी सीमाएं और उसकी जिम्मेदारियों को लेकर एक संतुलित दृष्टिकोण पेश करते हैं।

प. बंगाल सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का नतीजा

पाकिस्तानी नागरिक ने दो बार डाला वोट

उत्तर 24 परगना, 11 जून (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण के अंधत्व में गंभीर सुरक्षा चूक का खुलासा हुआ है। मुस्लिमों का वोट पाने की आपाधापी में सरकार यह भी नहीं देख रही है कि कौन भारतीय है और कौन पाकिस्तानी। प्रवर्तन निदेशालय ने पाकिस्तानी नागरिक आजाद मलिक को गिरफ्तार किया है। उसने स्थानीय लोगों और प्रशासन की मिलीभगत से फर्जी दस्तावेज बनवाए और भारत का मतदाता पहचान पत्र भी हासिल कर लिया। उसने दो बार 2021 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदान किया।

आजाद मलिक उत्तर 24 परगना जिले के दमदम उत्तर विधानसभा क्षेत्र का पंजीकृत मतदाता था, जो दमदम लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। पूछताछ में उसने स्वयं दोनों बार मतदान करने की बात स्वीकार की है। यह सवाल उठ रहा है कि मतदाता सूची की नियमित समीक्षा के दौरान इतनी बड़ी चूक कैसे हुई और फर्जी दस्तावेजों को वैध कैसे मान लिया गया। ▶10 पर

रेल मंत्रालय का महत्वपूर्ण कदम

आधार प्रमाणित ग्राहक ही ले पाएंगे तत्काल टिकट

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

रेल मंत्रालय ने एक परिपत्र जारी कर सभी डिवीजनों को सूचित किया है कि तत्काल योजना का लाभ अब केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ताओं को मिलेगा। रेल मंत्रालय ने बताया है कि एक जुलाई 2025 के बाद से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही तत्काल योजना के तहत टिकट बुक कर सकेंगे। 10 जून, 2025 के एक परिपत्र में मंत्रालय ने सभी जोनल रेलवे को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि तत्काल योजना का लाभ आम अंतिम उपयोगकर्ताओं को मिले।

मंत्रालय ने कहा, 01-07-2025 से तत्काल योजना के तहत टिकट भारतीय रेलवे खानपान व पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट/इसके ऐप के माध्यम से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे। इसके बाद, 15 जुलाई 2025 से तत्काल बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य कर दिया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार 01 जुलाई 2025 से तत्काल योजना के तहत टिकट भारतीय रेलवे ▶10 पर

तकनीकी खामी से फिर स्थगित हुई एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य लोगों को आईएसएस लेकर जाने वाले अंतरिक्ष यान एग्जियोम-4 का प्रक्षेपण फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। स्पेसएक्स ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पोस्ट स्टैटिक फायर बूस्टर के निरीक्षण के दौरान फाल्कन-9 रॉकेट में ऑक्सीजन लीक की समस्या पाई गई। जिसकी मरम्मत के लिए इंजीनियरों ने और समय मांगा है। ऐसे में प्रक्षेपण को फिलहाल टाल दिया गया है।

स्पेसएक्स ने बताया कि अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना होने वाले फाल्कन 9 के एक्स-4 प्रक्षेपण को स्थगित किया जा रहा है। जिससे कि इंजीनियरों को पोस्ट स्टैटिक फायर बूस्टर के निरीक्षण के दौरान पहचाने गए एलओएक्स रिसाव की मरम्मत के लिए अतिरिक्त समय मिल सके। स्पेसएक्स ने कहा कि अब मरम्म होने के बाद हम जल्द ही एक नई लॉन्च तिथि जारी करेंगे। गौरतलब है कि यह चौथी बार है जबकि यह बहुप्रतीक्षित मिशन टल गया है। सबसे पहले इसकी लॉन्चिंग की तारीख 29 मई तय की गई थी, फिर इसे बढ़ाकर आठ जून कर दिया गया। ▶10 पर

अमरनाथ यात्रा की प्रथम पूजा गुफा में सम्पन्न

उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने की पूजा-अर्चना

जम्मू, 11 जून (ब्यूरो)।

जयेष्ठ पूर्णिमा पर होने वाली अमरनाथ यात्रा की प्रथम पूजा को इस बार भी पवित्र गुफा में आयोजित किया गया। तीन जुलाई से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा से पहले बुधवार को पवित्र में प्रथम पूजा की गई। जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा ने सबसे पहले अमरनाथ गुफा के दर्शन किए और विधि विधान के साथ पूजा-अर्चना की। इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हो रही है। लेकिन परंपरा के अनुसार यात्रा शुरू होने से पहले अमरनाथ गुफा में एक विशेष पूजा अर्चना की गई। इस पूजा में जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा और अमरनाथ श्राइन बोर्ड के सभी बड़े अधिकारी मौजूद थे। सभी लोगों के अच्छे स्वास्थ्य, प्रगति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की गई। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने तीर्थयात्रियों को सभी सुविधाएं प्रदान करने पर जोर देते हुए श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड और संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि तीर्थयात्रियों को बेहतर सुविधाएं, बुनियादी ढांचा और सुरक्षा प्रदान करने में कोई कोताही नहीं होनी चाहिए। प्रथम पूजा के बाद एलजी ने कहा कि मैं बाबा बर्फानी के सभी भक्तों ▶10 पर

कालेश्वरम परियोजना में अनियमितताओं की जांच तेज

न्यायिक आयोग के सामने पेश हुए पूर्व सीएम केसीआर

हैदराबाद, 11 जून (एजेंसियां)।

तेलंगाना में पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की सरकार के दौरान कालेश्वरम सिंचाई परियोजना में कथित अनियमितताओं की न्यायिक जांच तेज हो गई है। बुधवार को बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव (केसीआर) की न्यायिक आयोग के सामने पेशी हुई। वे सुबह 11 बजे के बाद आयोग के कार्यालय पहुंचे। इस दौरान बीआरएस के कई नेता और कार्यकर्ता बीआरएस भवन में एकत्र हुए। यहां पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम

किए थे। आयोग पिछले लगभग एक साल में अनेक इंजीनियरों और अन्य अधिकारियों, विशेषकर सिंचाई विभाग के अधिकारियों से पूछताछ कर चुकी है। इससे पहले नौ जून को केसीआर के भतीजे और बीआरएस विधायक टी हरीश राव और छह जून को भाजपा सांसद एटाला राजेंद्र से आयोग ने पूछताछ की थी। केसीआर के बेटे केटीआर ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस बीआरएस के खिलाफ साजिश कर रही हैं। राव ने कहा कि राहुल गांधी और भाजपा इसमें साथ हैं। ▶10 पर

नीतीश कुमार ने पटनावासियों को दिया नायाब तोहफा

देश के पहले डबल डेकर एलिवेटेड कॉरिडोर का शुभारंभ

पटना, 11 जून (एजेंसियां)।

पटनावासियों को देश के पहले डबल डेकर एलिवेटेड कॉरिडोर की सौगात मिली है। सीएम नीतीश कुमार ने इसका शुभारंभ किया। अशोक राजपथ पर बनी यह डबल डेकर सड़क करगिल चौक से पीएमसीएच होते हुए साइंस कॉलेज तक जाएगी। बुधवार सुबह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, मंत्री विजय चौधरी पथ निर्माण विभाग के मंत्री नितिन नवीन समेत कई अधिकारियों और पदाधिकारियों के साथ मिलकर इस कॉरिडोर

का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब इस इलाके से गुजरने वाले लोगों को जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। यानी अशोक राजपथ जैसे व्यस्त मार्गों पर ट्रैफिक का सीधा समाधान होने से लोगों का समय काफी बचेगा। एनआईटी, पीएमसीएच और सायंस कॉलेज जैसे संस्थानों तक पहुंचने में काफी आसानी होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस मौके पर कहा कि पटना की ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए लगातार काम हो रहा है। यह फ्लाईओवर इसी दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 99,390/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,08,460/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^0

न्यूनतम : 20^0

अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर जा रहे बीएसएफ को दी जर्जर ट्रेन

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

अमरनाथ यात्रा में ड्यूटी के लिए जा रहे बीएसएफ के 1200 जवानों को रेलवे की ओर से खस्ताहाल ट्रेन दी गई थी। ट्रेन का हाल देखकर जवानों ने उसमें चढ़ने से इन्कार कर दिया। रेल मंत्री ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए चार अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा ड्यूटी पर जा रहे बीएसएफ के 1200 जवानों को जर्जर ट्रेन देने के मामले में गाज गिर गई है। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बुधवार को कैबिनेट की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान बताया कि खराब रैक देने के मामले में रेलवे के चार अधिकारी सस्पेंड कर दिए गए हैं। यह स्पेशल ट्रेन छह जून को बीएसएफ जवानों को लेकर त्रिपुरा के उदयपुर रेलवे स्टेशन से जम्मू तवी स्टेशन के लिए रवाना होनी थी। मंत्रालय ने ट्रेन बदलने के साथ ही इस गलती के लिए जिम्मेदार अलीपुरद्वार मंडल के चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया है।

बीएसएफ के जवानों को भारतीय रेलवे ने एक ऐसी ट्रेन मुहैया करा दी कि उसकी जर्जर हालत देखकर जवान दंग रह गए। ट्रेन की हालत देखकर ऐसा लग रहा था कि जैसे उसे लंबे

रेलवे के चार अधिकारी निलंबित किए गए

समय से इस्तेमाल ही न किया गया हो। खिड़की, दरवाजे, बिजली उपकरण व टॉयलेट, सब जर्जर हालत में थे। बीएसएफ जवानों ने अपने आला अधिकारियों को उक्त घटना से अवगत कराया। चार दिन बाद मंगलवार को एनएफआर जोन ने दूसरी ट्रेन उपलब्ध कराई। बीएसएफ जवानों को अमरनाथ यात्री की ड्यूटी के लिए कश्मीर पहुंचना था।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमा सुरक्षा बल बीएसएफ के जवानों की वीरता को खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी माना है। बीएसएफ जवानों ने सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया था। अमित शाह ने जम्मू में बीएसएफ जवानों की पीठ थपथपाते हुए कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब पाकिस्तान ने हमारे नागरिक रियाहशी इलाकों पर हमला किया, तब अकेले बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर ने 118 से ज्यादा पाकिस्तान की पोस्ट तबाह कर दी। उन्हें भारी नुकसान पहुंचाया गया। दुश्मन की संपूर्ण निगरानी प्रणाली को चुन-चुन कर ध्वस्त किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था, उसे खड़ा करने में दुश्मन को शायद चार-पांच साल का समय लगे।

बीएसएफ आईजी गुवाहाटी फ्रंटियर की ऑपरेशन ब्रांच द्वारा एनएफ रेलवे मालेगांव गुवाहाटी (असम) से एक स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था करने का आग्रह किया गया था। इस गाड़ी में बीएसएफ के लगभग 12 सौ जवान सवार होने थे। इनमें त्रिपुरा फ्रंटियर बीएसएफ की सात कंपनी, गुवाहाटी फ्रंटियर से तीन कंपनियां और एम एंड सी फ्रंटियर की भी तीन कंपनियां शामिल हैं। इन सभी कंपनियों के 12 सौ जवानों को एडहॉक 12 व 13 बटालियन के ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

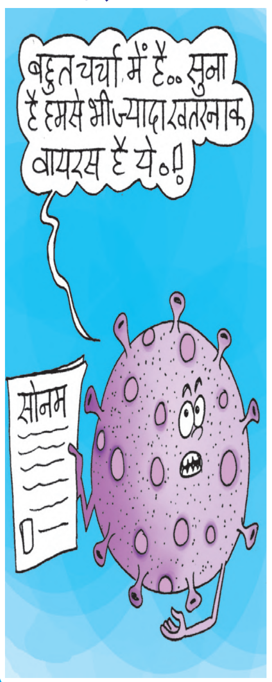

ट्रेन सेवाओं और यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए मंडल रेल प्रबंधक से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण पश्चिम रेलवे बेंगलूरु मंडल सलाहकार समिति के सदस्य आश्विन सेमलानी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बेंगलूरु मंडल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह से मुलाकात कर ट्रेन सेवाओं और यात्री सुविधाओं में सुधार से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा। अपने ज्ञापन में उन्होंने ट्रेन संख्या 16508 बेंगलूरु-जोधपुर एक्सप्रेस को दैनिक सेवा में परिवर्तित करने की मांग की।

सेमलानी ने बताया कि लगातार यात्रियों की उच्च मांग को देखते हुए इस ट्रेन की आवृत्ति को दैनिक तक बढ़ाया जाए। इसकी आवृत्ति बढ़ाने से बेंगलूरु और जोधपुर के बीच कनेक्टिविटी में काफी सुधार होगा, जिससे नियमित यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी। ट्रेन संख्या 16209-16210 (बेंगलूरु-अजमेर एक्सप्रेस) के लिए जवाई बांध स्टेशन (पाली जिला) पर अतिरिक्त ठहराव निर्धारित कर पाली जिले और आसपास के क्षेत्रों के काफी संख्या में यात्रियों को जवाई बांध स्टेशन पर निर्धारित ठहराव से लाभ होगा। यह अतिरिक्त ठहराव क्षेत्रीय पहुंच को मजबूत करेगा और लंबे समय से चली आ रही सार्वजनिक मांग को पूरा करेगा। ट्रेन संख्या 16210 मैसूरु- अजमेर एक्सप्रेस के लिए जवाई बांध स्टेशन पर ठहराव की शुरूआत हो। चूंकि जवाई बांध स्टेशन उत्तर पश्चिमी रेलवे के अजमेर डिवीजन के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए यहां ठहराव से स्थानीय यात्रियों के लिए यात्रा आसान हो जाएगी और अंतिम मील कनेक्टिविटी में सुधार होगा। ट्रेन संख्या 12079-80 जनशताब्दी एक्सप्रेस का धारवाड़ तक विस्तार कर दिया जाए तो इस सेवा का विस्तार यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करेगा और बेंगलूरु और धारवाड़ के बीच बेहतर यात्रा विकल्प प्रदान करेगा, जिससे क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा। ज्ञापन में वरिष्ठ नागरिक रियायत की पुनः शुरुआत की मांग की गई। वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायत, जिसे कोविड-19 महामारी के दौरान निलंबित कर दिया गया था, कृपया पुनः शुरू की जाए। इस सुविधा को पुनः बहाल करना उन बुजुर्ग यात्रियों के प्रति एक दयालु भाव होगा जो सुरक्षित और किफायती यात्रा के लिए रेलवे पर निर्भर हैं।

हालांकि हम समझते हैं कि इनमें से कुछ मामले रेलवे बोर्ड या अन्य क्षेत्रीय रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, लेकिन कार्यालय से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि इन प्रस्तावों को अनुकूल विचार और आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को अग्रेषित करें। सेमलानी ने कहा कि मंडल प्रबंधक से मुलाकात कर हमें सकारात्मक प्रतिक्रिया की उम्मीद है और जनता के लिए रेलवे सेवाओं को बेहतर बनाकर और बेंगलूरु डिवीजन और आसपास के क्षेत्रों से जुड़े यात्रियों को बहुत लाभ मिलेगा। इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल में कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, विक्रम राजपुरोहित और सज्जन राज मेहता सहित अन्य उप-स्थित थे।

पूर्णिमा पर अन्नदान प्रसादम का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में जरूरतमंदों की सेवार्थ सेकंड इनिंग्स-दी हेल्पिंग हैंड्स नाम की सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संस्था द्वारा पूर्णिमा दिवस के मौके पर अन्नदान प्रसादम का कार्यक्रम केरोड स्थित वाणी विलास हॉस्पिटल में आयोजित किया गया। अनंत लब्धि निधिनाय गुरु गौतम स्वामी द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में सेकंड इनिंग्स के अध्यक्ष रमेश बाफना, उपाध्यक्ष गौतमचंद धारीवाल व महामंत्री जयंतीलाल श्रीश्रीमाल सहित कमल बांठिया, मनोहर लाल बाफना, डॉक्टर संतोष, राजेश जैन, महावीर अलीजार, पूनम जैन तथा डॉक्टर सविता आदि ने सेवाएं प्रदान की। वाणी विलास हॉस्पिटल के मरीजों व उनके परिजनों हेतु शुद्ध सात्विक एवं शाकाहारी भोजन प्रसाद कराया गया। उल्लेखनीय है कि सेकंड इनिंग्स संस्था द्वारा प्रत्येक माह की अमावस्या व पूर्णिमा पर अन्नदान के इस कार्यक्रम के अलावा प्रतिमाह करीब 140 स्वधर्म परिवारों को राशन सामग्री भी वितरित की जाती है, जो संस्था के सेवाभावी ट्रष्टियों के सामूहिक सहयोग से संपादित की जाती है। अस्पताल के चिकित्सकों व मैनेजमेंट कमेटी ने आयोजन की सराहना की।

ज्येष्ठ सुदी तेरस के उपलक्ष्य में भिक्षु भजन संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी पुण्ययशा जी के पावन सानिध्य में तेयुप हनुमंतनगर द्वारा संचालित महाश्रमण सुर संगम भजन मंडली द्वारा तेरापंथ सभा भवन हनुमंतनगर में भिक्षु स्वामी की मासिक ज्येष्ठ सुदी तेरस के उपलक्ष्य में भिक्षु भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का सुभारम्भ साध्वी द्वारा महामंत्र के मंत्रोच्चार से हुआ। परिषद अध्यक्ष कमलेश झाबक ने सभी का स्वागत किया। साध्वी वर्धमान यशा जी द्वारा सुमधुर गीतिका का संगान किया गया। जिससे सभी के रोम-रोम में भक्ति-रस का संचार हुआ। अनेको भिक्षु स्वामी के भजनों द्वारा महाश्रमण सुर संगम के संयोजक सन्नी रांका, परिषद उपाध्यक्ष देवेंद्र आंचलिया, संगठन मंत्री संदीप बाबेल, महिला मंडल मंत्री मीनाक्षी देरासरिया, मोनिका कोठारी ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों से पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। साध्वी पुण्ययशा जी ने कहा कि आज त्रयोदशी को हमने हनुमंतनगर में धम्मजागरण किया। यहाँ

युवकों की गाने वाली अच्छी टीम है तो यह सहज निर्जरा का अवसर हो जाता है। आज हम गर्व के साथ तेरापंथ धर्म संघ का नाम लेते है, ये किसकी देन है भिक्षु स्वामी की है। अब सामने आचार्य भिक्षु का 300वां जन्म शताब्दी वर्ष आने वाला है। आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी और इसकी पूरी बारह महीने की गुरुदेव के यहाँ से रूप रेखा आयी है। हर तेरस को ज्यादा से ज्यादा उपवास एवं एकासन आयम्बिल तपस्या हो। तपस्या के साथ साथ धम्मजागरणा भी हो। आज विशेष रूप से आपसे यह कहना चाहती हूं की तेरापंथ प्रबोध का स्वाध्याय हर तेरस पर करना चाहिए। सभी को भिक्षु अष्टकम सीखना चाहिए। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष गौतम दक, सभा मंत्री हेमराज मांडोत, परामर्शक प्रकाश देरासरिया, परिषद सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, महिला मण्डल पूर्व अध्यक्ष मंजू दक, महावीर देरासरिया, सज्जनराज कटारिया, महावीर कटारिया, प्रतीक पोरवाड़, नीलेश देसरला सहित अच्छी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

अणुव्रत समिति का विजयनगर में हुआ नवगठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अणुव्रत विश्व भारती की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा डॉ. कुसुम लूनिया, कैलाश बोराणा एवं संगठन मंत्री राजेश चावत, कर्नाटक राज्य प्रभारी सुरेश देरासरिया, अणुविभा के परामर्शक बद्रीलाल पितलिया और प्रकाश बाबेल ने सार संभाल के तहत संगठन यात्रा करने हेतु विजयनगर सभा भवन का दौरा किया। इस अवसर पर अणुव्रत समिति बेंगलूरु के अध्यक्ष देवराज रायसोनी, नव मनोनित अध्यक्ष ललित बाबेल, मैसूरु अणुव्रत समिति अध्यक्ष मुस्कान नौलुका आदि भी मौजूद रहे। विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिला मंडल उपाध्यक्षा बरखा पुगलिए के नेतृत्व में बैठक का

आयोजन किया गया। कार्यक्रम अणुव्रत गीत से प्रारंभ हुआ, अणुव्रत की जानकारी कुसुम एवं कैलाश ने दी। सभी ने अपने अपने विचार रखे। अणुव्रत को जन जन तक पहुंचाया जाए और मानवीय चेतना जगाने वाला उपक्रम है। क्योंकि बेंगलूरु क्षेत्र का वर्तमान में बहुत विस्तार हुआ है। इसलिए विजयनगर में भी अणुव्रत समिति का गठन होना चाहिए। अनुमति पत्र राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा को सौंपा गया, जिसकी स्वीकृति मिलते ही विजयनगर में समिति का गठन हुआ और सर्व सम्मति से अणुव्रत समिति के अध्यक्ष के रूप में महेंद्र टेबा का नाम पारित हुआ। जय अणुव्रत के उद्घोष के साथ नवमनोनित अध्यक्ष महेंद्र टेबा ने सभी का धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मदन बोराणा, सुशील चोरड़िया, विमल सामसुखा, कन्हैयालाल चिप्पड़, आखिल भारतीय महिला मंडल की पूर्व महामंत्री वीणा बैद, संपत चावत, लाभेश कांसवा, अशोक नागोरी, महिला मंडल की सदस्या, सभा के सदस्य और तेयुप सदस्य एवं बेंगलूरु समाज के अनेक गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रही। सफल संचालन राजेश चावत ने किया।

दो दिवसीय दक्षिणांचल सम्मेलन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण भारत तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के तत्वावधान में दो दिवसीय दक्षिणांचल सम्मेलन का आयोजन जैन रॉयल पैलेस रिसॉर्ट, येलगिरी में हुआ। इस सम्मलेन का आयोजन टीपीएफ चेन्नई शाखा ने किया। सम्मेलन में बेंगलूरु, चेन्नई, हैदराबाद, मैसूरु, हासन और अन्य शाखाओं से डॉक्टर, इंजीनियर, सी ए, एडवोकेट और अन्य प्रोफेशनल पधारे। पहला सत्र मंगलाचरण से आरंभ हुआ। दक्षिणांचल टीपीएफ अध्यक्ष विक्रम कोठारी ने सभी का स्वागत किया। टीपीएफ राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत ने अपने वक्तव्य में सभी को टीपीएफ के माध्यम से सामाजिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। बबीता चोपड़ा टीपीएफ चेन्नई अध्यक्ष, राष्ट्रीय आध्यात्मिक संयोजक दिनेश धोखा, डॉ. कमलेश नाहर ने अपने विचार व्यक्त किये। दक्षिणांचल टीपीएफ मंत्री भरत भंसाली ने आभार प्रकट किया। दूसरे सत्र में सह मंत्री कल्पेश बाफना ने व्यापार में प्रौद्योगिकी ए ई के उपयोग के बारे में समझाया। सभी शाखाओं ने अपने कार्यकाल की रिपोर्ट पेश की और उत्तम कार्य करने वाले शाखाओं को सम्मानित किया गया। इसके बाद सभी ने सामायिक किया। तीसरे सत्र में अनेक क्रीडा का आयोजन किया गया। रिसॉर्ट के मालिक बेंगलूरु तेरापंथ सभा के पूर्व अध्यक्ष अमृतलाल भंसाली को सम्मानित किया गया। इस सम्मेलन में मानकचंद बलदोटा, अनिल लुनावत उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री कल्पवृक्ष गेलेयारा बलेगा वेंकटेश्वरा नगर द्वारा अन्नम्मा देवी एवं मारम्मादेवी उत्सव का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

निर्धन या अबोल जीवो की सेवा ही ईश्वर की सेवा: पंकज बाफना

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पूर्णिमा के अवसर पर स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में महावीर गौशाला के मूक प्राणियों के लिए खाद्य सामग्री एकत्र कर गौशाला भिजवाया गया।

संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा दया से तात्पर्य हमारे आसपास के लोगों के प्रति अच्छा होना है। दयालु उनकी तरफ विनम्र बनकर, उन्हें भावनात्मक समर्थन देकर, उनकी आर्थिक रूप से

सहायता कर, उनके मनोबल को बढ़ा कर या बस उनके प्रति सहायक होकर बना जा सकता है। हमारे द्वारा किए गए अच्छे कृत्य और दयालु कृत्य न केवल मदद की आस लगाए बैठे लोगों के लिए वरदान हैं, बल्कि हमारे लिए भी एक वरदान हैं। जब हम दूसरों को उनके कार्यों में सहायता करते हैं, उनके प्रति विनम्र होते हैं और ऐसे अच्छे कृत्य करते हैं तो हमें सिद्धि और खुशी का अहसास मिलता है। अतीत में दयालुता को अलग-अलग धार्मिक पुस्तकों और साहित्य में वर्णित किया गया है। हालांकि इन सभी विचार का विचार एक ही है। इन सभी के हिसाब से मनुष्य को अन्य मनुष्यों और साथ ही अन्य प्राणियों के लिए दयालुता दिखानी चाहिए। हमें विनम्र, मैत्रीपूर्ण और सहायक होना चाहिए। हमें दयालुता दिखानी चाहिए और बदले में कुछ पाने का उद्देश्य निर्धारित नहीं करना चाहिए। दया एक निःस्वार्थ कार्य है।

संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने कहा पिछले कई सालों से गदग में यह सेवा कार्य किया जा रहा है। संघ के सदस्यों की सेवा भावना की अनुमोदना की और ज्यादा से ज्यादा सहयोग देने का अनुरोध किया। संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़, अध्यक्ष पंकज बाफना, समिति सदस्य धीरज बाफना, सुरेश बोरा, सौरभ कुमार, चिरंजीवी लुंकड़, सुमेरमल बालड़ समेत कई सदस्य उपस्थित थे।

भाई पर पेट्रोल से हमला करने से व्यक्ति की मौत, हत्या का मामला दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एक चौंकाने वाली घटना में, अपने ही छोटे भाई द्वारा आग लगाने के बाद गंभीर रूप से घायल हुए एक व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। 8 जून को मेंगलूरु-बेंगलूरु रेल खंड में कोडिम्बाला रेलवे ट्रैक के पास हुए क्रूर हमले के बाद पीड़ित हनुमप्पा (42) की सोमवार को अस्पताल में मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी निंगप्पा (21) ने अपने बड़े भाई पर डीजल में पेट्रोल मिलाकर उसे जला दिया था और कथित तौर पर उसे मारने की कोशिश की थी। शुरुआत में, मामला हत्या के प्रयास के तहत दर्ज किया गया था। हालांकि, इलाज के दौरान हनुमप्पा की मौत के बाद, पुलिस ने अब मामले को हत्या के आरोप में बदल दिया है। सोमवार को, मेंगलूरु रेलवे पुलिस ने आरोपी को घटनास्थल पर मौका मुआयना

करने के लिए ले गई। मेंगलूरु डिवीजन रेलवे पुलिस निरीक्षक जयानंद, एएसआई मधु चंद्रा, फोरेंसिक विशेषज्ञ और रेलवे पुलिस कर्मियों ने विस्तृत जांच शुरू कर दी है। सूत्रों से पता चला है कि दोनों भाई पुत्तूर से ट्रेन में सवार हुए थे और दोपहर के समय कोडिम्बाला रेलवे स्टेशन पर उतरे थे। आस-पास के घरों की मौजूदगी से अवगत, निंगप्पा कथित तौर पर रेलवे ट्रैक के साथ लगभग एक किलोमीटर दूर कोरियार में एक अधिक निर्जन क्षेत्र में चला गया, जहाँ उसने पेट्रोल-डीजल के मिश्रण का उपयोग करके योजनाबद्ध हमला किया। कडाबा पुलिस को दिए गए आरोपी के बयान के अनुसार, उसके भाई को शराब की बहुत बुरी लत थी। चौदह साल पहले, उसकी पत्नी ने उसके अपमानजनक व्यवहार के कारण उसे छोड़ दिया था। हाल ही में, नशे की हालत में, उसने अपनी माँ पर पत्थर से हमला करने का भी प्रयास किया। निंगप्पा ने यह भी दावा किया कि हनुमप्पा ने उस दिन पहले उसके साथ एक दृश्य बनाया था। वर्षों के उत्पीड़न और हिंसा से तंग आकर, उसने कहा कि उसने अपने भाई को मारने का फैसला किया। मामले की आगे की जांच जारी है।

ओएमसी अवैध खनन मामला

तेलंगाना कोर्ट ने गली जनार्दन रेड्डी की दोषसिद्धि और जेल की सजा को निलंबित किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को गली जनार्दन रेड्डी को सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा दी गई सात साल की कैद की सजा को निलंबित कर दिया - जिसने उन्हें ओबुलापुरम माइनिंग कंपनी मामले में अवैध खनन का दोषी ठहराया था। इसी मामले के तीन अन्य दोषियों, वी. दसारी राज गोपाल, बी.वी. श्रीनिवास रेड्डी और के. महफूज अली खान को न्यायाधीश ने जमानत दे दी। हैदराबाद में सीबीआई की विशेष अदालत ने 6 मई 2025 को सीबीआई द्वारा दर्ज आपराधिक मामले में फैसला सुनाया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि ओएमसी ने पूर्ववर्ती संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा पट्टे पर दी गई भूमि से परे अवैध खनन में लिप्त है। एफआईआर जारी करने के 16 साल बाद फैसला सुनाया गया। विशेष अदालत ने जनार्दन रेड्डी और तीन अन्य को दोषी ठहराया और उन्हें सात साल की कैद की सजा सुनाई। इस सजा को चुनौती देते हुए चारों ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। जनार्दन रेड्डी द्वारा सीबीआई अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली आपराधिक अपील में अंतरिम आदेश पारित करते हुए - जिसके बाद उन्हें जेल में डाल दिया गया था - न्यायमूर्ति के. लक्ष्मण ने याचिकाकर्ता को 10 लाख रुपये की जमानत राशि जमा करने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने कहा कि याचिकाकर्ता को न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए और न ही देश छोड़ना चाहिए।

सीएम सिद्धरामैया ने कुसुम सी प्रोजेक्ट किया लॉन्च

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को कुसुम-सी परियोजना का शुभारंभ किया, जो स्थानीय स्तर पर सौर ऊर्जा उत्पन्न करके दिन में 7 घंटे कृषि पंप सेटों को बिजली की आपूर्ति करेगी। गौरीबिदनूर तालुक के हनुमानहल्ली में टोंडेबावी बिजली सबस्टेशन को सौर ऊर्जा आपूर्ति का शुभारंभ करने वाले मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न हिस्सों से इलेक्ट्रॉनिक रूप से जुड़े किसानों के साथ बातचीत की। तुमकुरु जिले के तिप्तुर तालुक में नव स्थापित बिजली संयंत्र में लाभार्थी किसानों के साथ बातचीत करने वाले मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कुसुम-बी परियोजना के लिए 50 प्रतिशत धनराशि प्रदान कर रही है। केंद्र सरकार 30 प्रतिशत प्रदान करेगी और शेष 20 प्रतिशत निवेशकों द्वारा वहन किया जाएगा। केंद्र सरकार एक मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए कुसुम-सी परियोजना के लिए 1 करोड़ 3 लाख रुपये प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शेष 3 करोड़ रुपये वहन कर रही है। तिप्तूर विधायक के. शदाक्षरी ने इस राशि को बढ़ाने का सुझाव दिया। उन्होंने सवाल किया कि

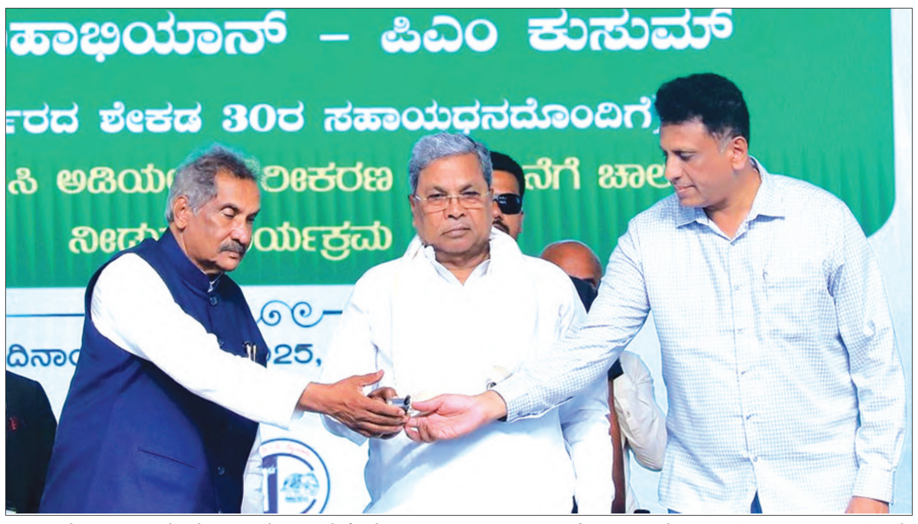

क्या प्रत्येक एकड़ से खेती करके 25,000 रुपये कमाए जा रहे हैं। जब विधायकों ने मांग की कि उनके तालुक में पांच या छह और स्थानों पर ये इकाइयां शुरू की जाएं, तो उन्होंने कहा कि चूंकि यह केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजना है, इसलिए चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा। जब मुख्यमंत्री गदग जिले के लाभार्थियों से बातचीत कर रहे थे, तो भाजपा विधान परिषद सदस्य एस.वी. संकनूर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में इस योजना का उद्घाटन किया और आपकी सरकार ने इसे लागू किया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई योजना लागू की जानी है, तो भूमि अधिग्रहण और अन्य प्रक्रियाओं के कारण देरी होगी। पिछली सरकार ने योजना शुरू नहीं की थी।

जब मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आधे से अधिक पैसा दे रहे हैं, तो यह मत कहिए कि पिछली सरकार ने इसे शुरू नहीं किया। योजना के कार्यान्वयन के लिए संबंधित अवधि की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि हम केंद्र से अपना हिस्सा बढ़ाने का भी अनुरोध करेंगे। कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच.के. पाटिल ने ऑनलाइन संवाद में भाग लिया और भूमि उपयोग दर बढ़ाने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस पर कैबिनेट बैठक में चर्चा करेंगे। शिरा और चामराजनगर जिले के किसानों ने संवाद में भाग लिया और कहा कि पहले उन्हें रात में बिजली की आपूर्ति की जाती थी, जिससे जंगली जानवरों के डर से उन्हें अपने खेतों में जाना मुश्किल हो जाता था। अब दिन में बिजली की आपूर्ति की जा रही है और वे अपने खेतों में पानी देकर रात में चैन की नींद सो रहे हैं। उन्होंने इसके लिए सरकार का आभार जताया। आने वाले दिनों में हम प्रतिदिन सात घंटे गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति करेंगे। उन्होंने कहा कि यह किसानों के लिए लागू की गई कई योजनाओं में से एक है। ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज ने कहा कि इस वर्ष एक सौ सबस्टेशन स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और अधिक सबस्टेशन और पूरक बिजली लाइनें बनाई जाएंगी। कृषि पंप सेटों को 19 हजार बिजली सब्सिडी दी जा रही है। शॉर्ट मीटर योजना में देश के सभी राज्यों में आरडीएसएस योजना लागू की गई है। कर्नाटक और राज्यों को छोड़ दिया गया है। इससे वित्तीय बोझ बढ़ गया है। इसके लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। कैबिनेट की बैठक में इस पर चर्चा के बाद उचित निर्णय लिया जाएगा। अगर केंद्र आरडीएसएस पर सहमति देता है तो अनुदान का 60 फीसदी हिस्सा मिलेगा। अभी तक पंचायत और शहरी स्थानीय निकायों का बिजली बिल भुगतान लंबित था। इस वजह से कई परियोजनाएं रुकी हुई हैं। अब से केंद्र सरकार ने सरकारी संस्थानों को नए बिजली कनेक्शन देने के लिए अग्रिम भुगतान प्रणाली का पालन करने की शर्त रखी है। उन्होंने कहा कि इसे बाद में लागू किया जाएगा।

राज्य में भारी बारिश का अनुमान, येलो अलर्ट घोषित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मौसम में आए बदलाव के कारण मानसून तेज हो गया है और पिछले चार दिनों से राज्य में बारिश हो रही है। साथ ही बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान बनने के कारण आंशिक रूप से बादल छाए हुए हैं और राज्य में भारी बारिश की संभावना है। आगामी 15 जून तक राज्य में बारिश बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के तेज होने के कारण तटीय, मलनाड और आंतरिक जिलों के कुछ जिलों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। मंगलवार और सोमवार रात राजधानी बेंगलूरु समेत राज्य के कई हिस्सों में गरज के साथ बारिश हुई। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र के अनुसार दक्षिण कन्नड़, उडुपी, चिक्कबल्लापुर जिलों में व्यापक बारिश हुई। दावणगेरे, बेंगलूरु शहर, चामराजनगर, बेंगलूरु ग्रामीण, मांड्या, बीदर, कलबुर्गी जिलों में मध्यम से व्यापक बारिश हुई। जहां मैसूरु, यादगीर, कोलार और विजयनगर जिलों में छिटपुट बारिश हुई, वहीं उत्तर कन्नड़, हावेरी, चित्रदुर्ग, हासन, शिवमोग्गा, कोडागु, चिक्कमगलूरु, तुमकुरु, रायचूर, धारवाड़, गदग, रामानगर, विजयपुरा, कोप्पल, बागलकोट और बल्लारी जिलों में कुछ स्थानों पर ही बारिश हुई। बेलगावी जिले में हल्की बारिश ही हुई। राज्य में सबसे अधिक वर्षा कौप ग्राम पंचायत में 77 मिमी हुई। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों में राज्य के 9 जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। उत्तर कन्नड़, उडुपी, दक्षिण कन्नड़, चिक्कमगलूरु, कोडागु, शिवमोग्गा, हावेरी, धारवाड़ और हावेरी के तटीय जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। मैसूरु, हासन, दावणगेरे, कोप्पा, रायचूर, गदग, विजयनगर, बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, कोलार, चिक्कबल्लापुर, तुमकुरु, चित्रदुर्ग, मांड्या और रामानगर जिलों के लिए यलो अलर्ट घोषित किया गया है।

जाति जनगणना को दरकिनार कर सीएम के सिर पर दुपट्टा पहनाया गया: नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ और 11 लोगों की मौत के मामले में हम राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) से सीएम और डीसीएम के लिए सख्त कार्रवाई की जाने की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन, कांग्रेस पार्टी जाति जनगणना को दरकिनार कर लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। भाजपा कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने आरसीबी की जीत का फायदा उठाने के लिए मैच जीतने से पहले जश्न मनाने की अनुमति ली थी। बाद में जश्न मनाते समय 11 लोगों की मौत हो गई, जो पूरे देश में खबर बन गई।

इस त्रासदी को लेकर विपक्षी भाजपा ने विस्तार से निंदा की है, जिसमें सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। इस संदर्भ में एआईसीसी ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को दिल्ली बुलाया था। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि दोनों को उनके द्वारा किए गए अपराध के लिए दंडित किया जाएगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं किया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा किसी भी कारण से उनके खिलाफ लड़ाई बंद नहीं करेगी, और जब तक वे दोनों इस घटना की जिम्मेदारी नहीं लेते और इस्तीफा नहीं देते, तब तक वे लड़ते रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापा मारा है। वाल्मीकि निगम से 187 करोड़ रुपये चोरी हुए थे। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में स्वीकार किया था कि केवल 87 करोड़ चोरी हुए थे। उन्होंने इस बात की निंदा की कि वे भ्रष्टाचार को शर्मनाक बात मानते हुए भी सत्ता में बने रहे। जिन जननेताओं के यहां ईडी ने छापा मारा, उनके द्वारा कितने पैसे का इस्तेमाल किया गया, इसका ब्योरा मिल गया है। उन्होंने कहा कि अपराध में शामिल सभी लोगों की सदस्यता रद्द की जाएगी।

वाल्मीकि निगम घोटाले के पीछे कौन से महान नेता का हाथ है?

पैसे का राजनीति में इस्तेमाल करने वालों को जनता भविष्य में सबक सिखाएगी: श्रीरामुलु

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु ने भरोसा जताया है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के बच्चों के पैसे का राजनीति में इस्तेमाल करने वालों को जनता भविष्य में सबक सिखाएगी। भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज वे उसी पैसे से सांसद और विधायक हो सकते हैं। लेकिन इस राज्य की जनता सब कुछ देख रही है। उन्हें सबक सिखाया जाएगा। बल्लारी जिले में सांसद तुकाराम, बल्लारी सिटी विधायक भारत रेड्डी, कुडलिगी विधायक डॉ. श्रीनिवास और कांपली विधायक गणेश के घरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा छापेमारी की जा रही है। ये नेता बहुत सत्य का उपदेश देते थे। वे केवल अनैतिक कार्य करते हैं। वे अपने घरों के सामने वृंदावन की तरह बातें करते थे। उन्होंने कहा कि कई लोगों को लगता था कि

वे सच बोल रहे हैं। उन्होंने जैसा कहा, वैसा ही किया। महर्षि वाल्मीकि विकास निगम में भ्रष्टाचार को लेकर हम प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र, पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में पदयात्रा पर गए थे। हमने मांग की थी कि मंत्री नागेंद्र इस्तीफा दें। हमारी मांग पर मंत्री ने उस पद से इस्तीफा दे दिया और जेल चले गए। जांच के दौरान निगम के एक अधिकारी चंद्रशेखर ने एक डेथ नोट लिखकर आत्महत्या कर ली थी। उस डेथ नोट में उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि मंत्री इसमें शामिल थे। उन्होंने बताया था कि कौन-कौन से अधिकारी इसमें शामिल थे। उन्होंने बताया कि वाल्मीकि घोटाले के खिलाफ भाजपा आज तक लड़ रही है। नेताओं का नकाब उतर जाएगा। आज की ईडी की छापेमारी से कई नेताओं का नकाब उतर गया है। हमें यह जानना है कि इस घोटाले के पीछे कौन सा बड़ा नेता है। उन्होंने अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों के लिए प्रोत्साहन राशि, छात्रवृत्ति राशि, गंगा कल्याण योजना का पैसा और गरीबों को दी जाने वाली योजनाओं का पैसा हड़पने का आरोप लगाया। निगम ने बार की दुकानों, सुरक्षा एजेंसियों और किसानों के खातों में 187 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। लेकिन सरकार यह जवाब नहीं दे पा रही है कि पैसा कहां गया। यह सरकार बयान देती है कि हम अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों के पक्ष में हैं। लेकिन उन्होंने आपत्ति जताई कि कांग्रेस सरकार ने उन बच्चों को बचाने के लिए कुछ नहीं किया। सरकार आ सकती है, जा सकती है। लेकिन उन्हें पता होना चाहिए कि मंत्री और जनप्रतिनिधि कैसे होने चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि अगर वे सरकारी पैसा निगल जाते हैं तो क्या वे राजनेता कहलाने के लायक हैं। मुख्यमंत्री एक बार फिर कह रहे हैं कि वे नागेंद्र को मंत्री पद देंगे। उन्हें मंत्री पद दें, हमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन उन्होंने मांग की कि सरकार को सैकड़ों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार की वसूली के लिए कार्रवाई करनी चाहिए। इस मौके पर ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महासचिव सोमशेखर, भाजपा नेता एमडी लक्ष्मीनारायण और वेंकटेश मौजूद थे।

165 करोड़ रुपये खर्च करने के लिए कौन जिम्मेदार है?

मुख्यमंत्री को लोगों से माफी मांगनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए: वी. सुनील कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश महासचिव और विधायक वी. सुनील कुमार ने मांग की है कि जाति जनगणना पर 10 साल तक बार-बार गलत आंकड़ों के बारे में राज्य की जनता को बताने के लिए मुख्यमंत्री को राज्य की जनता से माफी मांगनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि आप ही हैं जिन्होंने विफलताओं की एक श्रृंखला देखी है। 165 करोड़ रुपये का दुरुपयोग भी हुआ है। मुडा घोटाला, वाल्मीकि घोटाला, भगदड़ कांड, आबकारी घोटाला और अब जाति जनगणना - ये सब विफलताओं की एक श्रृंखला है। इसलिए उन्होंने मांग की कि वे तत्काल इस्तीफा दें। उन्होंने कहा कि राज्य ने पिछला जाति सर्वेक्षण छोड़ दिया है और पूछा कि 165 करोड़ रुपये खर्च करने के लिए कौन जिम्मेदार है। पिछले सर्वेक्षण पर किए गए खर्च के लिए आप किसे जिम्मेदार ठहराएंगे? उन्होंने पूछा कि नए सर्वेक्षण की लागत के लिए किसे

जिम्मेदार ठहराया जाएगा। उन्होंने पूछा कि क्या वे राज्य के टैक्स के पैसे को अपनी मर्जी से पानी में जलाने के लिए तैयार हैं। जब डेटा सही नहीं है, तो उन्होंने पिछली रिपोर्ट को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि हाईकमान ने डेटा पर संदेह व्यक्त किया था। उन्होंने सवाल किया कि जब डेटा ही सही नहीं है तो उन्होंने डेटा के आधार पर श्रेणियां कैसे बनाईं। वी. सुनील कुमार ने पूछा कि उन्होंने आरक्षण वर्गीकरण के लिए इसका उपयोग कैसे किया। क्या घर का नक्शा सही न होने पर घर बन सकता है? इन सवालों का जवाब खुद मुख्यमंत्री को देना होगा। जब भाजपा नेताओं से इस बारे में सवाल किया जाता था तो वे बड़े अहंकार के साथ कहते थे, 'मैं जाति जनगणना के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं इसे जरूर करूंगा। अब इसे उलट कर देखें तो कई तरह की शंकाएं सामने आ रही हैं। नए सर्वेक्षण के लिए पैसा जारी करने से पहले उन्होंने मांग की कि पहले बताएं कि इस 165 करोड़ को खर्च करने के लिए कौन जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि भाजपा टैक्स के पैसे की बर्बादी के खिलाफ है। उन्होंने विश्लेषण किया कि अगर सिद्धरामैया को पिछड़े वर्गों की जनता की चिंता होती तो वे सत्ता में आने पर सब कुछ कर सकते थे।

उन्होंने इसे 10 साल तक बड़े पैमाने पर खींचा। 2024 में जयप्रकाश हेगड़े ने इस बात पर आपत्ति जताई कि रिपोर्ट 14 महीने बाद कैबिनेट की बैठक में लाई गई। वहां आपकी प्रतिबद्धता का पता चला। उन्होंने आलोचना की कि लोगों को बार-बार गुमराह किया गया। क्या पिछले आयोग के अध्यक्ष 165 करोड़ खर्च करने के लिए जिम्मेदार हैं? केंद्र सरकार ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह जाति जनगणना कराएगी। वी. सुनील कुमार ने पूछा कि क्या राज्य सरकार को भी एक और जाति जनगणना कराने की जरूरत है, जबकि केंद्र जाति जनगणना करा रहा है। राज्य सरकार को केंद्र की जाति जनगणना में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि आप अपने फायदे के लिए ओबीसी का इस्तेमाल करना और लोगों को गुमराह करना बंद करें। जाति जनगणना कराने के लिए 90 दिन की समयसीमा देना एक और झूठ है। आपने कहा था कि आप एससी (अनुसूचित जाति) आंतरिक आरक्षण के बारे में एक महीने में सर्वेक्षण कराएंगे। आपने उस सर्वेक्षण को 3 बार टाला है। अब आपने 7 करोड़ लोगों के सर्वेक्षण के लिए 3 महीने की समयसीमा दी है। आप किसे बेवकूफ बनाने जा रहे हैं? क्या यह संभव है? मुझे ऐसा लगता है कि आपने सत्ता छोड़ने के लिए 90 दिन की समयसीमा दी है।

आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई। सिद्धरामैया इस मुद्दे पर हर दिन झूठ बोल रहे हैं और उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि अब जाति जनगणना के मुद्दे पर हाईकमान को कुचला जा रहा है। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक बैरती बसवराज, सांसद पी.सी. मोहन, विधान परिषद विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महासचिव सोमशेखर उपस्थित थे।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

केवल जनसंख्या के संबंध में होगा पुनः सर्वेक्षण: सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पिछड़ा वर्ग के लिए स्थायी आयोग द्वारा किए गए शैक्षणिक और सामाजिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट को प्रारंभिक रूप से स्वीकार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने स्पष्ट किया है कि केवल जनसंख्या से संबंधित जानकारी का ही पुनः सर्वेक्षण करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। चिक्कबल्लापुर जिले के बोमसंद्रा गांव में हेलीपैड पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हाईकमान ने निर्देश दिया है कि जाति जनगणना को लेकर कुछ शिकायतें हैं। सर्वेक्षण किए हुए 9 साल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि 60-70 दिनों में पुनः सर्वेक्षण किया जाएगा। हाईकमान के निर्देश से सिद्धरामैया निराश हैं या नहीं, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के बारे में मेरा निर्णय महत्वपूर्ण नहीं है। हाईकमान के निर्देशानुसार हम पुनः सर्वेक्षण करेंगे। जहां भी आवश्यक होगा, शैक्षणिक संस्थानों में अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति की जा रही है। उनकी संख्या में वृद्धि की जाएगी। उनका मानदेय पहले ही बढ़ाया जा चुका है और आवश्यक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि हमने प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक शिक्षा को उच्च प्राथमिकता दी है। देश में गरीबी कम होने का एकमात्र कारण भाजपा की नरेंद्र मोदी सरकार नहीं है। कांग्रेस गरीबी हटाओ कार्यक्रम चलाती रही है।

उन्होंने कहा कि इससे गरीबी कम हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रवर्तन निदेशालय को कानून के अनुसार की गई किसी भी कार्रवाई पर कोई आपत्ति नहीं है। हम कानून के उल्लंघन का समर्थन नहीं करेंगे। चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ मामले में भाजपा राजनीति कर रही है। झूठ बोलना और लोगों को गुमराह करना और इस्तीफा मांगना आम बात हो गई है। कुंभ मेले में 40 से 50 लोगों की जान चली गई। क्या उन्हें तब इस्तीफा नहीं मांगना चाहिए था? प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन किया गया पुल उसी दिन गिर गया और 140 लोग मारे गए। क्या तब नरेंद्र मोदी से इस्तीफा मांगा गया था? जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब गोधरा कांड में हजारों लोग मारे गए थे। क्या मोदी ने इस्तीफा दिया? कोविड के दौरान ऑक्सीजन त्रासदी में 23 लोग मारे गए। क्या तब भाजपा के मुख्यमंत्री ने इस्तीफा दिया था? भाजपा राजनीति के लिए इस्तीफा मांग रही है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। घटना की जांच के लिए न्यायमूर्ति माइकल कुन्हा की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि वे इस समय कोई बयान नहीं देंगे।

उन्होंने कहा कि तुमकुरु जिले को बेंगलूरु उत्तर जिला घोषित करने के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर के बयान की कैबिनेट बैठक में चर्चा के बाद समीक्षा की जाएगी। जलजीवन मिशन और कुसुम-सी परियोजनाओं में राज्य सरकार का हिस्सा 50 प्रतिशत है, जबकि केंद्र सरकार केवल 30 प्रतिशत दे रही है।

लाभार्थियों को 20 प्रतिशत वहन करना होगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन परियोजना में भी हमारा हिस्सा बढ़ा है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया कि इन परियोजनाओं को प्रधानमंत्री की परियोजनाओं का नाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि भले ही हमारा हिस्सा बढ़ा है, लेकिन हम किसानों और आम लोगों की भलाई के लिए केंद्र प्रायोजित परियोजनाओं को स्वीकार कर रहे हैं। येत्तिनाहोले परियोजना कब पूरी होगी, यह स्पष्ट रूप से कहना संभव नहीं है। परियोजना जिलों के मंत्रियों, विधायकों, सांसदों और सिंचाई विभाग के अधिकारियों की बैठक बुलाई गई है। 19 तारीख को कैबिनेट की बैठक है। उस दिन उचित निर्णय की घोषणा की जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह परियोजना करीब 2 साल में पूरी हो सकती है। राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत है। हमने गारंटी योजनाओं में पैसा मुहैया कराया है। विकास योजनाओं के लिए अनुदान भी बढ़ाया है। पूंजीगत व्यय में 31 हजार करोड़ रुपए की बढ़ोतरी की है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि राज्य सरकार दिवालिया नहीं है। चुनाव घोषणा पत्र में किए गए 593 वादों में से हमने 143 पूरे कर दिए हैं। भाजपा ने केंद्र में 600 वादे किए थे। जिनमें से 10 प्रतिशत भी पूरे नहीं हुए हैं। इसलिए उन्होंने कहा कि जनता तय करे कि केंद्र और राज्य सरकार को कितने अंक देने हैं।

दो दिनों के भीतर वर्षा-प्रवण आपदा क्षेत्रों की पहचान करें अधिकारी: डीसी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) मुल्लई मुहिलान ने जिले की सभी ग्राम पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों को अगले दो दिनों के भीतर अपने अधिकार क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रों की पहचान करने और रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है। मंगलवार को डीसी कार्यालय में आयोजित जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने भूस्खलन, बाढ़ और भारी वर्षा के कारण होने वाली अन्य आपदाओं के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों की पूर्व-पहचान करने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने निर्देश दिया कि रेड अलर्ट अवधि के दौरान ऐसे क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को स्थानांतरित किया जाना चाहिए और उन्हें संभावित जोखिमों के बारे में औपचारिक रूप से सूचित भी किया जाना चाहिए। उन्होंने सख्त चेतावनी जारी की कि यदि किसी अचिह्नित संवेदनशील क्षेत्र में कोई अप्रिय घटना होती है, तो संबंधित स्थानीय निकाय के अधिकारी जिम्मेदार होंगे। डीसी ने जोर देकर कहा प्राकृतिक आ-पदाओं के दौरान जानमाल के नुकसान को रोकना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निवासियों, विशेष रूप से घनी आबादी वाले और आवासीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने सभी स्थानीय निकायों को अपने अधिकार क्षेत्र के हर हिस्से का दौरा करने और गहन प्रारंभिक निरीक्षण करने का निर्देश दिया। डीसी मुहिलान ने यह भी बताया कि पानी के प्राकृतिक प्रवाह को मोड़ने से आपदाएं हो सकती हैं और इससे बचना चाहिए। मेंगलूरु हवाई अड्डे से बारिश के पानी की निकासी से आस-पास के आव-ासीय क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभाव पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने हवाई अड्डे के अधिकारियों को बुधवार दोपहर तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। डीसी ने केट्टिकल में भूस्खलन रोकथाम कार्यों को लागू करने में देरी पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्त की। जवाब में, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि कार्य के लिए केंद्रीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है और यह जल्द ही शुरू हो जाएगा।

विशेष कैबिनेट बैठक के तहत नंदी हिल्स में तीन दिनों तक प्रवेश प्रतिबंधित

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो। नंदीगिरी धाम में होने वाली कैबिनेट बैठक के मद्देनजर तीन दिनों के लिए नंदीगिरी धाम में पर्यटकों के प्रवेश और निकास पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिला कलेक्टर टीएन रवींद्र ने एक आदेश जारी किया है कि 16 तारीख को शाम 5 बजे से 20 तारीख को सुबह 5 बजे तक आम लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। नंदीगिरी धाम के शीर्ष पर स्थित आवासीय कमरों को भी अग्रिम बुकिंग के लिए बंद कर दिया गया है। यह पहली बार है कि नंदीगिरी धाम में एक विशेष कैबिनेट बैठक आयोजित की जाएगी, और बैठक के लिए आवश्यक तैयारियों को पूरा करने के लिए पर्यटकों और वाहनों के प्रवेश को तीन दिन पहले ही रोक दिया गया है। कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक, विभागाध्यक्ष और अधिकारी शामिल होंगे। चूंकि नंदीगिरी धाम आने-जाने के लिए एक ही सड़क है, इसलिए भारी यातायात रहेगा। इसके अलावा, एहतियाती उपाय किए गए हैं क्योंकि पहाड़ियों में खड़ी मोड़ के कारण सड़कों पर वाहनों और पर्यटकों को नियंत्रित करना मुश्किल है।

बेंगलूरु-मेंगलूरु हाई-स्पीड कॉरिडोर के लिए डीपीआर की तैयारी चल रही है: सांसद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने कहा कि बेंगलूरु और मेंगलूरु के बीच महत्वाकांक्षी हाई-स्पीड एक्सप्रेस कॉरिडोर परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के लिए निविदा प्रक्रिया सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा पूरी कर ली गई है और डीपीआर तैयार करने का काम जल्द ही शुरू होगा। उनके अनुसार, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें पुष्टि की गई है कि डीपीआर के लिए अनुबंध 30 अप्रैल को दिया गया था। रिपोर्ट 18 महीने के भीतर पूरी होने की उम्मीद है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से दक्षिण कन्नड़ जिले के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है, खासकर वाणिज्यिक गतिविधियों को बढ़ाने में। यदि परियोजना के सभी चरण अपेक्षित रूप से आगे बढ़ते हैं, तो एक्सप्रेसवे का निर्माण जल्द ही शुरू हो सकता है। हाई-स्पीड एक्सप्रेसवे में चार से आठ लेन होंगे और यह हासन से होकर गुजरेगा। इस कॉरिडोर से दो प्रमुख शहरों के बीच परिवहन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, यातायात की भीड़ को कम करने और कनेक्टिविटी को उन्नत करने की उम्मीद है। एक बार पूरा हो जाने पर, मेंगलूरु और बेंगलूरु के बीच यात्रा का समय, जो वर्तमान में लगभग 7-8 घंटे है, काफी कम हो जाएगा। यह गलियारा कर्नाटक के प्रमुख शहरों के बीच सुरक्षित, कुशल और सभी मौसमों में संपर्क प्रदान करेगा। यह मेंगलूरु बंदरगाह के संचालन को भी बढ़ावा देगा और पर्यटन, व्यापार और वाणिज्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा। डीपीआर मौजूदा मार्ग को चौड़ा करने और जहां आवश्यक हो, बाईपास के साथ इसे सीधा करने पर विचार करेगा।

एमपी चौटा ने यह भी उल्लेख किया कि इस परियोजना के बारे में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मंत्रालय के सचिव उमा शंकर और कर्नाटक की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश सहित अन्य अधिकारियों और मंत्रियों के साथ कई दौर की चर्चा हो चुकी है। उन्होंने पुष्टि की कि परियोजना को लागू करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। रेलवे विभाग शिरडी घाट के माध्यम से एक अलग रेलवे लाइन बनाने के लिए एक डीपीआर भी तैयार कर रहा है। यह देखते हुए कि शिरडी घाट क्षेत्र पश्चिमी घाट के पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है, समानांतर सड़क और रेल गलियारे विकसित करने की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए रेलवे बोर्ड और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की एक संयुक्त समिति बनाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। सांसद चौटा ने कहा कि एकीकृत परियोजना योजना से वन एवं पर्यावरण विभागों से अनुमोदन प्राप्त करना आसान हो जाएगा, जिससे सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा।

कलसा बंदूरी नाला परियोजना के शीघ्र क्रियान्वयन की मांग को लेकर प्रदर्शन

धारवाड़/शुभ लाभ ब्यूरो। धारवाड़ में महादयी महा वेदिके के तत्वावधान में बड़ी संख्या में किसानों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने कलसा बंदूरी नाला परियोजना की बाधाओं को शीघ्र दूर करने और कर्नाटक में परियोजना के शीघ्र क्रियान्वयन की मांग को लेकर एक विशाल विरोध मार्च निकाला।

किसानों ने धारवाड़ के कलाभवन से धारवाड़ में उपायुक्त कार्यालय तक मार्च निकाला। उनका आरोप है कि कुछ निहित स्वार्थी तत्व इस परियोजना को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराना है। चार जिलों के नौ तालुकों के किसानों ने विरोध मार्च में हिस्सा लिया, जिसका नेतृत्व वेदिके अध्यक्ष शंकरन्ना अंबाली, बी.एम. हनासी, राजशेखर मेनसिनाकाई, श्रीशैलगौड़ा कामतार, लक्ष्मण बक्कई और बबजन मुधोल ने किया। नेताओं ने मांग की कि केंद्र और राज्य सरकारें लंबित मुद्दों को हल करने के लिए तत्काल कदम उठाएं और परियोजना को सभी मंजूरी दें ताकि काम शुरू किया जा सके। किसानों ने चेतावनी दी कि अगर उनकी लंबित मांगें नहीं मानी गईं तो वे आंदोलन तेज करने को मजबूर होंगे। इस संबंध में उन्होंने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

भाजपा नेता पुलिस विभाग की नैतिक अखंडता को कमजोर कर रहे: एमएलसी इवान डिसूजा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एमएलसी इवान डिसूजा ने आरोप लगाया है कि वरिष्ठ भाजपा नेता दक्षिण कन्नड़ जिले में पुलिस विभाग की नैतिक अखंडता को कमजोर करने का काम कर रहे हैं। दक्षिण कन्नड़ जिला कांग्रेस कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा विपक्ष के नेता और राज्य भाजपा अध्यक्ष सहित कई भाजपा नेताओं ने सोमवार को जिले का दौरा किया और पुलिस अधिकारियों से धमकाने वाले अंदाज में बात की। पुलिस को कानून के मुताबिक काम करने देने के बजाय, उन्होंने परोक्ष रूप से धमकियाँ दीं, जो अस्वीकार्य है। चाहे सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा हो या कांग्रेस, पुलिस विभाग को अपना कर्तव्य निभाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

भाजपा की शिकायतें तभी उठती हैं जब कार्रवाई उनके पक्ष में नहीं होती, जो निराधार है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा अगर पुलिस गैरकानूनी तरीके से काम करती है, तो सरकार, कानूनी व्यवस्था और न्यायपालिका सहित कई तंत्र मौजूद हैं, जो इससे निपटने में मदद करते हैं। लेकिन भाजपा नेता पुलिस की निष्क्रियता की आलोचना करते हैं और जब पुलिस कार्रवाई करती है, तो वे फिर से आपत्ति जताते हैं। भाजपा की मंशा क्या है? क्या वे चाहते हैं कि जिला लगातार अशांत रहे? क्या वे विकास के खिलाफ हैं? अगर पुलिस ने कुछ गलत किया है या किसी के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए हैं, तो उन्हें इसका ब्यौरा बताना चाहिए। इवान डिसूजा ने यह भी मांग की कि राज्य सरकार पुलिस विभाग के कामकाज को पटरी से उतारने की कोशिश करने वाले भाजपा नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। हाल ही में हुई हत्याओं के मामलों की एनआईए जांच पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने पूछा सिर्फ सुहास शेट्टी की हत्या की जांच एनआईए को क्यों सौंपी जा रही है? प्रवीण नेट्टारू की हत्या के बाद से हुई अन्य सभी हत्याओं के मामलों को संदर्भित करने में भी यही दिलचस्पी क्यों नहीं दिखाई जा रही है? यह किस तरह का भेदभाव है? प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेता नागेंद्र कुमार, अमृत कादरी, सुहान अल्वा, दिनेश मुलूर, भास्कर राव, प्रेम बल्लालबाग, जेम्स शिवबाग, सतीश पेंगल और मनुराज मौजूद थे।

तुमकुरु का नाम बदलकर बेंगलूरु उत्तर जिला किया जाएगा: जी. परमेश्वर

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि तेजी से बढ़ रहा बेंगलूरु शहर क्षेत्र नेलमंगला तक पहुंच चुका है और तुमकुरु तक भी पहुंचने की संभावना है। शहर के विकास को देखते हुए सरकार ने रामनगर का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण कर दिया है। इसी कड़ी में तुमकुरु का नाम बदलकर बेंगलूरु उत्तर करने की योजना बनाई जा रही है।

शहर के बाहरी इलाके मैडाला रोड पर पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए डी. देवराज उर्स स्नातकोत्तर छात्रावास का दौरा करने और निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि तुमकुरु शहर के आसपास की 14 ग्राम पंचायतों को शामिल करके शहर का विस्तार करने का प्रस्ताव तैयार है और विस्तार की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से की जाएगी। ग्राम पंचायत क्षेत्र में पहले से ही घर बनाकर रह रहे निवासियों को बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें पर्याप्त पेयजल, सड़क और सीवेज सिस्टम के बिना समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि शहरी विस्तार के माध्यम से नागरिकों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचेंगी।

भारत के बुनियादी ढांचे का विकास जीवन को आसान बना रहा है: मोदी

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में पिछले 11 वर्षों में किए गए बुनियादी ढांचे के विकास पर प्रकाश डालते हुए बुधवार को कहा कि रेलवे से लेकर राजमार्गों, बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा बुनियादी ढांचा नेटवर्क 'जीवन को आसान' बना रहा है और समृद्धि को बढ़ा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपनी सरकार के 10 जून को अपने तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष, यानी कुल 11 वर्ष पूरे करने के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने बुनियादी ढांचे में भारत की उत्कृष्ट प्रगति पर जोर दिया - रेलवे, राजमार्गों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक - जिससे बेहतर कनेक्टिविटी, आर्थिक विस्तार और नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने और समृद्धि में वृद्धि हुई है।

श्री मोदी ने लिखा, ये बुनियादी ढांचागत विकास के 11 वर्ष रहे हैं, जिसमें उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे को खड़ा किया गया है जिसने भारत के विकास प्रक्षेपवक्र को बढ़ाया है। रेलवे से लेकर राजमार्गों, बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा इंफ्रा नेटवर्क 'जीवन को आसान बनाने' और समृद्धि को बढ़ाने में मदद कर रहा है।

उन्होंने लिखा, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे के लिए भारत का प्रयास स्थिरता और दीर्घकालिक दृष्टि से प्रेरित है। यह आत्मनिर्भर भारत की नींव रख रहा है।

भारत ने 11 साल में पार किए कई मील के पत्थर: भाजपा

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। सरकार ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सभी वर्गों के विभिन्न क्षेत्रों में पिछले 11 वर्षों में हासिल किए गए विकासात्मक मील के पत्थरों की एक श्रृंखला का प्रदर्शन किया। भाजपा की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की उपलब्धियों के बारे में मीडिया के सामने एक घंटे तक प्रस्तुति दी। इस बात पर जोर देते हुए कि 2014 में मोदी सरकार के सत्ता संभालने से पहले ऐसी प्रगति कभी नहीं देखी गई थी।

इस कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, निर्मला सीतारमण और नितिन गडकरी, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी एवं राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी संजय मयूख सहित विभिन्न प्रवक्ताओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने न केवल आर्थिक परिवर्तन की दिशा में काम किया है, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर को बढ़ाने के लिए लाखों लोगों के सशक्तिकरण के लिए भी काम किया है और देश की सुरक्षा में सुधार किया है। सड़क और रेलवे नेटवर्क का विस्तार किया है, साथ ही पूर्ण विद्युतीकरण किया है, जो सबसे दूरदराज के क्षेत्रों तक आसान पहुंच स्थापित किया है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के रोजगार संबंधी आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ये रोजगार सृजन में वृद्धि और कर्मचारियों के लाभों के बारे में जागरूकता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि साथ ही मोदी सरकार ने चिनाब ब्रिज, अटल टनल और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का नेतृत्व किया है, जो भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का उदाहरण हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य फोकस विकलांगों, ट्रांसजेंडरों और दलित, आदिवासी एवं पिछड़े समूहों सहित हाशिए पर पड़े समुदायों का सशक्तिकरण रहा है। स्वच्छ जल, बिजली, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल सेवाओं जैसी आवश्यक सुविधाओं तक पहुंच का विस्तार लाखों घरों तक किया गया है।

हरित ऊर्जा में भारत के नेतृत्व को भी इस कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया जिसमें मंत्रालय ने कहा कि भारत स्थिरता में नए वैश्विक मानक स्थापित करना जारी रखता है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय नेताओं की प्रशंसा प्राप्त होती है।

श्री वैष्णव ने कहा कि जब भारत अपनी पहली स्वतंत्र मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारी कर रहा है और चंद्रमा और उससे आगे की ओर देख रहा है, तो अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में सरकार का निवेश वैश्विक मंच पर देश की बढ़ती प्रमुखता को रेखांकित करता है। अंत्योदय के सिद्धांत से निर्देशित होकर, सरकार ने सभी कल्याणकारी योजनाओं में 100 प्रतिशत संतृप्ति के लिए प्रयास किया है।

यूएई ने आतंकवाद पर भारत के रुख पर समर्थन दोहराया

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के नेतृत्व द्वारा दिए गए समर्थन और भारत के साथ एकजुटता व्यक्त करने की सराहना की है।

यूएई ने विदेश सचिव विक्रम मिस्री के मंगलवार 10 जून को आबू धाबी की यात्रा के दौरान यह रुख दोहराया।

यह यात्रा विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और यूएई के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाह्यान के बीच गत वर्ष 13 दिसंबर को नयी दिल्ली में आयोजित 15वीं संयुक्त आयोग बैठक के बाद हुई है।

विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि अपनी यात्रा के दौरान विदेश सचिव श्री मिस्री ने भारत और यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझीदारी के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा करने के लिए यूएई के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग राज्य मंत्री रीम अल हाशिम के साथ द्विपक्षीय बैठक की। बैठक में चर्चा व्यापार, निवेश, ऊर्जा, संस्कृति, रक्षा, प्रौद्योगिकी, कांसुलर मामलों सहित विभिन्न क्षेत्रों में बहुआयामी द्विपक्षीय साझीदारी के दायरे को बढ़ाने पर केंद्रित थी। दोनों पक्षों ने आपसी हितों को बढ़ावा देने के लिए बहुपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मिलकर काम करने पर सहमति जताई।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद यूएई नेतृत्व द्वारा दिए गए समर्थन और एकजुटता की सराहना की।

विदेश सचिव ने यूएई के सहिष्णुता और सह-अस्तित्व मंत्री शेख नाह्यान बिन मुबारक अल नाह्यान से मुलाकात की और यूएई में रह रहे 43 लाख भारतीयों की देखभाल के लिए शेख नाह्यान को धन्यवाद दिया, जिन्होंने यूएई को अपना दूसरा घर बना लिया है। विदेश सचिव ने यूएई संघीय राष्ट्रीय परिषद के सदस्य और परिषद में रक्षा मामलों, आंतरिक और विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष और आबू धाबी स्थित चरमपंथ और हिंसक चरमपंथ का मुकाबला करने के लिए उत्कृष्टता के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, हेदयाह के अंतर्राष्ट्रीय संचालन बोर्ड के अध्यक्ष अली राशिद अल नूमी के साथ भी एक महत्वपूर्ण बैठक की।

चर्चाओं में सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद से लड़ने के लिए दोनों देशों के साझा दृढ़ संकल्प की पुष्टि करने का एक और अवसर मिला।

विदेश सचिव की यूएई यात्रा दोनों पक्षों के बीच नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की निरंतरता है जो दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझीदारी के गहन होने को दर्शाती है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड में पांचों आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत : एडिशनल एसपी

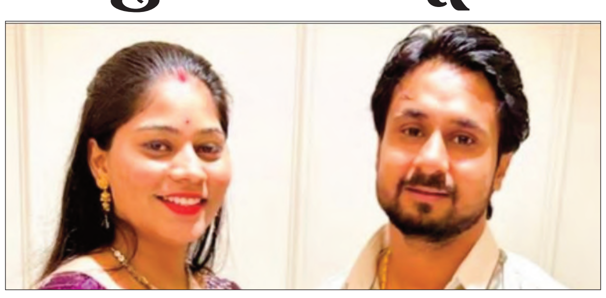

शिलांग, 11 जून (एजेंसियां)। राजा रघुवंशी हत्याकांड की जांच ने एक अहम मोड़ ले लिया है। हत्याकांड में शामिल मुख्य आरोपी सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या में अपनी संलिप्तता को स्वीकार करते हुए जुर्म कबूल कर लिया है। इस केस में अब तक 5 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। हालांकि, पुलिस को शक है कि इस हत्या में और भी लोग शामिल हो सकते हैं।

शिलांग के एडिशनल एसपी आशीष ने दावा किया कि इस केस में गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं।

उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में कहा कि हमारे पास जांच के दौरान कई सबूत इकट्ठे हुए हैं, जिनके आधार पर हम यह विश्वास के साथ कह सकते हैं कि ये पांचों आरोपी इस अपराध में संलिप्त हैं। यदि भविष्य में जांच के दौरान और तथ्य सामने आते हैं, तो हम इस केस को और मजबूत करने की दिशा में प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो सोनम के परिवार के सदस्यों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। अभी तक जो साक्ष्य मिले हैं, वो इन पांच आरोपियों की संलिप्तता की पुष्टि करने के लिए पर्याप्त हैं, लेकिन जांच अभी जारी है। हो सकता है, इस मामले में 5 से अधिक लोग आरोपी हों।

वारदात के बाद आरोपियों की लोकेशन और मूवमेंट पर भी पुलिस गहराई से जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि हत्या के बाद आरोपी शिलांग से गुवाहाटी, फिर इंदौर और अंत में गाजीपुर पहुंचे। इस संदर्भ में जब एडिशनल एसपी से पूछा गया कि क्या यह कोई खास मूवमेंट पैटर्न है, तो उन्होंने कहा कि यह अभी जांच का विषय है। जैसे ही पूछताछ आगे बढ़ेगी, हमें और जानकारी मिलेगी कि यह मूवमेंट प्लान किया हुआ था या महज भागने की कोशिश। यह भी पता लगाने की कोशिश करेंगे कि क्या इनका कोई और ठिकाना था या कोई और जगह भी ये लोग गए थे। उन्होंने आगे कहा कि हम इस घटना से जुड़े हुए सभी तारों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। केस में जो भी महत्वपूर्ण तथ्य होंगे, उन्हें हम पूरी गंभीरता से जांच में शामिल करेंगे। हमारा उद्देश्य यह है कि इस हत्याकांड की तह तक पहुंचा जाए और हर आरोपी को कानून के कठघरे में लाया जाए।

एसबीआई में 13,455 जूनियर एसोसिएट्स नियुक्त

मुंबई, 11 जून (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने देश भर में अपनी शाखाओं में ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 13,455 जूनियर एसोसिएट्स को नियुक्त किया है।

बैंक ने आज यहां जारी बयान में कहा कि चयनित उम्मीदवारों की सूची अब बैंक के आधिकारिक करियर पोर्टल पर उपलब्ध है। इस भर्ती का उद्देश्य 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में रिक्तियों को भरना है, जिससे यह उद्योग में महत्वपूर्ण भर्ती प्रयासों में से एक बन गया है। चयन प्रक्रिया फरवरी और मार्च 2025 में आयोजित प्रारंभिक परीक्षाओं और अप्रैल 2025 में आयोजित मुख्य परीक्षाओं के साथ शुरू हुई। पारदर्शी मूल्यांकन के बाद, 13,455 उम्मीदवारों को नियुक्ति के लिए चयन किया गया है।

एसबीआई के अध्यक्ष सी एस सेट्टी ने कहा, विभिन्न श्रेणियों में हमारी कुल भर्ती लगभग 18,000 लोगों की है, जिनमें से लगभग 13,500 लिपिक भर्ती होगी, 3,000 परिवीक्षाधीन अधिकारी और स्थानीय-आधारित अधिकारी होंगे। जैसे-जैसे हम इस नए टैलेंट पूल को शामिल करेंगे, हमारा लक्ष्य विकसित हो रही कार्यात्मक और तकनीकी आवश्यकताओं के साथ सरेखित संरचित कौशल विकास कार्यक्रमों को लागू करके अपनी मानव संसाधन क्षमताओं को और मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि दो लाख 36 हजार से अधिक कर्मचारियों को रोजगार देने वाला भारतीय स्टेट बैंक सार्थक रोजगार सृजित करने और बैंकिंग पेशेवरों की अगली पीढ़ी को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

झारखंड में खुले में धुआं उड़ाना और तंबाकू थूकना हुआ महंगा राष्ट्रपति ने विधेयक को दी मंजूरी

रांची, 11 जून (एजेंसियां)। झारखंड में अब सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान करना और तंबाकू थूकना अब पांच गुना महंगा पड़ेगा। ऐसा करते पकड़े जाने वालों पर एक हजार रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके पहले ऐसी हरकतों पर जुर्माने की रकम 200 रुपए तय थी। नए नियमों को लेकर झारखंड विधानसभा में वर्ष 2021 में ही विधेयक पारित किया गया था, लेकिन इसे अब राष्ट्रपति की मंजूरी मिली है। झारखंड राजभवन के मीडिया कोषांग ने बुधवार को जारी सूचना में बताया है कि झारखंड विधानसभा में पारित सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण विनियमन) (झारखंड संशोधन) विधेयक, 2021 पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वीकृति प्रदान कर दी है।

इस संशोधन विधेयक को राज्यपाल के माध्यम से अनुमोदन के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया था। विधेयक के कानून के रूप में अधिसूचित होने के बाद राज्य में 21 साल से कम उम्र का किशोर कोई भी तंबाकू उत्पाद को न बेच सकेगा और न खरीद सकेगा। शिक्षण संस्थान, अस्पताल, स्वास्थ्य संस्थान, सार्वजनिक दफ्तर और कोर्ट के सौ मीटर के परिधि में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद की खरीद-बिक्री की अनुमति नहीं होगी।

इसके अलावा डब्बा खोलकर सिगरेट बेचने पर भी रोक रहेगी। उल्लेखनीय है कि झारखंड सरकार की ओर से इससे संबंधित संशोधन विधेयक मार्च, 2021 में विधानसभा के बजट सत्र में पारित किया गया था। इस विधेयक को तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने पेश किया था। इस विधेयक पर चर्चा के दौरान आजसू पार्टी के विधायक लंबोदर ने जुर्माने की रकम 10,000 रुपये करने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया था।

झारखंड कैबिनेट पूर्व में राज्य में हुक्का बार पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे चुका है। इस नियम का उल्लंघन करने वालों को जेल की सजा या 1 लाख रुपये का जुर्माना हो सकता है।

भारत में मतदाता सूचियां तैयार करना सबसे कठोर पारदर्शी प्रक्रियाओं में से एक : ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली / स्टॉकहोम, 11 जून (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने भारत में मतदाता सूची तैयार करने के काम को दुनिया की सबसे कड़ी और पारदर्शी प्रकियों में एक बताते हुए कहा है कि इसके लिए आयोग की ओर से परिचालित मजबूत तंत्र देश में चुनावों की विश्वसनीयता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

श्री कुमार मंगलवार शाम स्वीडन में ईमानदारी के साथ चुनाव विषय पर स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उद्घाटन भाषण दे रहे थे। उन्होंने यह बात ऐसे समय की है जबकि कांग्रेस पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में इस्तेमाल की गयी मतदाता सूचियों को लेकर कुछ प्रश्न पुन: उठाए हैं और आयोग ने उनको खारिज किया है।

श्री कुमार ने अपने संबोधन में भारत में वर्ष 1960 से लेकर आज तक प्रत्येक वर्ष पुनरीक्षण के दौरान और चुनावों से पहले भी सभी मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों के साथ भारत की निर्वाचक नामावली सांविधिक तरीके से साझा करने की व्यवस्था का उल्लेख किया। आयोग की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वहां अपने संबोधन में मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, इस प्रक्रिया में जिसमें दावों, आपत्तियों और अपीलों का प्रावधान किया गया है और जो विश्व की कठोरतम और पारदर्शी कार्यकलापों में से एक है, जिससे चुनावी प्रक्रिया की सटीकता और सत्यनिष्ठा की पुन:पुष्टि होती है।

उन्होंने कहा,यह मजबूत तंत्र साल-दर-साल देश भर में चुनावी विश्वसनीयता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है।

श्री कुमार ने इस सम्मेलन में 50 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों का प्रतिनिधित्व करने वाले 100 से अधिक प्रतिभागियों के समक्ष भारत की चुनावी सत्यनिष्ठा, इसके व्यापक स्तर और विविधता पर प्रमुखता से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पूरी ईमानदारी के साथ चुनाव कराना राष्ट्रीय संकल्प का प्रमाण है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने विश्व भर के देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) के लिए क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों में भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की भूमिका को भी रेखांकित किया। अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन सहायता संस्थान (इंटरनेशनल आईडीईए) द्वारा स्वीडन के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन में श्री कुमार ने भारत में विशेष रूप से संसदीय चुनावों के दौरान किए जाने वाले चुनाव संबंधी कार्यों के व्यापक स्तर के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत में चुनाव राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों, आम जनता, पुलिस और व्यय पर्यवेक्षकों तथा मीडिया की कड़ी निगरानी में कराए जाते हैं ।

उन्होंने कहा, ये सभी (राजनीतिक दल से लेकर मीडिया तक) विभिन्न चरणों में समवर्ती लेखा-परीक्षकों के समान कार्य करते हैं।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने चुनाव कार्य में विभिन्न सराकारी एजेंसियों के बीच समन्वय के व्यापक स्तर पर भी प्रमुखता से प्रकाश डाला जिससे भारत में चुनावों के संचालन को व्यववस्था को शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आयोग यह सुनिश्चित करता है कि देश के एक अरब से अधिक स्वतंत्र रूप से चुनाव में भाग ले सकें।

श्री कुमार ने यह भी बताया कि चुनावों के संचालन के समय आयोग के साथ मतदान कार्मिकों, पुलिस बलों, प्रेक्षकों और राजनीतिक दलों के एजेंटों सहित दो करोड़ से अधिक कर्मियों की एक टीम काम कर रही होती है। उन्होंने कहा कि इस तर भारत का चुनाव आयोग विश्व का सबसे बड़ा संगठन बन जाता है जिसके पास उपलब्ध कर्मियों की संख्या कई राष्ट्रीय सरकारों और प्रमुख वैश्विक निगमों के संयुक्त कार्यबल की संख्या को भी पार कर जाता है।

उन्होंने भारत में चुनावी व्यवस्थाओं में लगातार हो रही प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि संवैधानिक मूल्यों के दायरे में रहते हुए इस व्यवस्था ने स्वयं को बढ़ती हुई जटिलताओं के अनुकूल ढाल लिया है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1951-52 में देश में 17.3 करोड़ मतदाता थे जिनकी संख्या 2024 में करीब 98 करोड़ हो गयी । शुरू में चुनाव के लिए केवल दो लाख मतदान केंद्रो की व्यवस्था की जाती थी जब कि आज 10.5 लाख मतदान केंद्र स्थापित किए जाते हैं। उन्होंने कहा, भारत की चुनावी यात्रा ने संस्थागत दूरदर्शिता और अतुलनीय स्तर दोनों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने भारत में राजनीतिक दलों की बड़ी संख्या और इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन के प्रयोग तक का जिक्र किया। उन्होंने सम्मेलन को बताया कि भारत के वर्ष 2024 के आम चुनावों में 743 राजनीतिक दलों ने भाग लिया, जिनमें छह राष्ट्रीय दल, 67 राज्यीय दल और बाकी पंजीकृत राजनीतिक दल थे। इन चुनावों में कुल 20,271 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा और 62 लाख इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का उपयोग किया गया।

उन्होंने भारतीय चुनाव व्यवस्था की समावेशी अभिकल्पना की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें पहली बार मतदाता बने मतदाताओं से लेकर 85 वर्ष से ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, थर्ड जेंडर मतदाताओं और सर्वाधिक दुर्गम क्षेत्रों के मतदाताओं को समान सावधानी और प्रतिबद्धता के साथ सेवा प्रदान की जाती है।

श्री कुमार ने इसी संदर्भ में उल्लेख किया कि देश में ऐसी जगह भी मतदान केंद्र बनाए गए जहां मात्र एक मतदाता था । उन्होंने हिमाचल प्रदेश के ताशीगंग जैसे ऊंचाई पर अवस्थित मतदान केंद्रों का जिक्र किया और कहा कि यह 'कोई मतदाता न छूटे' की भारत की चुनाव व्यवस्था की प्रतिबद्धता के साथ संवैधानिक सिद्धांत के अनुपालन के प्रति उसका संकल्प भी दर्शाता है।

उन्होंने सम्मेलन के इतर वहां आए मैक्सिको, इंडोनेशिया, मंगोलिया, दक्षिण अफ्रीका, स्विटजरलैंड, माल्डोवा, लिथुआनिया, मॉरीशस, जर्मनी, क्रोएशिया, यूक्रेन और ब्रिटेन के चुनाव निकायों के अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

आयोग ने कहा कि इन बैठकों में चर्चा का विषय मतदाताओं की भागीदारी, चुनावी प्रौद्योगिकी, प्रवासी मतदान और संस्थागत क्षमता-निर्माण पर केंद्रित था।

मुजफ्फरनगर के विशाल संत समागम में सीएम योगी ने कहा

संतों की दिखाई राह से कैराना-कांधला जैसी घटना नहीं होती

मुजफ्फरनगर, 11 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संतों ने समाज को एकता और जोड़ने की राह दिखाई। वह राह, जो कैराना व कांधला की घटना नहीं होने देती। यह वही राह है, जो हमें सुरक्षा व संरक्षण की गारंटी देती है और उत्थान का मार्ग प्रशस्त करती है। साथ ही सम-विषम परिस्थितियों में लड़ने की प्रेरणा प्रदान करती है। स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास महाराज दिव्य संत थे। उन्होंने शुकतीर्थ में सतगुरु रविदास जी महाराज जी की प्रेरणा को आगे बढ़ाने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को शुकतीर्थ मुजफ्फरनगर में विशाल संत समागम और सत्संग कार्यक्रम में सहभाग किया। यह कार्यक्रम संत स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास जी महाराज की 65वीं पुण्यतिथि एवं सतगुरु समनदास जी महाराज की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया। सीएम योगी ने कहा कि मध्यकाल में जब देश गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा हुआ था, विदेशी आक्रांताओं द्वारा भारत की धर्म और संस्कृति को रौंदा जा रहा था तो उस समय ज्योति के पुंज के रूप में काशी के सीरगोवर्धन में सतगुरु रविदास जी महाराज का आविर्भाव होता है। उन्होंने कर्मसाधना के माध्यम से जो प्रेरणा दी, वह आज भी देश व हर श्रद्धालु के लिए मार्गदर्शक के रूप में काम करती है।

सतगुरु रविदास जी महाराज ने सामाजिक आडंबर व कुरीतियों के खिलाफ समाज को जागरूक किया। कर्म पर विश्वास करने की प्रेरणा दी। आध्यात्मिक चेतना का जागरण किया। उन्होंने कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा.. सतगुरु रविदास जी का कथन जीवन में आंतरिक पवित्रता और निर्मलता का प्रतीक है। उन्होंने समाज को सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की नई प्रेरणा दी। संत रविदास जी महाराज के गुरु संत रामानंद जी महाराज ने कहा था कि जाति-पाति पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरि का होई।

मुख्यमंत्री ने संत रविदास के कथन की चर्चा करते हुए कहा कि उनकी वाणी अत्यंत दिव्य थी। रविदास जी ने कहा था मैं तब प्रसन्न रहूंगा, जब बिना भेदभाव सबको समान अधिकार व अन्न मिलेगा।

संत रविदास की इन बातों को पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के माध्यम से इसे अक्षरशः लागू किया। कोरोना जैसी महामारी से अब तक 81 करोड़ लोगों को अन्न वितरण कराया जा रहा है और यही संतों की प्रेरणा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रविदास जी महाराज की पावन जन्मभूमि सीर-गोवर्धन की सड़कें 2014 के पहले सिंगल लेन की थी, लेकिन पीएम मोदी की प्रेरणा से उसे फोरलेन से जोड़ दिया गया। आश्रम को भव्य रूप दे दिया गया है। गुरु रविदास की भव्य प्रतिमा व अन्न क्षेत्र का निर्माण किया गया। सैकड़ों बीघा जमीन को खरीदकर सतगुरु रविदास जी महराज के नाम पर पार्क व प्रतिमा की स्थापना हुई।

सीएम ने कहा कि शुकतीर्थ पौराणिक तीर्थ है। यह भागवतभूमि है, पांच हजार वर्ष पहले शुकदेव जी महाराज ने राजा परीक्षित को भागवत की पहली कथा इस धाम पर सुनाकर भक्ति, ज्ञान, मुक्ति के महत्व की प्रेरणा बताई थी।

मां गंगा भारत के सनातन धर्म परंपरा की अविरल धारा है, जो सम-विषम परिस्थितियों में उद्धार का मार्ग प्रशस्त करती है। दुनिया का कोई मत, मजहब और संप्रदाय बताए कि पांच हजार वर्ष का इतिहास कितने लोगों का है। यह दावा केवल आप कर सकते हैं। जिसके उत्तराधिकारी आप और वाहक संतजन हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 65वीं पुण्यतिथि पर स्वामी भिक्षुकदास जी महाराज व समनदास जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगली बार समनदास आश्रम के सामने सतगुरु रविदास व संत समनदास जी महाराज की स्मृति में घाट का निर्माण, सड़कों का चौड़ीकरण, पार्किंग, सुंदरीकरण और सत्संग सभागार की स्थापना करेंगे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी समस्या का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब अच्छी सरकार आती है और संतों का मार्गदर्शन मिलता है तो अच्छा ही अच्छा होता है। अच्छा करने के लिए सोच होनी चाहिए।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने देश को संविधान दिया, लेकिन जो सम्मान उन्हें मिलना चाहिए था, पिछली सरकारों ने वह नहीं दिया। पहली बार बाबा साहेब के नाम पर पीएम मोदी ने पंचतीर्थों का निर्माण किया। सरकारें बहुत आईं, लेकिन बाबा साहेब के गौरव और गरिमा के अनुरूप उनके सांस्कृतिक केंद्र व उनकी स्मृतियों को बढ़ाने का कार्य केवल डबल इंजन सरकार ने किया। 26 नवंबर 1949 से 2015 तक किसी सरकार ने बाबा साहेब के नाम पर समारोह नहीं किया, लेकिन पीएम मोदी ने 26 नवंबर को बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की स्मृति में संविधान दिवस के रूप में मनाने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्ञान भिक्षुक दास व समनदास जी महाराज ने सतगुरु रविदास जी के मिशन को आगे बढ़ाया है। सरकार द्वारा किए गए गरीब कल्याण के कार्यों को गिनाते हुए सीएम ने कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक के जीवन में परिवर्तन का कारण बनी सुविधाएं सतगुरु रविदास की प्रेरणा से संभव हो पाईं। कार्यक्रम में आयोजक महंत गोवर्धन दास जी महाराज, स्वामी ओमानंद जी महाराज, निर्मल दास जी महाराज, गुरुदीप गिरि जी महाराज, केशवनानंद जी महाराज, सत्यानंद जी महाराज, सतीश दास जी महाराज, विज्ञानानंद जी महाराज, सांसद चंदन चौहान, योगी सरकार के मंत्री अनिल कुमार, कपिलदेव अग्रवाल, सोमेंद्र तोमर, पूर्व सांसद संजीव बालियान, विधायक राजपाल बालियान, वंदना वर्मा, मिथिलेश पाल, विक्रम सैनी आदि मौजूद रहे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की महत्वपूर्ण टिप्पणी

अपहरण में हत्या होने पर पुलिस की भी जिम्मेदारी तय हो

प्रयागराज, 11 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि पुलिस अधिकारी अक्सर अपने लिए बड़ी छवि बनाते हैं, लेकिन वे जनता की शिकायतों का समाधान करने से खुद को बचाते हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, अपहरण के मामलों में पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय न होने से वह उदासीन और निष्क्रिय बने रहते हैं। ऐसे में अगवा व्यक्ति का समय पर पता नहीं चल पाता और उसकी हत्या हो जाती है। प्रथम दृष्टया ऐसे मामले में जिस थाना क्षेत्र में एफआईआर दर्ज हुई थी, उस पुलिस अधिकारी को भी जिम्मेदार बनाना चाहिए।

कोर्ट ने यह टिप्पणी कर वाराणसी के पुलिस आयुक्त से व्यक्तिगत हलफनामा मांगा है। पूछा है कि बताएं अगवा व्यक्ति को अभी तक क्यों खोजा नहीं जा सका। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर व न्यायमूर्ति अनिल कुमार की खंडपीठ ने नितेश कुमार की याचिका पर दिया। वाराणसी के नितेश कुमार का भाई 31 मार्च 2025 से लापता है। उन्होंने अपहरण की आशंका जताते हुए तहरीर दी। पुलिस ने तीन अप्रैल 2025 को एफआईआर दर्ज की। वहीं, पुलिस के पता नहीं लगा पाने पर नितेश हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की।

कोर्ट ने कहा कि ऐसे कई मामले आ रहे हैं। पुलिस अपहरण हुए व्यक्ति का पता नहीं लगा पाती और इसके गंभीर परिणाम सामने आते हैं।

कोर्ट ने शासकीय अधिवक्ता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही वाराणसी के पुलिस आयुक्त से व्यक्तिगत हलफनामा मांगा है। वहीं, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एटीएम बूथ में धोखे से पीड़ित का पिन देखने और उसका कार्ड बदलकर रुपए निकालने के आरोपी पर दर्ज मुकदमे को रद्द करने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग कर इस तरह के मामलों की जांच में नहीं कर सकते।

ऐसे मामलों में गहन जांच की आवश्यकता है। यह टिप्पणी कर न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और अनिल कुमार की खंडपीठ ने नसरुद्दीन और अन्य की याचिका खारिज कर दी।

मुजफ्फरनगर के आरोपी नसरुद्दीन, बादशाह और अन्य पर पीड़ित ने 18 दिसंबर 2024 को मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि वह एटीएम बूथ में रुपए निकालने गया था। इस दौरान वह एटीएम मशीन से रुपए निकाल नहीं पा रहा था। बूथ में मौजूद आरोपी और उसके साथ धोखे से उसका पिन नंबर देख लिया और उसका एटीएम बदलकर उसे दूसरा एटीएम दे दिया। जब वह घर पहुंचा तो मैसेज आने पर पता चला कि उसके साथ ठगी हो गई। इस संबंध में उसने मुकदमा दर्ज कराया। आरोपियों ने दर्ज मुकदमे को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की।

16 विशेष विद्यालयों में 1680 दिव्यांग बच्चों को मिल रही मुफ्त शिक्षा

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)। प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के शैक्षिक पुनर्वास को एक नई दिशा दे रही है। योगी सरकार विशेष विद्यालयों के संचालन की योजना के तहत राज्य में 16 विशेष विद्यालय संचालित किए जा रही हैं, जिनकी कुल छात्र क्षमता 2040 है। इन विद्यालयों में वर्तमान में 1680 दिव्यांग बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं, जो शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। योगी सरकार की यह पहल न केवल दिव्यांग बच्चों को सशक्त बना रही है, बल्कि समाज में समावेशिता को भी बढ़ावा दे रही है।

योजना के तहत दिव्यांगता की विभिन्न श्रेणियों के अनुरूप अलग-अलग विद्यालय स्थापित किए गए हैं। प्रयास विद्यालय चलन-बाधित दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए प्रतापगढ़ और लखनऊ में हाई स्कूल स्तर तक संचालित किए जा रहे हैं, जिनकी कुल छात्र क्षमता 100 है। वहीं मानसिक मंदता से प्रभावित बच्चों के लिए ममता विद्यालय प्रयागराज में बालकों और लखनऊ में बालिकाओं के लिए जूनियर हाई स्कूल स्तर तक चल रहे हैं, जिनकी क्षमता भी 100 है। मूक-बधिर बच्चों के लिए योगी सरकार संकेत विद्यालय का संचालन कर रही है जो आगरा, लखनऊ, बरेली, फर्रुखाबाद और गोरखपुर में संचालित हैं, जहां आगरा में हाईस्कूल और बाकी जगह जूनियर हाई स्कूल स्तर की पढ़ाई होती है। इनकी कुल क्षमता 790 है।

दृष्टिबाधित बच्चों के लिए स्पर्श विद्यालय लखनऊ और गोरखपुर में बालक-बालिकाओं के लिए एक-एक, मेरठ और बांदा में बालकों के लिए और सहारनपुर में बालिकाओं के लिए संचालित हैं। इनकी कुल छात्र क्षमता 1050 है। इन सभी विद्यालयों में विशेष शिक्षकों और संसाधनों के जरिए बच्चों को उनकी जरूरत के अनुरूप शिक्षा दी जा रही है, ताकि वे अपनी क्षमताओं को पहचान सकें और समाज में अपनी जगह बना सकें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के संकल्प के साथ लगातार काम कर रहे हैं। सीएम योगी का मानना है कि दिव्यांग बच्चों की शिक्षा और उनके सशक्तिकरण के जरिए एक समावेशी समाज का निर्माण कर सकते हैं। यही वजह है कि इन विशेष विद्यालयों के माध्यम से दिव्यांग बच्चों के न केवल शिक्षा बल्कि समग्र विकास पर जोर दिया जा रहा है। इन स्कूलों में पढ़ने वाले 1680 बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण, सहायक उपकरण और अनुकूल माहौल भी उपलब्ध कराया जा रहा है। यह योजना न केवल शिक्षा तक सीमित है, बल्कि इन बच्चों के भविष्य को संवारने में भी मदद कर रही है। विशेष विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार कर रहे हैं।

मेधावी छात्रों को आज सम्मानित करेंगे मुख्यमंत्री योगी

छात्रों को देंगे एक लाख रुपए, टैबलेट और मेडल

लखनऊ, 22 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को विभिन्न बोर्ड के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के मेधावियों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाएंगे। इस मौके पर उन्हें एक लाख रुपए, टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और मेडल प्रदान करेंगे। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार 12 जून को राजधानी लखनऊ स्थित लोक भवन सभागार में विभिन्न बोर्डों के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 के टॉप विद्यार्थियों को सम्मानित करेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति और प्रतिभाओं को पहचान दिलाने की इस अभिनव पहल को योगी सरकार की छात्र-केंद्रित नीतियों का प्रत्यक्ष प्रमाण माना जा रहा है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र के अनुसार, राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कुल 166 मेधावी विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री द्वारा 1 लाख रुपए, टैबलेट, प्रशस्ति-पत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इसमें यूपी बोर्ड, संस्कृत शिक्षा परिषद, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के टॉप 10-10 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। इस अवसर पर प्रत्येक विद्यार्थी के साथ एक अभिभावक को भी आमंत्रित किया गया है। योगी सरकार की यह पहल न सिर्फ छात्रों की मेहनत को मान देती है, बल्कि अन्य छात्रों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है। इसी दिन दोपहर बाद सभी 75 जनपदों में भी जनपद स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे, जहां 1508 विद्यार्थियों (758 हाईस्कूल व 750 इंटरमीडिएट) को 21 हजार रुपए, टैबलेट, प्रशस्ति-पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। ये सम्मान प्रभारी मंत्री, जनप्रतिनिधियों या जिलाधिकारियों द्वारा प्रदान किए जाएंगे। केंद्र व राज्य स्तरीय बोर्ड परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त मेधावियों के सम्मान समारोह एवं टैबलेट वितरण के साथ ही 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता 2024-25 में प्रदेश के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री विद्यालयी खेल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद लखनऊ एवं माध्यमिक संस्कृत शिक्षा निदेशालय के नवीन भवन का शिलान्यास भी करेंगे। वहीं, कार्यक्रम में श्री काशीराज राजकीय संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, चकिया, चन्दौरी एवं श्री काशी-राज राजकीय संस्कृत महाविद्यालय ज्ञानपिर, भदोही के नवीन भवन (100 बेडेड छात्रावास सहित) का शिलान्यास, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, जगत नारायण रोड एवं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, मलिहाबाद, लखनऊ के नवीन भवन का शिलान्यास भी होगा। साथ ही, राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कौशल विकास के लिए ड्रीम लैब स्थापना के लिए एमओयू किया जाएगा।

शाहजहांपुर में एक दिन के लिए एसपी बनी छात्रा त्रिगुणा

एक दिन की एसपी ने एक दंपति का रिश्ता टूटने से बचाया

शाहजहांपुर, 11 जून (एजेंसियां)। शाहजहांपुर में मिशन शक्ति के तहत छात्रा त्रिगुणा खाती को एक दिन का पुलिस अधीक्षक (एसपी) बनाया गया। छात्रा ने एसपी कार्यालय में बैठकर लोगों की समस्याएं सुनकर निदान किया। इस दौरान दंपति के विवाद का निपटारा भी कराया।

शाहजहांपुर में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत एसपी राजेश द्विवेदी की पहल पर छात्राओं को एक दिन का पुलिस अधिकारी बनने का मौका दिया गया। होली एंजिल स्कूल की छात्रा त्रिगुणा खाती को एक दिन का पुलिस अधीक्षक बनाया गया। वहीं, अन्य छात्राएं एएसपी और सीओ बनीं। होली एंजल स्कूल की छात्रा त्रिगुणा खाती ने इस वर्ष 12वीं की परीक्षा पास की है। उनके पिता हेमंत खाती और मां अपर्णा ओसीएफ में कनिष्ठ कार्य प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। मंगलवार की सुबह कार्यालय पहुंचकर त्रिगुणा ने एसपी की कुर्सी संभाली और जनता की समस्याएं सुनीं। संबंधित अधिकारियों को मामले के निस्तारण के निर्देश दिए।

छात्रा ने कहा कि यह काम देखने में सरल, लेकिन वास्तव में कठिन है। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि स्कूलों में अच्छा प्रदर्शन करने वालीं छात्राओं को एक दिन का पुलिस कप्तान बनने का मौका दिया गया है। इससे उनके नजरिए में बदलाव आएगा। छात्रा ने बतौर एसपी एक दंपति के बीच चल रहे विवाद में समझौता भी कराया। इस दौरान एसपी सिटी देवेंद्र कुमार, एसपी ग्रामीण भंवरे दीक्षा अरुण, सीओ सिटी पंकज पंत, परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी मधु यादव आदि मौजूद रहे।

एक दिन की एसपी बनीं छात्रा त्रिगुणा खाती के समक्ष एक महिला पेश हुई। एसपी ने पहले महिला को सीट पर बैठाया, फिर समस्या पूछी। महिला बोली, पति बहुत परेशान करता है, इसलिए मायके में रह रही हूं। इसके बाद एसपी बनी छात्रा ने महिला के पति को बुलाया। पति बोला, मेरी मां नहीं हैं, पिता हैं, हमें तो रोटी मिल जाएगी उन्हें रोटी बनाकर कौन देगा? उन्हें भी रोटी दें तो हमें साथ रहने में कोई दिक्कत नहीं। एसपी ने दोनों को साथ रहने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद दोनों ने साथ रहने का फैसला लिया।

परौना थाना क्षेत्र की एक महिला अपनी बेटी के साथ पुलिस कार्यालय पहुंची। यहां महिला की समस्या एक दिन की कप्तान ने सुनी। महिला बोली, दो दिन पूर्व दावत में विवाद हुआ था। इस बीच विपक्षियों ने बेटी के साथ अभद्रता कर दी। थाने गए, लेकिन वहां सुनी नहीं गई। दूसरे दिन भी गए, लेकिन नहीं सुनी। मजबूर होकर यहां आए हैं। छात्रा ने तुरंत परौर थाना प्रभारी से ऑनलाइन बात की। कहा कि इन्हें देख लीजिए। ये लोग थाने आ रहे हैं। कार्रवाई करें। थाने पर सुनी नहीं गई, यह शिकायत नहीं आनी चाहिए। निगोही का एक मामला एक दिन की पुलिस कप्तान के पास पहुंचा। पीड़ित बोला, साहब हम लोगों को बहुत पीटा गया है। कप्तान ने पूछा, थाने पर गए या नहीं। पीड़ित बोला, साहब थाने गए थे, रिपोर्ट भी दर्ज है, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही। तब कप्तान ने मामले की जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया। रोजा के मोहल्ला लोदीपुर का मामला पहुंचा। पीड़ित बोला, दुकान पर आकर कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से पीट दिया। साहब थाने पर कार्रवाई नहीं हो रही। एक दिन की कप्तान त्रिगुणा खाती ने एसआई को लाइन पर लिया। मामले में कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए पीड़ित को थाने भेजा।

होली एंजिल पब्लिक स्कूल की छात्रा हनुषा को एक दिन का एसपी सिटी बनाया गया। साथ ही 12वीं की परीक्षा में 78 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली डॉ. सुदामा प्रसाद कन्या इंटर कॉलेज की छात्रा चैतन्या रस्तोगी को एक दिन का एसपी ग्रामीण व आर्य कन्या इंटर कॉलेज में कक्षा 11 की छात्रा अदिति मिश्रा को एक दिन का सीओ सिटी बनाया गया। छात्राओं ने कुर्सी संभालकर जनता की समस्याएं सुनकर संबंधितों को उचित दिशा-निर्देश दिए। छात्राओं के लिए यह अनुभव बहुत ही रोमांचकारी और सीख देने वाला रहा।

संपादकीय

सवालों के साथ जनगणना

अंततः सरकार ने जनगणना की घोषणा कर ही दी। इस बार सामान्य जनगणना के साथ-साथ जातीय जनगणना भी की जाएगी। उम्मीद करते हैं कि जातीय जनगणना के आंकड़े पूरी ईमानदारी के साथ सार्वजनिक किए जाएंगे। 2011 में जो जनगणना कराई गई थी, उसमें जातीय डाटा अलग से इका किया गया था, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार ने उस डाटा को सार्वजनिक नहीं किया था। सरकार की दलीलें क्या थीं, अब यह पुराना मुद्दा हो गया है। जातीय जनगणना के साथ सामाजिक न्याय और समरसता के राष्ट्रीय मुद्दे भी नत्थी हैं। क्या जातीय संख्या के आधार पर समुदायों के हित संबोधित किए जाएंगे? क्या आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी को खंडित कर उसे बढ़ाया जाएगा? क्या मौजूदा मोदी सरकार इस मुद्दे पर सर्वोच्च अदालत के सामने जाएगी? महत्वपूर्ण यह है कि शीर्ष अदालत का नजरिया क्या रहता है? यह जनगणना, 2027 होगी। 2011 के बाद यह जनगणना कराई जा रही है। आजादी के बाद और संविधान लागू होने के बाद प्रत्येक 10 वर्ष के बाद जनगणना कराई जाती रही है। कोरोना वैश्विक महामारी के कारण 2021 में जनगणना नहीं कराई जा सकी, लिहाजा अब कराई जा रही है। फिलहाल यह माना जा रहा है कि 1 मार्च, 2026 से आरंभ होकर जनगणना मार्च, 2027 तक पूरी कराई जा सकती है। बेशक जनगणना की खबर अच्छी है, लेकिन कई बड़े सवालिया निशानों के साथ यह खबर हम तक पहुंची है। सबसे अहम सवाल तो यह है कि जनगणना का अंतिम आंकड़ा और डाटा क्या 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले सार्वजनिक किया जाएगा? जनगणना के डाटा से परिसीमन का महत्वपूर्ण अभियान भी जुड़ा है। परिसीमन के बाद ही लोकसभा सीटों में बढ़ोतरी कर उन्हें 800 से अधिक किया जा सकेगा। परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण कानून लागू किया जा सकेगा। हालांकि संसद से यह विधेयक पारित किया जा चुका है। यदि जनगणना का डाटा 2029 के आरंभ में ही सामने आता है, तो लोकसभा के इसी कार्यकाल में ही परिसीमन आयोग गठित किया जा सकता है। यदि पहले की जनगणनाओं की तरह डाटा में देरी हुई और उसे छापने में कमोबेश 2 साल लगे, तो परिसीमन की कवायद 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले पूरी नहीं होगी, लिहाजा जनगणना, 2027 दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए न केवल आंकड़ों का संकलन होगी, बल्कि राजनीतिक आयाम के मद्देनजर भी महत्वपूर्ण होगी। जनगणना के आकलन और विश्लेषण किए जाएंगे कि अगले लोकसभा चुनाव से पहले चुनावी राजनीति की गति, आयाम और समीकरण बदले हैं अथवा नहीं। यदि सरकार माहवार या सालाना आधार पर खुलासा करेगी कि जनसंख्या का अंतिम आंकड़ा क्या होगा और परिसीमन को लेकर उसकी योजनाएं क्या हैं, तो उसी आधार पर जनगणना और जातीय जनगणना की व्याख्या की जाएगी। मसलन-परिसीमन आयोग 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले ही अपना काम शुरू कर सकता है, लेकिन सरकार मौजूदा 543 सीटों के लिए ही लोकसभा चुनाव कराए और बढ़ी हुई सीटें अगले लोकसभा चुनाव, 2034 तक जोड़ी जाएं, तो उसके राजनीतिक फलितार्थ बेहद विवादास्पद भी हो सकते हैं। दक्षिण भारत में विपक्ष की अधिकतर सरकारें हैं। दक्षिण ने जनसंख्या-वृद्धि को बड़ी सफलता से नियंत्रित किया है। परिसीमन से उन्हें घाटा हो सकता है। भाजपा का राजनीतिक वर्चस्व उत्तर और पश्चिम के राज्यों में है। वहां परिसीमन के बाद लोकसभा सीटें अनुपात में खूब बढ़ती हैं, तो ऐसे राजनीतिक असंतुलन पर देश में बहस छिड़ सकती है। यदि स्पष्टता नहीं हुई, तो राजनीतिक कड़वाहट भी पैदा होगी और देश में विभाजन के हालात उभर सकते हैं। आर्थिक तौर पर मजबूत हो रहा भारत ऐसे हालात नहीं चाहेगा। उत्तर बनाम दक्षिण नहीं होने देगा, लिहाजा जनगणना और परिसीमन दोनों ही बेहद नाजुक मुद्दे हैं। हम अनभिज्ञ हैं कि देश में शहरी और ग्रामीण आबादी के बीच कितने गहरे फासले हैं? कई और भी सवाल हैं। बहरहाल, जनगणना ही तमाम उलझे सवालों के जवाब दे सकती है।

सरकार की दलीलें क्या थीं, अब यह पुराना मुद्दा हो गया है। जातीय जनगणना के साथ सामाजिक न्याय और समरसता के राष्ट्रीय मुद्दे भी नत्थी हैं। क्या जातीय संख्या के आधार पर समुदायों के हित संबोधित किए जाएंगे? क्या आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी को खंडित कर उसे बढ़ाया जाएगा? क्या मौजूदा मोदी सरकार इस मुद्दे पर सर्वोच्च अदालत के सामने जाएगी? महत्वपूर्ण यह है कि शीर्ष अदालत का नजरिया क्या रहता है? यह जनगणना, 2027 होगी। 2011 के बाद यह जनगणना कराई जा रही है। आजादी के बाद और संविधान लागू होने के बाद प्रत्येक 10 वर्ष के बाद जनगणना कराई जाती रही है। कोरोना वैश्विक महामारी के कारण 2021 में जनगणना नहीं कराई जा सकी, लिहाजा अब कराई जा रही है। फिलहाल यह माना जा रहा है कि 1 मार्च, 2026 से आरंभ होकर जनगणना मार्च, 2027 तक पूरी कराई जा सकती है। बेशक जनगणना की खबर अच्छी है, लेकिन कई बड़े सवालिया निशानों के साथ यह खबर हम तक पहुंची है। सबसे अहम सवाल तो यह है कि जनगणना का अंतिम आंकड़ा और डाटा क्या 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले सार्वजनिक किया जाएगा? जनगणना के डाटा से परिसीमन का महत्वपूर्ण अभियान भी जुड़ा है। परिसीमन के बाद ही लोकसभा सीटों में बढ़ोतरी कर उन्हें 800 से अधिक किया जा सकेगा। परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण कानून लागू किया जा सकेगा। हालांकि संसद से यह विधेयक पारित किया जा चुका है।

बीमारी और अनहोनी के लिए एक बलि का बकरा खोजने के बहाने के रूप में महिलाओं को निशाना बनाया जाता है

विकास को मुंह चिढ़ा रही हैं डायन जैसी कुप्रथाएं

योगेंद्र योगी

मानवता को कलंकित करने वाली ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कानून बना है किन्तु ऐसे कानूनों का भी वही हाल है, जैसा निर्भया बलात्कार कांड के बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानूनों का हुआ है। निर्भया मामले के बाद फांसी तक प्रावधान किया गया, इसके बावजूद देश में ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। इससे जाहिर है कि सिर्फ कानून के बूते महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचारों को नहीं रोका जा सकता। मुजफ्फरपुर की यह वारदात डायन प्रथा की कोई इकलौती घटना नहीं है। झारखंड, बिहार, असम, ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में आज भी डायन के नाम पर महिलाओं को प्रताड़ित किया जाता है।

बिहार में मुजफ्फरपुर के मोतीपुर में 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला को डायन होने के आरोप में गांव वालों ने घसीटा, पीटा और मैला पिलाने की कोशिश की। यह घटना अंधविश्वास और डायन प्रथा की वजह से हुई, जो बच्चों की बीमारी का दोष महिला पर मढने के लिए की गई। देश के राज्यों में ऐसी घटनाएं निजी दुश्मनी या संपत्ति हड़पने के लिए आम हैं। मानवता को कलंकित करने वाली ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कानून बना है किन्तु ऐसे कानूनों का भी वही हाल है, जैसा निर्भया बलात्कार कांड के बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानूनों का हुआ है। निर्भया मामले के बाद फांसी तक प्रावधान किया गया, इसके बावजूद देश में ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। इससे जाहिर है कि सिर्फ कानून के बूते महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचारों को नहीं रोका जा सकता। मुजफ्फरपुर की यह वारदात डायन प्रथा की कोई इकलौती घटना नहीं है। झारखंड, बिहार, असम, ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में आज भी डायन के नाम पर महिलाओं को प्रताड़ित किया जाता है। परिवार की सम्पत्ति हड़पने की साजिश में, कभी निजी दुश्मनी में, तो कभी महज बीमारी और अनहोनी के लिए एक बलि का बकरा खोजने के बहाने के रूप में महिलाओं को निशाना बनाया जाता है। क्रूरता के कलंक की यह कथा भारत में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड और ओडिशा सहित कई राज्यों में कानूनी प्रावधानों को ठेंगा दिखाते हुए बेखौफ जारी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के 2022 के आंकड़े इस अमानवीय सच्चाई की केवल एक झलक दिखाते हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक, 2022 में डायन प्रथा के नाम पर देशभर में 85 हत्याएं दर्ज हुईं। लेकिन जो दर्द पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो पाता, उसकी संख्या कहीं अधिक है। कई पीड़ित महिलाएं तो कभी पुलिस स्टेशन तक पहुंच ही नहीं पातीं। डर, समाज का दबाव और अक्सर पुलिस की अनदेखी, इस काली गिनती को अधूरा छोड़ देती है। एनसीआरबी के 2014 में आंकड़े के मुताबिक़ झारखंड में 2012 से 2014 के बीच 127 महिलाओं की हत्या डायन बताकर कर दी गई। राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में तत्कालीन गृह राज्यमंत्री एचपी चौधरी ने ये आंकड़े बताए थे। वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों में कमी आई है, लेकिन इसे पूरी तरह से खत्म होने में शायद अभी भी दशकों लग जाएं। यह समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (2021) की रिपोर्ट बताती है कि 2009 से 2019 के बीच विश्व के 60 देशों में करीब 20,000 ऐसी घटनाएं सामने आईं, जहां लोगों को डायन बताकर प्रताड़ित किया

गया। एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ओडिशा के 30 जिलों में से 12 जिलों, विशेषकर मयूरभंज, क्योंझर, सुंदरगढ़, मलकानगिरी, गजपति और गंजम- में डायन-शिकार अभी भी अत्यधिक प्रचलित है। इस तरह की अंधविश्वासी प्रथाओं के ज़्यादातर शिकार स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं या फसल खराब होने के कारण होते थे। अध्ययन के अनुसार, लगभग 27 प्रतिशत मामले बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण, 43.5 प्रतिशत वयस्क परिवार के सदस्य की स्वास्थ्य समस्याओं के कारण, 24.5 प्रतिशत दुर्भाग्य या ज़मीन हड़पने के कारण और 5 प्रतिशत फसल खराब होने के कारण होते हैं। इस खौफनाक कुप्रथा की सबसे बड़ी शिकार महिलाएं बनती हैं। खासकर वे जो विधवा हैं, अकेली हैं या मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों से जूझ रही हैं। समाज के बीमार हिस्से ने इन्हें हर अनहोनी का कारण मान लिया है। अगर किसी घर में कोई बीमार पड़ जाए, फसल खराब हो जाए या गांव में कोई अनजानी विपत्ति आ जाए, तो इन बेबस महिलाओं को ही दोषी ठहराया जाता है। अंधकार के बीच उम्मीद की किरण भी दिखाई देती है। असम की बीरूबाला राभा ने इसी प्रथा के खिलाफ अकेले मोर्चा खोला था। उन्होंने अपना पूरा जीवन डायन प्रथा के खिलाफ संघर्ष में झोंक दिया. उनकी मेहनत रंग लाई और असम में इसके खिलाफ कानून बना। असम सरकार का दावा है कि इस कानून के प्रावधान दूसरे राज्यों के ऐसे कानूनों के मुकाबले कठोर हैं। लेकिन सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि महज कानून बना कर सदियों पुरानी इस कुप्रथा को खत्म करना संभव नहीं है। इसके लिए बड़े पैमाने पर सामाजिक जागरूकता जरूरी है। दिल्ली स्थित संगठन पार्टनर्सस फार ला इन डेवलपमेंट नामक एक संगठन ने अपने शोध में कहा कि डायन प्रथा की जड़ें पितृसत्तात्मक मानसिकता, आर्थिक झगड़ों, अंधविश्वास और दूसरी निजी और सामाजिक संघर्ष में छिपी हैं। ज्यादातर मामले पुलिस के पास ही नहीं पहुंचते। ऐसे में सरकारी आंकड़े इस भयावह समस्या की सही तस्वीर नहीं दिखाते। देश में डायन प्रथा कब से शुरू हुई, इसका कोई प्रामाणिक इतिहास तो नहीं मिलता लेकिन यह सदियों पुरानी है। राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में डाकन या डायन प्रथा कोई छह-सात सौ साल पहले से चलन में थी। इसके तहत अपनी जादुई ताकतों के कथित इस्तेमाल से शिशुओं को मारने के आरोप में महिलाओं की पीट-पीट कर हत्या कर दी जाती थी। उस दौर में वहां हजारों औरतें इस कुप्रथा का शिकार हुई थीं। राजपूत रियासतों ने 16वीं सदी में कानून बना कर इस प्रथा पर रोक लगा दी थी। वर्ष 1553 में उदयपुर में पहली बार इसे गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया था। बावजूद इसके यह बेरोक-टोक जारी रही। यह प्रथा असम के मोरीगांव जिले में फली-फूली। इस जिले को अब काले जादू की भारतीय राजधानी कहा जाता है। दूर-दराज से लोग काला जादू सीखने यहां आते हैं। नेशनल क्राइम रिकाड्र्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2000 से 2016 के बीच देश के विभिन्न राज्यों में डायन करार देकर 2,500 से ज्यादा लोगों को मार दिया गया। उनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। इस मामले में झारखंड का नाम सबसे ऊपर है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक राज्य में वर्ष 2001 से 2014 के बीच डायन होने के आरोप में 464 महिलाओं की हत्या कर दी गई। उनमें से ज्यादातर आदिवासी तबके की थीं। लेकिन सामाजिक कार्यकर्ताओं का दावा है कि एनसीआरबी के आंकड़े तस्वीर का असली रूप सामने नहीं लाते। डायन के नाम पर होने वाली हत्याओं की तादाद इससे कई गुनी ज्यादा है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में डायन के खिलाफ लोगों की एकजुटता की वजह से ज्यादातर मामले पुलिस तक नहीं पहुंच पाते। डायन प्रथा हो या निर्भयाकांड, सरकारें कानून बना कर अपनी जिम्मेदारी को पूरा मान लेती हैं, जमीनी धरातल पर हकीकत में तस्वीर बदले या न बदले। आई.टी सैक्टर, चिकित्सा, विज्ञान एवं तकनीक, प्रबंधन क्षेत्र, रॉकेट साइंस सहित विभिन्न क्षेत्रों ने भारत ने विश्व में अपना लोहा मनवाया है। विश्व की प्रमुख कंपनियों में से ज्यादातर के सीईओ भारतीय हैं। इसके बावजूद भारत में डायन जैसी कुप्रथा के मौजूद होने को यही माना जा सकता है कि असंतुलित विकास ऐसे कुरीतियों के लिए जिम्मेदार है। देश के विभिन्न राज्यों में डायन प्रथा के खिलाफ कानून होने के बावजूद अब तक इस सामाजिक कुरीति पर अंकुश नहीं लग सका है। गरीबी और विकास की बुनियादी सुविधाओं से वंचित इलाकों में ऐसे घटनाओं से जाहिर है कि असमानता चाहे जिस भी स्तर पर हो, जब तक उसका खात्मा नहीं होगा तब तक विकास की तमाम सफलाताओं के बावजूद महिलाएं अत्याचार की चक्की में पिसती रहेंगी।

देश दुनिया से

दुश्मनों से सटी सरहदें बलिदान की तलबगार

ग्यारह अप्रैल 2025 को अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ कर रहे तीन आतंकियों को सेना ने हलाक करके घाटी में पाकिस्तान की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया था। मगर अफसोश उस एनकाउंटर में सैन्य दस्ते का नेतृत्व करने वाले हिमाचल के सूबेदार 'कुलदीप चंद' '9 पंजाब' शहीद हो गए। पहलगाम हमले के बाद सेना द्वारा पाकिस्तान पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पुंछ सेक्टर में एलओसी पर पाक गोलीबारी में दस मई 2025 को हिमाचल के एक अन्य शूरवीर सूबेदार मेजर 'पवन कुमार' '25 पंजाब' बलिदान हो गए। 20 मई 2025 को कारगिल में एवलांच की चपेट में आने से हिमाचल के सैनिक 'नवीन कुमार' वीरगति को प्राप्त हो गए। गत दो जून को सिक्किम में भीषण सैलाब में आपदा राहत में ड्यूटी के दौरान भूस्खलन की चपेट में आने से सिरमौर के जांबाज सैनिक 'मनीष ठाकुर' वीरगति को प्राप्त हो गए। 22 मई 2025 को राष्ट्रपति द्वारा रक्षा अलंकरण समारोह में प्रदान किए गए वीरता पदकों में दो वीरता पदक हिमाचल के हिस्से आए हैं। कश्मीर में 23 जुलाई 2024 को आतंकियों से लडक़र शहीद हुए हिमाचल के जांबाज 'दिलावर खान' को अदम्य साहस के लिए 'कीर्ति चक्र' मरणोपरांत से सरफराज किया गया। हिमाचल के हवलदार 'रोहित नेगी' 'हाई अल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल' में प्रशिक्षक के तौर पर तैनात थे। 18 हजार छह सौ फीट की बुलंदी पर पर्वतारोहण प्रशिक्षण के दौरान आठ अक्तूबर 2023 को रोहित नेगी अपने सैन्य दल के साथ हिमस्खलन की चपेट में आ गए थे। नौ महीने की अथक खोज के बाद आठ जुलाई 2024 को सेना ने रोहित नेगी, ठाकुर बहादुर अले व गौतम राजवंशी के शव बरामद किए थे। खौफनाक हिमखंडों के बीच निर्भीक पर्वतारोहण कौशल के लिए बलिदान हुए रोहित नेगी को 'शौर्य चक्र' मरणोपरांत से अलंकृत किया गया। स्मरण रहे हिमाचल प्रदेश के कर्नल 'मदन लाल चड्ढा' 'पैराशूट रेजिमेंट' सन1965 के दौर में उसी 'हाई अल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल' के कमाडेंट थे। उस वक्त पाकिस्तान ने 'आपरेशन जिब्राल्टर' मंसूबे को अंजाम देकर कश्मीर पर हमला कर दिया था। कर्नल चड्ढा ने 'हवास' स्कूल के प्रशिक्षु जवानों की कंपनी के नेतृत्व में कश्मीर के 'सोनमर्ग' पर कब्जा करने वाले पाक सैन्य दस्ते पर जोरदार हमला करके पाक मंसूबे को ध्वस्त करके 31 अगस्त 1965 को अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। युद्ध में शूरवीरता के लिए कर्नल मदन लाल चड्ढा को 'वीर चक्र' मरणोपरांत से नवाजा गया था। 21 अक्तूबर 1962 को चीन की 'पीपल्स लिबरेशन आर्मी' ने अरुणाचल प्रदेश पर हमला किया था। अरुणाचल के 'वालोंग सेक्टर' में चीनी सेना को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए सेना की 'चार डोगरा' बटालियन तैनात थी। पीएलए पर जवाबी हमले में 16 नवंबर 1962 को कांगड़ा के सिपाही 'कर्म चंद कटोच' बलिदान हो गए थे। उस हमले के दौरान वालोंग में भारी हिमसख्लन के कारण सैनिकों के शव बर्फ की आगोश में समा गए थे। जुलाई 2010 में वालोंग में सडक़ निर्माण में लगे 'बीआरटीएफ' के जवानों को कर्मचंद का शव मिला था। जंग के दौरान हाथ पर बांधे गए 'डिस्क' से शव की शिनाख्त हुई। 48 वर्षों बाद सेना ने 15 जुलाई 2010 को कर्मचंद कटोच का शव उनके गांव 'अजोगर' में पहुंचा कर अंतिम संस्कार किया था। छह फरवरी 2022 को अरुणाचल के कामेंग सेक्टर में एलएसी पर गश्त के दौरान सेना की 'जैक राइफल' के सात जवान हिमस्खलन की चपेट में आकर वीरगति को प्राप्त हो गए, जिनमें 'अंकेश भारद्वाज' व 'राकेश कुमार' का संबंध हिमाचल से था। सात फरवरी 1968 को भारतीय वायुसेना का ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट 'एएन 12' चंडीगढ़ से लेह की उड़ान पर था, मगर खराब मौसम के चलते विमान लेह में नहीं उतरा। नतीजतन विमान ने दोबारा चंडीगढ़ का रुख किया, लेकिन विमान चंडीगढ़ नहीं पहुंचा। उसमें सवार 102 सैनिकों का कई वर्षों तक कोई पता नहीं चला। दरअसल वो विमान हिमाचल के रोहतांग में 'ढाका' ग्लेशियर के पास क्रैश हो गया था। रोहतांग दर्रे के पास एक पर्वतारोही दल को सन2003 में बेली राम नामक सैनिक का शव मिला। उसके बाद सेना ने खोजी अभियान शुरू किया। सन2007 में चार और सैनिकों के शव बरामद हुए। सन2018 में उस जहाज का मलबा भी मिला। सर्च ऑपरेशन में लगी सेना को 56 वर्षों बाद तीन अक्तूबर 2024 को नारायण सिंह बिष्ट, थामस चेरियन, मलखान सिंह व मुंशी राम नामक सैनिकों के शव बरामद हुए। शवों की पहचान वर्दी पर लगी 'नेम प्लेट' तथा पर्स में मौजूद कागजात से हुई। पार्थिव शवों को उन सैनिकों के गृह नगर पहुंचाया गया। 20 फरवरी 2019 को किन्नौर में एलएसी पर 'शिपकी लॉ' के नजदीक जैक राइफल के पांच जवान हिमस्खलन की आगोश में समा गए थे, जिनमें 'राजेश ऋषि' सोलन जिला से थे। 29 मई 1984 को सियाचिन में गश्त के दौरान बर्फीले तूफान की आगोश में समा गए '19 कुमाऊं' के 20 सैनिकों में से 14 जवानों के शव कुछ दिनों बाद मिले थे। एक सैनिक 'चंद्रशेखर' का शव 38 वर्षों बाद सन2022 में मिला था। बाकी पांच सैनिकों के शव आज तक लापता हैं। लिहाजा सैन्य संघर्षों पर सवाल उठाने वालों के लिए यहां 'मुजफ्फर रज्मी' की तहरीर का जिक्र करना लाजिमी है, 'इस राज को क्या जाने साहिल के तमाशाई, हम डूब के समझे हैं दरिया तेरी गहराई'। मफहूम ये है कि सैन्य संघर्षों व सैन्य जीवन की हकीकत का इल्म केवल अपना यौवन वतन की सरहदों को समर्पित करने वाले सैनिकों को ही होता है।

कुछ अलग

न्यू नार्मल है बेढंगी बात

बात मन की हो या फालतू। होगी तो बेढंगी ही। फिर इन दोनों बातों को बेढंगी बात ही क्यों न कहा जाए या माना जाए। विशेषज्ञ भले इन तीनों बातों को हिंदी की सामान्य बोलचाल में प्रयोग होने वाले मुहावरे मानते हुए कहते हों कि इनके अर्थ और संदर्भ एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। पर देश और दुनिया के वर्तमान हालात देखते हुए मुझे लगता है कि पहली दोनों बातें अर्थात मन की बात और फालतू बात बेढंगी बात के ही दो पहलू हैं। बेढंगी बात वर्तमान विश्व का वह खरा सिक्का है जो आजकल ख़ूब प्रचलन में है। सत्ता में बैठे पात्र मतदाताओं द्वारा चुने हुए राजा और सामंत, उनके चेले-चपाटे तथा राजभक्त, सभी बेढंगी बात करने और कहने में माहिर हैं। राजभक्तों को आप चाहें तो अंधभक्त भी कह सकते हैं। वास्तव में राजभक्त और देशभक्त में दिन-रात का अंतर है। लेकिन सरकारी या राजशाही की भाषा में राजभक्ति या अंधभक्ति ही सच्ची देशभक्ति है। सही या गलत सवाल पूछने या ढंग की बात करने पर न केवल राजा, सामंत तथा उनके चेले-चपाटे, बल्कि राजभक्त भी आपकी सेवा में ट्रोल्स, सामाजिक निगरानीकर्ता, गौ-रक्षक और तमंचे पेश कर सकते हैं। अगर आप थोड़े भाग्यशाली हुए तो आपको धमकाते हुए पाकिस्तान जाने की सलाह दी जा सकती है। इससे भी बात न बनने पर तो आपको देशद्रोही साबित करने के लिए देश की दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मुकद्दमा दायर किया जा सकता है। हो सकता है आपको मेरी बात बेढंगी लग रही हो, पर आजकल चलन इसी बात का है। संसद हो या सडक़, रैली हो या सम्मेलन, जो भी बात होती है, बेढंगी ही होती है। नए जमाने का नया नार्मल है, न्यू नार्मल। अगर आपको अब भी यकीन न हो तो...जी की रगों में बहता हुआ गरम सिंदूर देख लें या उन्हें अपने सरकारी प्रांगण के बीचों-बीच सिंदूर का पौधा लगाते हुए देख लें। इससे भी मन न भरे तो हर साल सावन में कांवडियों पर उत्तम प्रदेश की योगी पुलिस द्वारा की जाने वाली या गुजरात के रोड शो में कर्नल सोफिया के परिवार द्वारा...जी पर की जाने वाली पुष्प वर्षा देख लें। शायद इन मिसालों से आपको विश्वास हो जाए कि बात चाहे मन की हो या फालतू, होती बेढंगी ही है। अगर ऐसा न होता तो करने वाले को मन की बात या फालतू बात कहने की जरूरत ही न पड़ती। वैसे विशेषज्ञ मन की बात उस बात को कहते हैं जो किसी के दिल में छुपी हो, जिसे वह वास्तव में सोचे या महसूस करे, लेकिन आम तौर पर कह न पाता हो। इसे भावनात्मक, सच्ची और निजी बात की श्रेणी में रखा जा सकता है। यह सकारात्मक और आत्मीय संवाद को दर्शाती है। अब पता नहीं आप मुझसे इत्तिफाक होने पर ऑल इंडिया रेडु (रेडियो) पर हर अंतिम रविवार को आने वाली...जी की 'मन की बात' को किस श्रेणी में रखना पसंद करें।

आप का नजरिया

सरकार का हरित कर्त्तव्य

हरित राज्य के चरित्र में हिमाचल के संस्कार अगर बदल जाते हैं, तो पहाड़ की खिड़कियां चारों तरफ हरा ही हरा देखेंगी। सरकार ने ई-टैक्सी के मार्फत जो प्रणाली शुरू की, उसकी दूसरी खेप उतर रही है। पहले 39 इलेक्ट्रिक टैक्सियां विभिन्न विभागों के साथ संबद्ध हो कर चलीं और अब तीस और जुड़ जाएंगी। इन वाहनों में पचास फीसदी सबसिडी उपलब्ध है, फिर भी इस मुहिम के लिए एक बड़ा दस्तूर चाहिए। अगर प्रदेश के भीतर ही तमाम सरकारी गाडियां हरी हो जाएं, तो देखने और समझने का कत्र्तव्य बदल जाएगा। सुक्खू सरकार अपना हरित कत्र्तव्य समझ कर पहले ही राज्य के भीतर ग्रीन कोरिडोर चिन्हित कर चुकी है और जिसके ऊपर आधारित इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित हो रहे हैं। हमने बहुत पहले लिखा था कि हिमाचल को इलेक्ट्रिक आधार पर परिवहन के विकल्प चुनने होंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में परवाणू-शिमला रज्जु मार्ग व शिमला का स्थानीय ट्रांसपोर्ट नेटवर्क आधारित रोप-वे बड़ी परियोजनाएं प्रयासरत हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की शुरुआत में यूं तो राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश प्रेरित करते रहे हैं, लेकिन वर्तमान सरकार ने इसकी अनिवार्यता को पूरी तरह पहचाना है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत धर्मशाला व शिमला में इलेक्ट्रिक बसों के कारण पर्यावरणीय व आर्थिक लाभकारी स्थिति उभरी है। अब एचआरटीसी ने इलेक्ट्रिक बसों की तरफ राज्य की संभावना में कदम रखे हैं। हिमाचल अगर राज्य में पर्यटक टैक्सी सेवा को इलेक्ट्रिक वाहनों की अनिवार्यता के साथ जोड़ दे, तो बहुत बड़ा बदलाव आएगा। आरंभिक तौर पर शिमला, धर्मशाला व मनाली के टैक्सी आपरेटरों के साथ मिलकर काम करना होगा और इसे संभव करने के लिए किसी वाहन कंपनी को स्टेट का ब्रांड बना देना चाहिए। अगर हम उदाहरण के लिए टाटा से इलेक्ट्रिक वाहन अनुबंध कर लें तो हिमाचल देश के लिए एक मॉडल सिद्ध होगा। ऐसे में वाहनों की खेप को सीधे उतारा जा सकता है। सरकार इसे रोजगार नीति के तहत सुविधाओं से यूं तो जोड़ चुकी है, लेकिन अब इसे पूरी तरह सुनिश्चित करना होगा। शिमला, मनाली, धर्मशाला या अन्य पर्यटक व धार्मिक स्थलों के लिए इलेक्ट्रिक टैक्सी की अनिवार्यता के पर्यावरणीय कारणों के साथ इसका किफायती संचालन किराए में भी छूट दे सकता है। परिवहन और पर्यावरण की अपनी चुनौतियों से जूझ रहे हिमाचल को अब अपनी क्षमता के अनुरूप नीतियां बनानी होंगी, वरना सैर-सपाटे से जुड़ा बाहरी प्रदेशों का प्रदूषण यहां अपनी डेस्टीनेशन खोज लेगा। पिछले मात्र 54 दिनों के आंकड़े ने अटल टनल को प्रदूषण की सुरंग बना दिया है। इस दौरान एक करोड़ पर्यटक और करीब दो लाख वाहन अगर गुजरते रहे, तो मानना पड़ेगा कि इस फिजा में जहर आने की रफ्तार बहुत तेज है। ऐसे में अगर मनाली के आगे केवल इलेक्ट्रिक वाहन ही चलें, तो हमारी प्रकृति को भी मुस्कराने का संबल मिलेगा, वरना अटल टनल प्रदूषण की महज सुरंग बन कर रह जाएगी।

दृष्टि कोण

'मेक इन इंडिया' इलेक्ट्रिक कारों का भविष्य

इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग से वायु प्रदूषण को बड़ी हद तक कम किया जा सकता है, क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग से ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन लगभग न के बराबर होता है। कई बार यह भी कहा जाता है कि जिस बिजली का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी को चार्ज करने के लिए किया जाता है, यदि वो कोयले या गैस से बनती है तो अप्रत्यक्ष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन कुछ हद तक और भी ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन करते हैं। यह भी सही है कि ईवी वाहनों के निर्माण के समय भी जरूर कुछ हद तक प्रदूषण फैलता है, लकिन यदि ईवी वाहनों के कुल जीवन को देखा जाए तो पेट्रोल, डीजल, गैस आदि से चलने वाले वाहनों के मुकाबले इलेक्ट्रिक वाहनों में कहीं कम ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन होता है। इसीलिए घनी आबादी वाले शहरों में, जहां वाहनों से आने वाला धुआं बड़ी मात्रा में हवा को प्रदूषित करता है, इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग शहरों को अधिक स्वस्थ और रहने योग्य बनाने में सहायक हो सकता है। साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन के साथ यदि नवीकरणीय स्त्रोतों से भी बिजली का उत्पादन हो, स्मार्ट ग्रिड का विकास हो और स्वच्छ बैटरी उत्पादन और उनकी रीसाईकलिंग की भी व्यवस्था भली भांति की जाए तो शहरों की हवा को ठीक करने में इलेक्ट्रिक वाहनों का बड़ा योगदान हो सकता है। इसलिए दिल्ली और अन्य महानगरों के वातावरण को बेहतर करने और उन्हें रहने योग्य बनाने में इलेक्ट्रिक वाहनों का बड़ा महत्व है। लेकिन इसके साथ ही साथ यह भी जरूरी है कि इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में देश आत्मनिर्भर भी बने। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी)

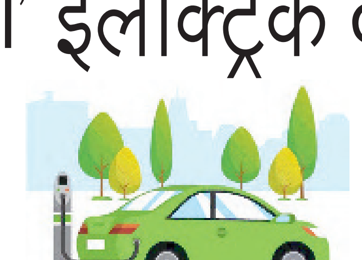

बाजार 2030 तक 250 बिलियन डॉलर का हो सकता है। 2021 में बाजार का मूल्य 1.45 बिलियन डॉलर और 2022 में 3.21 बिलियन डॉलर था। भारत में इलेक्ट्रिक वाहन बाजार तेजी से बढ़ रहा है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पिछले साल ईवी की बिक्री दस लाख का आंकड़ा पार कर गई और 2030 तक यह संख्या 170 लाख यूनिट तक पहुंचने की उम्मीद है। बाजार में तेजी के रुझान के साथ, देश के अधिकांश कार निर्माताओं ने अपने कुछ सबसे ज्यादा बिकने वाले वर्तमान मॉडल को इलेक्ट्रिक वर्जन में बनाना भी शुरू कर दिया है। काफी समय से इस बात पर विवाद चल रहा था कि अमरीकी कंपनी टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कारों का निर्माण करेगी या नहीं। टेस्ला उनकी कारों पर भारत में आयात शुल्क में कमी के लिए पैरवी कर रही थी। उनका तर्क था कि वे अपनी इलेक्ट्रिक कारों को लाकर भारतीय बाजारों को परखना चाहते हैं और इसलिए वे भारत में अपनी स्थिति को परखने के लिए आयात शुल्क में छूट की मांग कर रहे हैं। हालांकि, कंपनी के इस ढुलमुल रवैये से भारत में विनिर्माण सुविधाएं शुरू करने के उनके वास्तविक इरादे पर संदेह पैदा हो रहा था। लेकिन अब यह लगभग स्पष्ट हो गया है कि कंपनी भारत में अपनी टेस्ला कार का विनिर्माण शुरू करने में रुचि नहीं रखती है। हाल ही में भारत में ईवी नीति की घोषणा करते हुए सरकार ने भी यह संकेत दिया है कि टेस्ला कंपनी देश में अपनी कारों का विनिर्माण करने में रुचि नहीं रखती है। सरकार ने इस बीच भारत में इलेक्ट्रिक कारों के विनिर्माण को प्रोत्साहित करने वाली नीति पेश की है। हालांकि नई ईवी नीति 15 प्रतिशत की रियायती टैरिफ दर पर इलेक्ट्रिक कारों के आयात की भी अनुमति देती है, लेकिन आयातित कारों की कुल संख्या पर 8000 कारों की सीमा है, जिसके बाद आयात शुल्क 115 प्रतिशत तक जा सकता है। नीति में 35000 डॉलर से अधिक कीमत वाली किसी भी आयातित इलेक्ट्रिक कार पर शुल्क में कटौती की पेशकश की गई है, बशर्ते निर्माता तीन साल के भीतर स्थानीय संयंत्र स्थापित करने के लिए कम से कम 42500 करोड़ रुपए या लगभग 500 मिलियन डॉलर का निवेश करे।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो तख्तापलट साजिश मामले में सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए

रियो डी जनेरियो, 11 जून (एजेंसियां) ।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जैर बोल्सोनारो मंगलवार को देश की सर्वोच्च अदालत के समक्ष एक कथित तख्तापलट योजना में पहली बार गवाही देने के लिए पेश हुए। यह मामला वर्ष 2022 के राष्ट्रपति चुनाव परिणाम को पलटने और सत्ता में बने रहने की कथित साजिश से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट की एक विशेष पीठ इस बहुचर्चित मामले की सुनवाई कर रही है, जिसमें बोल्सोनारो सहित उनके सात प्रमुख सहयोगियों पर पांच गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोपों में तख्तापलट की कोशिश, सशस्त्र आपराधिक संगठन में संलिप्तता, लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था को बलपूर्वक समाप्त करने का प्रयास, राष्ट्रीय धरोहर को नुकसान पहुंचाना और उसकी क्षति करना शामिल है। अगर बोलसोनारो पर तख्तापलट का आरोप सिद्ध होता है, तो उन्हें 12 साल तक की जेल की सजा हो सकती है, और अन्य आरोपों के साथ कुल सजा कई दशकों तक बढ़ सकती है। पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है। उनके साथ पूर्व रक्षा मंत्री और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार वॉल्टर ब्रागा नेटो, पूर्व मंत्री एंडरसन टोरेस, ऑगस्टो हेलेनो और पूर्व सहयोगी मौरो सिड जैसे प्रमुख नाम भी इस मामले में आरोपित हैं। हालांकि बोल्सोनारो के पूर्व सहयोगी मौरो सिड ने पुलिस से गोपनीय समझौता (प्ली बार्गेन) किया है और अदालत में गवाही देते हुए बताया कि बोल्सोनारो ने उस दस्तावेज को पढ़ा और संपादित किया था, जिसमें चुनाव परिणाम को अमान्य करने की योजना थी। सिड ने यह भी दावा किया कि बोल्सोनारो ने अपने समर्थकों द्वारा सेना मुख्यालयों के बाहर लगाए गए शिविरों में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था। यही समर्थक बाद में 08 जनवरी 2023 को ब्रासीलिया में हुई हिंसा में शामिल पाए गए, जब सुप्रीम कोर्ट, संसद और राष्ट्रपति भवन पर हमला किया गया। ब्राजील के अटॉर्नी जनरल पाउलो गोनेट ने अदालत में दावा किया कि यह दंगा उस बड़े षड्यंत्र का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य चुनाव परिणाम को पलटना था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोराइस की हत्या की भी योजना थी, जो अंतिम क्षणों में इसलिए टल गई क्योंकि सेना प्रमुख ने इसमें सहयोग नहीं किया।

न्यूज ब्रीफ

हमास को फंडिंग के आरोप में अमेरिका ने कथित 'फर्जी' फिलीस्तीनी चैरिटियों पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन। अमेरिका ने मंगलवार को एक बड़ा कदम उठाते हुए मध्य पूर्व, अफ्रीका और यूरोप में फैले पांच लोगों और पांच संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने इन पर हमास के सैन्य विंग को आर्थिक मदद पहुंचाने का आरोप लगाया है। इन संस्थाओं पर यह भी आरोप है कि वे गाजा पट्टी और अन्य क्षेत्रों में मानवीय कार्यों की आड़ में आतंकी फंडिंग कर रह थे। प्रतिबंधित संस्थाओं में प्रमुख नाम: अल-विआम चैरिटेबल सोसाइटी (गाजा स्थित): इस पर आरोप है कि यह हमास के नियंत्रण में है। इसके कार्यकारी निदेशक मोहम्मद सामी मोहम्मद अबू मरेई को भी प्रतिबंधित सूची में शामिल किया गया है। फिलिस्तीन वक्फी (तुर्की आधारित): इस चैरिटी और इसके अध्यक्ष ज़ेकी अब्दुल्ला इब्राहीम अररावी पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। अन्य देश: अल्जीरिया, नीदरलैंड और इटली में स्थित कुछ अन्य चैरिटियों को भी प्रतिबंधित किया गया है, जिनके हमास या फिलिस्तीनी कट्टरपंथी समूहों से कथित संबंध हैं। इसके अलावा अमेरिका ने एक और संस्था पर भी कार्रवाई की है, जो फिलिस्तीनी संगठन 'पॉपुलर फ्रंट फॉर द लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन' (पीएफएलपी) से जुड़ी बताई जा रही है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की 2024 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आतंकी वित्तपोषण के लिए अब ऑनलाइन क्राउड फंडिंग का सहारा लिया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चूंकि अधिकांश ऑनलाइन फंडिंग वैध सामाजिक कार्यों के लिए होती है, इसलिए आतंकी फंडिंग की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। यही कारण है कि सुरक्षा एजेंसियों को जांच में अधिक जटिलता का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ये प्रतिबंध इस बात का स्पष्ट संदेश है कि अमेरिका आतंकवाद के लिए आर्थिक सहायता के किसी भी रास्ते को बर्दाशत नहीं करेगा, चाहे वह मानवीय सेवा की आड़ में ही क्यों न हो।

हिरासत में लिए गए दुनिया के सबसे बड़े टिकटॉक स्टार खाबी लेम छोड़ना पड़ा अमेरिका

लास वेगास। वीसा संबंधी शर्तों के उल्लंघन के आरोप से घिरे विश्व में सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले

टिकटॉक स्टार खाबी लेम ने अमेरिका छोड़ दिया है। उनको अमेरिका में इमिग्रेशन और कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) ने हिरासत में लिया था, जिसके बाद उन्होंने स्वेच्छा से देश छोड़ दिया। सेनेगल में जन्मे और इटली के नागरिक खाबी लेम का असली नाम सेरिंगे खाबाने लामे है। उनको 6 जून को लास वेगास के हैरी रीड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया गया था। आईसीई के प्रवक्ता के अनुसार, लामे ने अपने वीजा की शर्तों का उल्लंघन किया था, क्योंकि वे 30 अप्रैल को अमेरिका आए थे और निर्धारित समय से अधिक रुके थे। लेम की हिरासत उस समय हुई, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई सरकार ने आप्रवासन पर सख्ती बढ़ा दी है। ट्रंप ने अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए बड़े पैमाने पर निर्वासन अभियान शुरू किया है, जिसके तहत आईसीई ने पूरे अमेरिका में छापेमारी की है। लॉस एंजिल्स में हाल ही में हुई आईसीई की छापेमारी ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया, जहां प्रदर्शनकारियों ने हम नहीं जाएंगे और हम यहां विरोध करने आए हैं जैसे नारे लगाए। ट्रंप ने इन प्रदर्शनों को नियंत्रित करने के लिए नेशनल गार्ड को तैनात किया, जिसका कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजम और लॉस एंजिल्स की मेयर करेन बास ने विरोध किया।

अल कायदा ने ट्रंप, मस्क को दी जान से मारने की धमकी, हिट लिस्ट में कई नाम

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी दी गई है। खबर है कि एक्यूएपी यानी

अल कायदा इन अरबियन पेनिन्सुला ने ट्रंप को मारने का संदेश जारी किया है। हालांकि, इसे लेकर अमेरिका की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। लिस्ट में ट्रंप के अलावा उनकी सरकार के और लोगों के भी नाम हैं। सामने आए वीडियो में इस धमकी की वजह गाजा में हो रही हिंसा को बताया जा रहा है। बता दें कि एक्यूएपी को अल कायदा की सबसे खतरनाक शाखा माना जाता है। अल अव्लाकी पर अमेरिका ने 60 लाख डॉलर के इनाम का ऐलान किया है। करीब आधे घंटे के इस वीडियो में ट्रंप और मस्क के अलावा उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रूबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के चेहरे नजर आ रहे हैं। इनके अलावा मिस्र, जॉर्डन और खाड़ी के अरब देशों में नेताओं को मारने की अपील की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, एक्यूएपी चीफ ने अमेरिका में रहने वाले लोगों से गाजा में हो रहे युद्ध का बदला लेने की अपील की है।

पाकिस्तान : अहमदिया समाज को बकरीद के दिन नमाज नहीं पढ़ने दी और कुर्बानी से भी रोक दिया

इस्लामाबाद, 11 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय को ईद-उल-अजहा के मौके पर कम से कम सात शहरों में नमाज अदा करने और कुर्बानी देने से रोक दिया गया। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान (जेएपी) ने आरोप लगाया कि स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से यह उत्पीड़न किया गया। जेएपी के अनुसार, पंजाब पुलिस ने दो अहमदियों को गिरफ्तार किया और तीन के खिलाफ केस दर्ज किया गया। आरोप है कि वे परंपरागत कुर्बानी देने की कोशिश कर रहे थे, जिसे पाकिस्तान में अहमदियों के लिए प्रतिबंधित किया गया है।

अहमदियों को जिन शहरों में ईद की नमाज पढ़ने से रोका गया, उनमें खुशाब, मीरपुर खास, लोधरां, भक्कर, राजनपुर, उमरकोट, लरकाना और कराची शामिल हैं ।पंजाब पुलिस ने पुष्टि की कि उन्होंने दो अहमदियों को गिरफ्तार किया और तीन के खिलाफ कार्रवाई की। वहीं, जमात-ए-अहमदिया ने इस कदम को न सिर्फ भेदभावपूर्ण बल्कि संविधान के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के संविधान का अनुच्छेद 20 हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, लेकिन अहमदियों को यह अधिकार नहीं दिया जा रहा। यह घटना ऐसे समय पर हुई है जब अहमदिया समुदाय पर हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। मई में एक वरिष्ठ अहमदिया डॉक्टर की हत्या की गई थी और पंजाब में 100 से अधिक अहमदिया कब्रों को अपवित्र किया गया था। 1974 में पाकिस्तान की संसद ने अहमदियों को गैर-मुस्लिम घोषित किया था और 1984 में उनके लिए इस्लामिक प्रतीकों और रिवाजों का पालन करना भी गैरकानूनी बना दिया गया ।जेएपी ने कहा, संगठनों का बढ़ता दुस्साहस हमारे समुदाय की सुरक्षा के लिए खतरा बन गया है। जबरन धर्मांतरण और धार्मिक स्वतंत्रता पर प्रतिबंध गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन हैं।

अमेजन जंगलों की खास चाय विदेशी पर्यटकों में मशहूर, यह एक तरह का नशा

लीमा। पेरू के घने अमेजन जंगलों में 41 साल के अमेरिकी पर्यटक की एक धार्मिक अनुष्ठान के दौरान मौत हो गई। वजह थी एक खास तरह की चाय, जिसे 'आयाहुआस्का' कहते हैं. यह कोई आम चाय नहीं, बल्कि एक ऐसा नशा है, जो दिमाग को झकझोर देता है और अमेरिका जैसे कई देशों में पूरी तरह प्रतिबंधित है, लेकिन फिर भी, यह चाय विदेशी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। आयाहुआस्का एक खास तरह का पेय है, जो अमेजन के जंगलों में पाए जाने वाले पौधों से तैयार किया जाता है। इसमें डीएमटी नाम का एक ताकतवर रसायन होता है, जो दिमाग को गहरे मतिभ्रम में ले जाता है। अमेजन के आदिवासी इसे सैकड़ों सालों से धार्मिक और मेडिकल के लिए इस्तेमाल करते आ रहे हैं। उनके लिए यह चाय आत्मा को शुद्ध करने और आध्यात्मिक ज्ञान पाने का जरिया है, लेकिन पिछले कुछ सालों में, यह विदेशी पर्यटकों के लिए एक नया 'एडवेंचर' बन गया है। लोग मानसिक शांति, डिप्रेशन से छुटकारा, या फिर एक अनोखे अनुभव के लिए इसे आजमाने पेरू, बोलीविया जैसे देशों में पहुंच रहे हैं। 41 साल के अमेरिकी पर्यटक की इसे पीने से हुई मौत आरोन जो अमेरिका के अलबामा से थे, पेरू के लोरेटो इलाके में एक होस्टल, 'ला कासा दे गुइलेर्मो आइकोना' में रुके थे। यह होस्टल 'आध्यात्मिक पर्यटन' के लिए मशहूर है। यहां लोग आयाहुआस्का अनुष्ठानों में हिस्सा लेने आते हैं, जिन्हें स्थानीय शमैन आयोजित करते हैं। विगत सोमवार को हुए एक ऐसे ही अनुष्ठान में आरोन ने आयाहुआस्का चाय पी थी, लेकिन इसके बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी। स्थानीय फोरेंसिक पैथोलॉजिस्ट के मुताबिक इस चाय ने उनके शरीर के कई अंगों को पूरी तरह से बेकार कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। होस्टल के मैनेजरों का कहना है कि आरोन ने आयोजकों को यह नहीं बताया कि वे पहले से एंटीबायोटिक दवाइयाँ ले रहे थे। ऐसा माना जा रहा है कि इन दवाइयों और आयाहुआस्का के बीच रासायनिक प्रतिक्रिया ने उनकी हालत को बिगाड़ दिया। आयाहुआस्का कोई साधारण पेय नहीं है। यह चाय पीने के बाद लोग घंटों तक मतिभ्रम की दुनिया में चले जाते हैं।

लॉस एंजिल्स में प्रवासी विरोध प्रदर्शन के बीच ट्रंप ने की मरीन तैनाती, उठे सवाल

वाशिंगटन, 11 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रवासियों के खिलाफ जारी प्रदर्शनों को रोकने के लिए लॉस एंजिल्स में सैकड़ों मरीन तैनात करने के आदेश दिए हैं। मंगलवार को लगभग 700 अमेरिकी मरीन सैन्य वाहनों के साथ शहर के बाहर एक अस्थायी स्थल पर पहुंचे। इसके साथ ही राष्ट्रपति ने 4,000 नेशनल गार्ड जवानों को भी सक्रिय कर दिया है।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि अगर सैन्य बलों की तैनाती नहीं होती, तो लॉस एंजेलेस अभी तक जल चुका होता। उन्होंने संकेत दिया कि यदि स्थिति और बिगड़ती है, तो वे इन्सरेक्शन एक्ट लागू कर सकते हैं, जो सेना को नागरिक कानून व्यवस्था संभालने की अनुमति देता है। ट्रंप ने कहा कि हम कोई खतरा नहीं उठा सकते। लॉस एंजिल्स के कुछ हिस्सों में पहले से ही बगावत जैसे हालात हैं।

अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि तैनात मरीन केवल संघीय संपत्तियों और अधिकारियों की सुरक्षा करेंगे। उन्हें आम नागरिकों की गिरफ्तारी का अधिकार नहीं होगा। सैन्य बलों की तैनाती की कुल लागत करीब 134 मिलियन डॉलर बताई जा रही है, जिसमें आवास, भोजन और यात्रा शामिल हैं।

वहीं, कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और लॉस एंजिल्स की मेयर करेन बैस ने ट्रंप के जवानों की तैनाती के कदम को अत्यधिक और अनावश्यक बताया है। राज्य के अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शन ज्यादातर शांतिपूर्ण रहे हैं और ट्रंप प्रशासन की कार्रवाई जरूरत से ज्यादा आक्रामक है।

गवर्नर न्यूसम ने सोशल मीडिया पर इस फैसले की आलोचना करते हुए लिखा, सोचिए, अगर यही राशि पूर्व सैनिकों के पोषण और आवास पर खर्च होती तो कितना अच्छा होता, बजाय इसके कि सैनिकों को राजनीतिक मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है।

बांग्लादेश के 369 जायरीन पहली वापसी हज उड़ान से स्वदेश लौटे

सऊदी अरब से हज वापसी उड़ानों का आगमन शुरू हो गया। 369 बांग्लादेश के यात्रियों को लेकर पहली वापसी हज उड़ान कल सुबह 10:54 बजे राजधानी ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची। हवाई अड्डा प्राधिकारियों ने बयान जारी कर यह जानकारी दी। खबर के अनुसार, हवाई अड्डा प्राधिकारियों ने कहा कि सऊदी अरब का विमान एसवी-3803 इन्हें लेकर पहुंचा। स्वदेश लौटे जायरीनों का बोर्डिंग गेट पर फूलों से स्वागत किया गया। बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस के बूथ पर उन्हें जमजम पानी की बोतलें दी गईं। बांग्लादेश के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अध्यक्ष एयर वाइस मार्शल मोहम्मद मोनजुर कबीर भुइयां व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे। बांग्लादेश धार्मिक मामलों के मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, कल 12 उड़ानों से 4,904 तीर्थयात्री वापस लौटने वाले थे। मगर कल एक ही विमान आ सका। हज उड़ानों का वापसी चरण 10 जुलाई तक जारी रहेगा। इस साल बांग्लादेश के कुल 86,958 जायरीनों ने हज किया। कुल 222 उड़ानें सऊदी अरब से तीर्थयात्रियों को बांग्लादेश वापस लाएंगी।

पाकिस्तान रेल सेवाओं का रूस तक विस्तार करेगा, 22 जून से शुरू होगा काम

इस्लामाबाद,11 जून (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के रेलमंत्री हनीफ अब्बासी ने कहा है कि पाकिस्तान अपनी रेल सेवाओं का रूस तक विस्तार करने जा रहा है। इस पर 22 जून से काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने पत्रकारों को यह जानकारी मंगलवार को पंजाब प्रांत के मुल्तान रेलवे के डिवीजनल सुपरिंटेंडेंट के कार्यालय में आहूत प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

खबर के अनुसार, अब्बासी ने कहा कि यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए 2027 तक रेलवे के बेड़े में करीब 200 गाड़ियां शामिल की जाएंगी। रेलवे का तेजी से डिजिटलीकरण किया जा रहा है। इस संबंध में पंजाब सूचना प्रौद्योगिकी बोर्ड के साथ करार हो चुका है।

उन्होंने कहा कि जल्द ही देश की सभी ट्रेनों में मुफ्त वाईफाई सेवा प्रदान की जाएगी।

उन्होंने कहा कि ट्रेनों को समय पर चलाने के लिए यथासंभव प्रयास किए जा रहे हैं। रेलमंत्री ने साफ किया कि रेलवे रणनीतिक संपत्ति है। इसलिए उसे पूरी तरह आउटसोर्स नहीं किया जा सकता। रेलवे ने 31 मई तक अपने इतिहास में सबसे अधिक राजस्व अर्जित किया है। उम्मीद है कि यह 30 जून तक नई ऊंचाइयों को छू लेगा।

रेलमंत्री ने कहा कि वर्तमान में 11 ट्रेनों को आउटसोर्स किया जा रहा है। 155 रेलवे स्टेशनों को अपग्रेड किया गया है। रेलवे के आठ अस्पतालों और 14 स्कूलों को भी आउटसोर्स किया जा रहा है। स्टेशनों और ट्रेनों के अंदर खाद्य पदार्थों के गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित किया गया है। रेल पटरियों के किनारे फलदार पेड़ लगाने के लिए वन विभाग के साथ करार किया गया है।

अमेरिका में प्रोटेस्टेंटवादियों का एसबीसी में समलैंगिक विवाह के खिलाफ मतदान

डलास (टेक्सास) ,11 जून (एजेंसियां) ।

दक्षिणी बैपटिस्ट कन्वेंशन (एसबीसी) ने मंगलवार को यहां अपनी सालाना बैठक में सुप्रीम कोर्ट के 10 वर्ष पुराने समलैंगिक विवाह को वैध बनाने वाले ऐतिहासिक फैसले के विरोध में पारित प्रस्ताव के समर्थन में भारी मतदान किया। प्रस्ताव में मांग की गई है कि ओबर्गेफेल बनाम होजेस मामले को पलटने का समय आ गया है। दक्षिणी बैपटिस्ट संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे बड़ा प्रोटेस्टेंट संप्रदाय है।

खबर के अनुसार, डलास में 10 जून को दक्षिणी बैपटिस्ट कन्वेंशन की बैठक में किया गया मतदान ओबर्गेफेल बनाम होजेस मामले को पलटने की दिशा में किए जा रहे अब तक के प्रयासों का बड़ा अभियान है। इससे समलैंगिक विवाह के खिलाफ मजबूत समर्थन जुटाया जा सकता है। पिछले साल भी वार्षिक बैठक में प्रस्ताव पारित कर इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) के उपयोग की निंदा की गई थी।

इस साल के प्रस्ताव में जिक्र किया गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरा कार्यकाल शुरू करते ही एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। यह आईवीएफ के बढ़ते प्रचलन को हतोत्साहित करता है। प्रस्ताव में जोर देकर विवाह को सिर्फ एक पुरुष और एक महिला के बीच परिभाषित किया गया है। इसकी व्याख्या में कहा गया है कि परिवार प्रजनन के लिए बनाए गए हैं और मानव जीवन गर्भाधान से लेकर प्राकृतिक मृत्यु तक पवित्र है। यह वैवाहिक बंधन ईसाई मान्यताओं के अनुरूप है। यह सार्वभौमिक सत्य है। साथ ही स्वस्थ, न्यायपूर्ण और स्वतंत्र समाज के लिए आवश्यक है। प्रस्ताव में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वेच्छा से संतानहीनता को मान्यता प्रदान करता है। यह प्रजनन दर की गिरावट में योगदान देता है। पुरुष और महिला के बीच जैविक अंतर को अनदेखा करता है। माता-पिता के अधिकारों को सीमित करने वाला है। इससे बच्चों के मूल्यों और गरिमा को भी आघात पहुंचता है। यह फैसला समाज को विकृत भी कर रहा है। प्रस्ताव में वाणिज्यिक सरोगेसी और ट्रांसजेंडर विचारधारा के सामान्यीकरण का भी विरोध किया गया है। इसमें कहा गया है कि पुरुष और महिला की जैविक वास्तविकता को नकारने वाली नीतियां कानूनी कल्पनाएं हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले साल सालाना दक्षिणी बैपटिस्ट कन्वेंशन ने महिला पादरियों पर संवैधानिक प्रतिबंध को संकीर्ण बताते हुए खारिज कर दिया था। साथ ही एसबीसी ने सात चर्चों को को बहिष्कृत करने की घोषणा की थी।इसमें दक्षिणी कैलिफोर्निया का मेगाचर्च सैडलबैक भी शामिल था। सुप्रीम कोर्ट के दक्षिणपंथी झुकाव और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जीत से खुश एसबीसी के अधिक रूढ़िवादी गुट और ईसाई राजनीतिक कार्यकर्ता इस परिदृश्य को अमेरिकी न्यायशास्त्र में बदलाव के लिए उपयुक्त मानते हैं। कन्वेंशन में केंद्रित संगठन फेथ विन्स के चैड कोनेली ने कहा कि अब बदलाव का सही समय है। इस वर्ष का संकल्प समलैंगिक विवाह की रक्षा करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पुरजोर विरोध करना है। यह प्रस्ताव एसबीसी में डेनी बर्क ने प्रस्तुत किया। बर्क इस समय लुइसविले स्थित काउंसिल फॉर बाइबिलिकल मैनहुड एंड वूमनहुड के अध्यक्ष हैं। इसमें शामिल वकील एलजीबीटीक्यू को प्रदत्त किए गए अधिकारों का विरोध करते हैं। वकीलों के इस समूह के दो स्टेटमेंट चर्चा में रहे हैं। पहला स्टेटमेंट 1987 में डेनवर स्टेटमेंट था और दूसरा 2017 में नैशविले स्टेटमेंट था। नैशविले स्टेटमेंट में कहा गया है कि समलैंगिक अनैतिकता या ट्रांसजेंडरवाद को मंजूरी देना पाप है। इस तरह स्वीकृति ईसाई विश्वास पर चोट करती है।

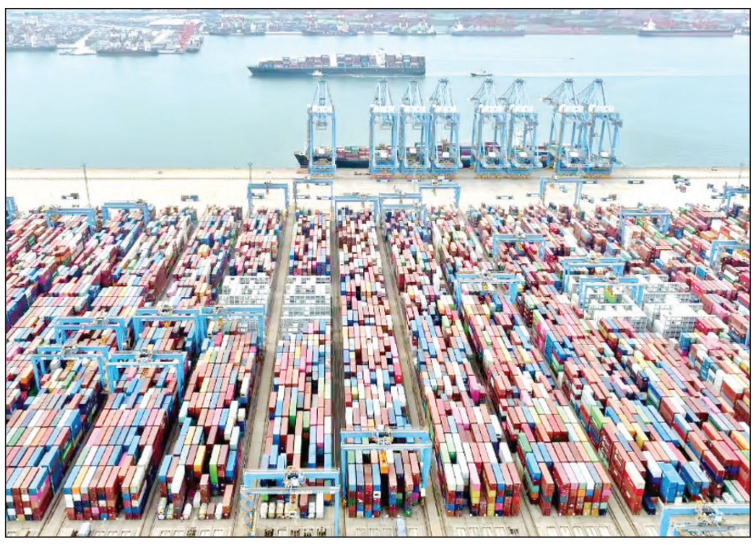

भारत-अमेरिका ट्रेड डील में फंसा पेंच, अमेरिकी दबाव को मानने से भारत का इनकार

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील में कुछ मुद्दों को लेकर मामला फंसता नजर आ रहा है। भारत और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच 4 से 10 जून के बीच दिल्ली में आपसी व्यापार से जुड़े सभी मुद्दों पर विस्तार से बातचीत हुई। इसके बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य वापस लौट गए, जबकि कुछ सदस्यों की अभी भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल से बातचीत जारी है। बताया जा रहा है कि एग्रीकल्चर, डेयरी, मेडिकल और डिजिटल सर्विसेस को लेकर भारत ने अमेरिका की मांग को पूरी तरह से ठुकरा दिया है। अमेरिका इन सेक्टर्स को ओपन करने का दबाव बना रहा है लेकिन भारत ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि दोनों देशों के बीच होने वाली ट्रेड डील पूरी तरह संतुलित होनी चाहिए, जिससे दोनों देशों के हितों का परस्पर ध्यान रखा जा सके। भारत और अमेरिका दोनों देश डोनाल्ड ट्रंप की सरकार द्वारा शुरू की गई टैरिफ पॉलिसी को ध्यान में रखते हुए ट्रेड डील करना चाहते हैं। फिलहाल डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर 8 जुलाई तक के लिए रोक लगा दी है। यही कारण है कि दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल 8 जुलाई के पहले ट्रेड डील को आखिरी रूप दे देना चाहते हैं, ताकि दोनों देशों के बीच होने वाले परस्पर कारोबार पर कोई असर न पड़े। ट्रेड डील को लेकर शुरू हुई बातचीत में अमेरिकी पक्ष पहले से ही डेयरी और एग्रीकल्चर सेक्टर को ओपन करने का दबाव बना रहा है। दूसरी ओर, भारत ने इन क्षेत्रों को संवेदनशील मानते हुए खोलने से इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि अगर डेयरी और एग्रीकल्चर जैसे सेक्टर्स को पूरी तरह से ओपन कर दिया जाता है, तो इससे इन सेक्टर्स में विदेशी कंपनियों के साथ होने वाली प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाएगा, जिससे भारतीय कारोबारियों को नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि भारत द्वारा इन सेक्टर्स को ओपन करने से साफ-साफ इनकार कर देने की वजह से भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई है। अमेरिका का कहना है कि अगर भारत इन सेक्टर्स को ओपन करने के लिए तैयार नहीं होता है, तो फिर दोनों देशों के बीच ट्रेड डील नहीं हो सकती है। जानकारों के मुताबिक अमेरिकी पक्ष एग्रीकल्चर गुड्स और डेयरी प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी में भारत की ओर से तो बड़ी कटौती की मांग कर रहा है, लेकिन इसके बदले वो भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में आसान एंट्री देने के लिए तैयार नहीं है। बताया जा रहा है कि बातचीत के दौरान अभी तक दोनों पक्ष ट्रेड डील को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की बात पर तो सहमति जता रहे हैं, लेकिन जिन मुद्दों पर गतिरोध बना हुआ है, उन पर अभी रास्ता निकलता नहीं दिख रहा है। हालांकि दावा किया जा रहा है कि 8 जुलाई के पहले कोई ना कोई रास्ता निकाल लिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

यूरोपीय संघ एफटीए से 'ऊर्जा और कच्चा माल' अध्याय हटाने पर राजी

नई दिल्ली। भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत 'ऊर्जा और कच्चा माल' अध्याय को बातचीत से अलग रखने तैयार कर लिया है। यूरोपीय संघ ने एकतरफा तरीके से उस अध्याय को शामिल किया था। इसमें भारत से पेट्रोलियम उत्पादों, रसायनों, कपास, लौह और इस्पात, तांबा और अन्य महत्त्वपूर्ण धातुओं जैसे कच्चे माल की निर्बाध आपूर्ति की प्रतिबद्धता अनिवार्य करने का प्रावधान था। 12 से 16 मई को नई दिल्ली में मुक्त व्यापार समझौते के लिए 11वें दौर की बातचीत के बाद यूरोपीय आयोग ने कहा था कि इस पर बात करने से पहले सहमति बनी थी कि ऊर्जा और कच्चे माल के अध्याय पर चर्चा को फिलहाल अलग रखा जाएगा। कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण कई देशों में ऊर्जा और कच्चे माल की आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर जबरदस्त रुचि पैदा हुई है। चीन द्वारा हाल ही में दुर्लभ खनिज मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध ने भी विविध स्रोतों से विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने की जरुरत बताई।
यूरोपीय संघ अधिकांश कच्चे माल की आपूर्ति के लिए पूरी तरह तीसरे देशों पर निर्भर है। आपूर्ति जोखिम को कम करने के लिए यूरोपीय संघ ने तय किया है कि 2030 से किसी भी कच्चे माल की आपूर्ति का 65 फीसदी से ज्यादा हिस्सा किसी एक देश से आयात नहीं किया जाएगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के संस्थापक ने कहा कि यूरोपीय संघ का व्यापार समझौते का रुख विरोधाभासों से भरा है क्योंकि वह विकासशील देशों से कोई प्रतिबंध नहीं चाहता है जबकि कार्बन-उत्सर्जन वाली वस्तुओं पर कर, सख्त प्रौद्योगिकी हस्तांतरण नियंत्रण जैसे प्रतिबंध को लागू करने का अधिकार अपने पास रखता है।

अगले पांच साल में भारतीय कंपनियां करेंगी बड़े पैमाने पर निवेश

नई दिल्ली। भारत की कंपनियां अगले पांच साल में बड़े पैमाने पर निवेश करने की योजना बना रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान पूंजीगत खर्च दोगुना होकर 850 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। बिजली, बिजली ट्रांसमिशन, एयरलाइंस और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे सेक्टर इस निवेश के केंद्र में रहेंगे। मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर नकदी प्रवाह और सरकार की अनुकूल नीतियों के दम पर कंपनियां अपने कारोबार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में हैं। बिजली, एयरलाइंस और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे सेक्टर होंगे निवेश का केंद्र रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की शीर्ष 100 लिस्टेड कंपनियां, जिनका कुल राजस्व 1 ट्रिलियन डॉलर और 2025 में 150 अरब डॉलर का है, इस निवेश का बड़ा हिस्सा अपनी कमाई से पूरा करेंगी। इससे उनका कर्ज नियंत्रण में रहेगा। इसके अलावा अनलिस्टेड रिन्यूएबल एनर्जी और एयरलाइन कंपनियों के बड़े निवेश प्लान को भी इस रिपोर्ट में शामिल किया गया है। बिजली और ट्रांसमिशन सेक्टर में करीब 300 अरब डॉलर का नया निवेश किया जाएगा, जो कुल कैपेक्स का एक तिहाई से ज्यादा है।

भारत में 'रिनॉल्ट बोरेल' के नाम से पेश की जाएगी बिगस्टेर

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में 7-सीटर एसयूवी की श्रेणी में रिनाल्ट कंपनी भी अपनी नई एसयूवी के साथ उतारने की तैयारी कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिगस्टेर नाम से जानी जाने वाली यह एसयूवी भारत में 'रिनॉल्ट बोरेल' के नाम से पेश की जाएगी। टेस्टिंग के दौरान इसकी स्पाई शॉट्स सामने आई हैं, जिसमें यह एक बड़ी और दमदार एसयूवी के रूप में नजर आई। भारत में इसे 7-सीटर लेआउट में लॉन्च किया जा सकता है, जिससे यह सीधे तौर पर लोकप्रिय एसयूवीको चुनौती देगी। रिनॉल्ट बोरेल को भारत में खास तौर पर डिजाइन और फीचर्स के लिहाज से प्रतिस्पर्धी बनाया जाएगा। इसमें रडार-बेस्ड अडास, 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वेंटिलेटेड सीट्स, वायरलेस चार्जिंग और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से इसमें छह एयरबैग्स, एबीएस, ईबीडी, ईएससी और इसोफिक्स माउंट्स की संभावना है। इंजन विकल्पों की बात करें तो रिनॉल्ट बोरेल में पेट्रोल, माइल्ड-हाइब्रिड और स्ट्रॉन्ग-हाइब्रिड पावरट्रेन दिए जा सकते हैं।

पीयूष गोयल ने स्विट्जरलैंड के प्रमुख उद्योगपतियों से भारत के 11 साल के विकास पर की चर्चा, सभी ने किया निवेश का वादा, अब जाएंगे स्वीडन

बर्न (स्विट्जरलैंड), 11 जून (एजेंसियां)।

भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री पीयूष गोयल ने स्विटजरलैंड के खूबसूरत शहर बर्न की दो दिवसीय सफल यात्रा का समापन, गर्मजोशी, मधुर यादों और नई साझेदारियों के साथ किया। गोयल ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, भारत की विकास कहानी में स्विस उद्योग जगत के नेताओं और प्रमुख हितधारकों की जिज्ञासा, रुचि और विश्वास से बेहद प्रभावित हूं। आगे रोमांचक अवसर हैं।

पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा, स्विसमेम उद्योग दिवस पर अलग-अलग इंडस्ट्री से जुड़े 1,000 से अधिक स्विस उद्यमियों के सम्मेलन को संबोधित करना मेरे लिए सम्मान की बात रही। मेरे साथ स्विस फेडरल काउंसलर पर्मेलिन जी भी शामिल हुए। उन्होंने पिछले 11 वर्ष में प्रौद्योगिकी, नवाचार और व्यापार के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान करने के मामले में भारत के उल्लेखनीय परिवर्तन को उजागर करने के अवसर का लाभ उठाया।

केंद्रीयमंत्री गोयल ने लिखा, स्विस उद्योग जगत को भारत में विकास और निवेश के लिए अद्वितीय अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया है। उन्होंने भारत के कुशल और प्रतिभाशाली कार्यबल और सुविधाजनक व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाया। अब भारत-स्विस संबंधों का नया मजबूत अध्याय शुरू हो रहा है। इस सम्मेलन की प्रमुख भागीदार हेलेन बुडलिगर अर्टिडा ने गोयल की एक्स पोस्ट को जस का तस अपने एक्स हैंडल पर साझा किया। उल्लेखनीय है स्विसमेम स्विट्जरलैंड के मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग उद्योगों (एमईएम उद्योगों) और संबंधित प्रौद्योगिकी-उन्मुख क्षेत्रों का प्रमुख संघ है।

गोयल ने कहा कि इस दौरे के दौरान दुनिया की सबसे बड़ी कंटेनर शिपिंग कंपनी और परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स में वैश्विक अग्रणी, मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी के सीईओ सोरेन टॉफ्ट के साथ अत्यंत उपयोगी बातचीत हुई। उन्होंने भारत के तेजी से बढ़ते शिपिंग, लॉजिस्टिक्स और बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विस्तार करने में निवेश की रुचि दिखाई। निकट भविष्य में महत्वपूर्ण साझेदारी की आशा है। इसके अलावा टिकाऊ पैकेजिंग समाधानों में अग्रणी एसआईजी ग्रुप के सीईओ सैमुअल सिग्रिस्ट के साथ सार्थक चर्चा हुई।

उन्होंने कहा कि बर्न में विश्वस्तर पर मान्यता प्राप्त फार्मा और लाइफ साइंसेज समूह के प्रतिनिधियों से नोवार्टिस के नेतृत्व के साथ बातचीत उपयोगी रही। चर्चा भारत में उनकी अनुसंधान एवं विकास सुविधा और अत्याधुनिक, किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने और आगे नवाचार करने के अवसरों पर केंद्रित रही। गोयल ने स्विस घड़ी और आभूषण निर्माण कंपनी द स्वैच ग्रुप एजी के सीएफओ थिएरी केनेल से भी मुलाकात की है।

चीन की मैग्नेट पाबंदी से वाहन कंपनियां के उत्पादन पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली। चीन से दुर्लभ मैग्नेट का आयात करने वाली इकाइयां अब अप्रत्याशित स्थिति से जुड़े प्रावधान का सहारा लेने पर विचार कर रही हैं। वे अपनी कानूनी टीम से इस बारे में सलाह ले रही हैं। ये इकाइयां दुर्लभ मैग्नेट की आपूर्ति मूल उपकरण विनिर्माताओं को करती हैं। चीन बड़े पैमाने पर इन दुर्लभ खनिज मैग्नेट की आपूर्ति दूसरे देशों को करता है।
आयातक अब 'फोर्स मेज़र' का सहारा लेने पर कर रहे विचार
ये आयातक इसलिए अप्रत्याशित स्थिति का प्रावधान लागू करने पर विचार कर रहे हैं क्योंकि इससे उन्हें अनुबंध समय पर पूरा नहीं करने की सूरत में जुर्माने से बचने में मदद मिलेगी। उन्हें डर है कि इनकी आपूर्ति समय पर नहीं करने पर जुर्माना लग सकता है। मैग्नेट की आपूर्ति रुकने पर वाहन कंपनियां उत्पादन नहीं कर पाएंगी। चीन ने अप्रैल में दुर्लभ खनिजों एवं मैग्नेट के निर्यात पर पाबंदी लगा दी है जिससे भारत में भी वाहन उद्योग और अन्य क्षेत्रों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस साल 4 अप्रैल से 35 आयातकों को चीन से दुर्लभ मैग्नेट की आपूर्ति पूरी तरह ठप है। चीनी सरकार के समक्ष इनके आयात के लिए किए गए उनके आवेदन भी मंजूर नहीं हुए हैं। सोना-कॉमस्टार ने चीन के नए निर्यात नियंत्रण नियमों के अंतर्गत आवेदन किया था लेकिन वह अस्वीकार हो गया है।

डेट म्युचुअल फंड्स मई में नहीं जीत सके निवेशकों का भरोसा, लगा तगड़ा झटका

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

गिरावट के बावजूद कई डेट फंड कैटेगरी में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी

डेट म्युचुअल फंड्स मई में निवेशकों का भरोसा नहीं जीत सके। बीत महीने इन फंड्स में 15,908 करोड़ रुपए का नेट आउटफ्लो देखा गया। यह अप्रैल में हुई 2.19 लाख करोड़ की मजबूत इनफ्लो के उलट था। डेट म्युचुअल फंड्स में यह निकासी मुख्य रूप से लिक्विड और ओवरनाइट फंड में बड़े रिडेम्पशन के कारण हुई। गिरावट के बावजूद कई डेट फंड कैटेगरी में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी। कॉरपोरेट बॉन्ड फंड्स ने 11,983 करोड़ रुपए के इनफ्लो के साथ बढ़त हासिल की है।

आंकड़ों के मुताबिक मई में निवेशकों ने अकेले लिक्विड फंड्स से 40,205 करोड़ रुपए निकाले। जबकि अप्रैल में इस कैटेगरी में 1,18,656 करोड़ का निवेश आया। वहीं, बीत महीने ओवरनाइट फंड्स में 8,120 करोड़ रुपए का नेट आउटफ्लो दर्ज किया गया।

जबकि अप्रैल में इस कैटेगरी में 23,899 करोड़ का इनफ्लो आया था। ये दोनों कैटेगरी, आमतौर पर बड़े संस्थागत निवेशों को आकर्षित करती हैं। ये फंड्स शॉर्ट टर्म में लिक्विडिटी की जरूरतों और ट्रेजरी निर्णयों के प्रति ज्यादा संवेदनशील हैं।

मिरे असेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स (इंडिया) की डिस्ट्रीब्यूशन और स्ट्रेटेजिक अलायंस की प्रमुख बताती है कि मई 2025 में डेट म्युचुअल फंड्स से 15,908 करोड़ की निकासी का एक कारण एडवांस टैक्स भुगतान के लिए मौसमी रिडेम्पशन दबाव हो सकता है। 15 जून एडवांस टैक्स भुगतान की एक बड़ी समय-सीमा होती है, खासकर कंपनियों के लिए। कंपनियां अक्सर इन भुगतानों की तैयारी के लिए मई में अपने लिक्विड और अल्ट्रा-शॉर्ट-टर्म डेट फंड्स से निवेश निकाल लेती हैं। बीपीएन फिनकैप के डायरेक्टर एके निगम ने कहा कि निवेशक अब डेट से इक्विटी की ओर जा रहे हैं। वे उम्मीद कर रहे हैं कि ब्याज दरों में कटौती से उन्हें इक्विटी में बेहतर रिटर्न मिलेगा।

हुंडई ने लॉन्च की वर्ना एसएक्स प्लस, कीमत और फीचर्स ने ग्राहकों किया आकर्षित

दक्षिण कोरियाई कार निर्माता हुंडई ने भारत में अपनी मशहूर सेडान वर्ना का नया एसएक्स प्लस वेरिएंट पेश किया है, जो कीमत और फीचर्स के लिहाज से ग्राहकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गया। यह वेरिएंट मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन में उपलब्ध है, जिनकी एक्स-शोरूम कीमतें 13.79 लाख और 15.04 लाख रुपए रखी गई हैं। इस नए वेरिएंट में पहले टॉप एसएक्स (ओ) मॉडल में मिलने वाले कई प्रीमियम फीचर्स शामिल किए गए हैं, जिनमें एलईडी हेडलाइट्स, 16-इंच एलॉय व्हील्स, रियर स्पॉइलर, फ्रंट पार्किंग सेंसर्स, 8-स्पीकर बोस साउंड सिस्टम, हीटेड और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स तथा लेदरेट अपहोल्स्ट्री जैसी सुविधाएं प्रमुख हैं। वर्ना एसएक्स प्लस में 1.5 लीटर का 4-सिलिंडर नेचुरल एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 115एचपी की पावर और 143.8एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन 6-स्पीड मैनुअल या सीवीटी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है और दावा किया गया है कि यह कार 18 से 19 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। सुरक्षा के लिहाज से भी यह वेरिएंट काफी दमदार है, जिसमें छह एयरबैग्स, एबीएस के साथ ईबीडी, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी), टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) और रियर पार्किंग कैमरा जैसे फीचर्स स्टैंडर्ड दिए गए हैं। इसके साथ ही कंपनी ने अपने चुनिंदा मॉडल्स के लिए नया वायर्ड-टू-वायरलेस एडॉप्टर भी पेश किया है जिसकी कीमत 4,500 रखी गई है। यह एडॉप्टर वायरलेस एप्पल कारप्ले और एन्डार्ड ऑटो को सपोर्ट करता है और वेरना एसएक्स(ओ), एसएक्स टूबो और एसएक्स(ओ) टूबो वेरिएंट्स के लिए उपयुक्त है।

रेयर अर्थ्स की कमी के चलते मारुति सुजूकी ने ई-विटारा का प्रोडक्शन किया कम

चीन के प्रतिबंधों ने ग्लोबल ऑटो इंडस्ट्री को हिला कर रख दिया

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

रेयर अर्थ्स की कमी के चलते मारुति सुजूकी ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा के नियर टर्म प्रोडक्शन टारगेट को दो-तिहाई कम कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक डॉक्यूमेंट से पता चला है कि चीन के निर्यात प्रतिबंध ने ऑटो इंडस्ट्री के सामने संकट पैदा कर दिया है। भारत की टॉप कार मेकर मारुति सुजूकी अब अप्रैल और सितंबर के बीच करीब 8,200 ई-विटारा बनाने की योजना बना रही है, जबकि वास्तविक टारगेट 26,500 था। इससे पहले सोमवार को कंपनी ने कहा था कि उसने अभी तक सप्लाई पर रेयर अर्थ मेटल्स के संकट से कोई असर नहीं देखा है।

रिपोर्ट में डॉक्यूमेंट के मुताबिक कंपनी ने रेयर अर्थ्स मैटीरियल्स में सप्लाई की कमी का हवाला दिया। ये मैग्नेट और अलग-अलग तरह की हाईटेक इंडस्ट्रीज में अन्य कम्पोनेंट को बनाने के लिए जरूरी है। डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि मारुति अभी भी मार्च 2026 को समाप्त होने वाले साल के लिए 67,000 ईवी के अपने प्रोडक्शन टारगेट को बाद के महीनों में प्रोडक्शन बढ़ाकर पूरा करने की योजना बना रही है। कुछ रेयर अर्थ्स निर्यातों पर चीन के प्रतिबंधों ने ग्लोबल ऑटो इंडस्ट्री को हिला दिया है। कंपनियों ने सप्लाई चेन पर गंभीर असर पड़ने की बात कही, जबकि अमेरिका, यूरोप और जापान की कुछ कंपनियों को बीजिंग से लाइसेंस मिलने के बाद सप्लाई में आसानी दिख रही है। भारत अभी भी चीन की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। मारुति ने जनवरी में ऑटो एक्सपो में ई-विटारा को पेश किया था। यह देश में मारुति के ईवी पुश के लिए अहम है। मोदी सरकार ने 2030 तक कुल ऑटो सेल्स में ईवी सेल्स 30 फीसदी तक करने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले साल करीब 2.5 फीसदी थी।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजार में तेजी

नई दिल्ली,11 जून (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का रुख बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,038.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 123.75 अंक यानी 0.63 प्रतिशत उछल कर 19,714.99 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 87.41 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,779.46 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,853.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,804.33 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरित डीएएक्स इंडेक्स 186.76 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,987.56 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,192.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,913.79 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,175 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,141.48 अंक के स्तर पर आ गया है। हैंग सेंग इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 234.39 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,397.26 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 149.72 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,391.86 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.67 प्रतिशत उछल कर 2,891.21 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,402.77 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 158.54 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 38,370.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

विराट और रोहित के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे में विदायी कार्यक्रम रखेगा सीए

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया दौर में यादगार विदायी मिल सकती है। रोहित और विराट के 2027 विश्वकप तक ही खेलने की संभावना है। ऐसे में ये इन दोनो का अंतिम ऑस्ट्रेलिया दौरा होगा। साल 2026 में ऑस्ट्रेलिया में कोई एकदिवसीय सीरीजमें नहीं है। ऐसे में इस बात की पूरी संभावना है कि यह विराट और रोहित की ऑस्ट्रेलिया में आखिरी सीरीज होगी और आखिरी दौरा भी होगा। यही वजह है कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड (सीए) इन दोनो के लिए विदाई कार्याक्रम की योजना बना रहा है।

सीए के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया का अगली गर्मियों में व्यस्त कार्याक्रम है। इस दौरान विराट और रोहित अंतिम बार ऑस्ट्रेलिया में खेलते नजर आएंगे। वे एकदिवीसय सीरीज का हिस्सा होंगे। ग्रीनबर्ग ने कहा, यह क्रिकेट का एक बहुत बड़ा सत्र है, जिसमें भारतीय महिला और पुरुष दोनों टीमें शामिल हैं। साथ ही, एशेज भी होनी है। लगभग दो दशकों में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पूरे देश के हर एक हिस्से में खेला जाएगा।

उन्होंने साथ ही कहा, रिकॉर्ड तोड़ टिकट बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान बिके थे और हमें उम्मीद है कि इस गर्मियों में भी ऐसा ही रहेगा। अगर आप आने वाले खिलाड़ियों की गुणवत्ता के बारे में सोचते हैं, खासकर भारत से यह अंतिम बार हो सकता है जब हम विराट और रोहित शर्मा अपने देश में खेलते हुए देखें। अगर ऐसा होता है, तो हम यह तय करना चाहते हैं कि हम उन्हें शानदार विदाई दें और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके अविश्वसनीय योगदान को स्वीकार करें।

मुझे कप्तानी करना पसंद : श्रेयस अय्यर

मुम्बई। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस बार पंजाब किंग्स आईपीएल के फाइनल में पहुंची थी हालांकि वहां उसे हार का सामना करना पड़ा। वहीं श्रेयस की कप्तानी में ही अब सोबो मुंबई फाल्कंस टीम टी-20 मुंबई लीग के फाइनल में पहुंच गयी है। इसी को लेकर श्रेयस ने कहा है कि दबाव हमेशा ही होता है पर उन्हें कप्तानी करना पसंद है। श्रेयस कितने आत्मविश्वास से भरे हैं। इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि यह क्रिकेटर अपनी कप्तानी में एक साल के भीतर चौथा फाइनल खेलने जा रहा है। अय्यर ने कप्तानी को लेकर कहा कि उन्हें नेतृत्व करना पसंद हैं। उसके साथ आने वाली चुनौतियों और जिम्मेदारियों का आनंद उठाते हैं। उन्होंने कहा, कप्तानी में हमेशा दबाव होता है लेकिन मुझे अगुआई करना पसंद है। मैं इसे 22 साल की उम्र से कर रहा हूं और मैं इसके साथ आने वाली चुनौती और जिम्मेदारी को उठाने का आनंद लेता हूं। टी-20 मुंबई लीग के सेमीफाइनल में मंगलवार को मुंबई फाल्कंस ने बांद्रा ब्लास्टर्स को 5 विकेट से हराया। अब श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली फाल्कंस 12 जून को वानखेड़े स्टेडियम में मराठा रॉयल्स के खिलाफ खिताबी मुकाबला खेलेगी। पिछले एक साल में इस क्रिकेटर ने अपनी कप्तानी में अलग-अलग टीमों को अलग-अलग 4 टूर्नामेंट्स के फाइनल में पहुंचाया है। अय्यर ने मई 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को अपनी कप्तानी में आईपीएल चैंपियन बनाया।

न्यूज ब्रीफ

निकोलस पूरन बने एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर निकोलस पूरन को अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में एमआई न्यूयॉर्क टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। 2025 सीजन से पहले यह घोषणा ऐसे समय पर की गई है जब पूरन ने ठीक एक दिन पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी। फ्रेंचाइजी ने एक बयान में बताया कि हमारा हीरो, हमारा लीजेंड, हमारा कप्तान! 29 वर्षीय पॉकेट डायनामाइट, एमआई न्यूयॉर्क सुपरस्टार निकोलस पूरन को कॉग्निजेंट मेजर लीग क्रिकेट के 2025 सीजन से पहले एमआई न्यूयॉर्क का कप्तान बनाया गया है। निकोलस को दुनिया के बेहतरीन टी20 खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए कुल 167 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें 106 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले शामिल हैं, जो किसी भी वेस्टइंडीज खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इसके साथ ही वे वेस्टइंडीज की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे, जिन्होंने 2,275 रन बनाए। निकोलस पूरन ने 2024 में अपने करियर का सबसे शानदार वर्ष बिताया। उन्होंने कैलेंडर ईयर में रिकॉर्ड 170 छक्के लगाए। इसके बाद इस साल आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया।

आईओसी अध्यक्षीय हस्तांतरण समारोह 23 जून को

लुसाने (स्विट्ज़रलैंड)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के निवर्तमान अध्यक्ष थॉमस बाक 23 जून को एक विशेष समारोह के दौरान आधिकारिक रूप से अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी किर्स्टी कोवेंट्री को सौंपेंगे। यह हस्तांतरण समारोह आईओसी मुख्यालय 'ओलंपिक हाउस' में सुबह 11 बजे से दोपहर 12:15 बजे (भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे से 3:45 बजे तक) आयोजित किया जाएगा। थॉमस बाक ने 2013 में ब्यूनस आयर्स में आयोजित 125वें आईओसी सत्र में चुनाव जीतकर नौवें अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला था।

फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स : अल्माडा ने अर्जेंटीना की बचाई लाज, ऑस्ट्रेलिया-जापान सहित कई टीमें क्वालिफाई

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

मंगलवार को खेले गए फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स के मुकाबलों में रोमांच चरम पर रहा, जहां एक ओर अर्जेंटीना ने 10 खिलाड़ियों के साथ कोलंबिया से ड्रॉ खेलते हुए अपराजित क्रम बरकरार रखा, वहीं ऑस्ट्रेलिया, जापान, ईरान, दक्षिण कोरिया और उज़बेकिस्तान जैसी टीमों ने अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया।

अल्माडा ने दिलाई अर्जेंटीना को राहत - ब्यूनस आयर्स में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना को कोलंबिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर संतोष करना पड़ा। कोलंबिया ने मैच के 24वें मिनट में लुइस डियाज़ के शानदार एकल प्रयास से बढ़त बना ली थी। अर्जेंटीना की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब एंज़ो फर्नांडीज को दूसरे हाफ में रेड कार्ड दिखाया गया, लेकिन 81वें मिनट में थियागो अल्माडा ने बराबरी का गोल दागकर अपनी टीम को हार से बचा लिया और अर्जेंटीना की अपराजित लय को पांच मैचों तक पहुंचा दिया।

ऑस्ट्रेलिया की शानदार वापसी और क्वालिफिकेशन पक्का - जेद्दा में ऑस्ट्रेलिया ने सऊदी अरब को 2-1 से हराकर लगातार छठी बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर लिया। पहले गोल सऊदी अरब की ओर से अब्दुलरहमान अल-ओबूद ने 19वें मिनट में किया। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने पहले हाफ के अंत में कॉनर मेटकाफ और फिर दूसरे हाफ की शुरुआत में मिच ड्यूक के गोल की बदौलत वापसी की। गोलकीपर मैटी रयान ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच में आखिरी पलों में पेनल्टी बचाकर जीत सुनिश्चित की।

जापान, ईरान और दक्षिण कोरिया का दबदबा - जापान ने इंडोनेशिया को 6-0 से रौंदकर ग्रुप ष्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसमें डाइची कामाडा ने पहले हाफ में दो गोल किए। ईरान ने तेहरान में नॉर्थ कोरिया को 3-0 से हराया और ग्रुप में पहले स्थान पर रहा। वहीं दक्षिण कोरिया ने कुवैत को 4-0 से हराकर ग्रुप क्क में अपराजित रहते हुए शीर्ष स्थान पाया।

ओमान की आखिरी सांस में उम्मीद बची, फिलिस्तीन बाहर - जॉर्डन में खेले गए मुकाबले में ओमान और फिलिस्तीन के बीच 1-1 की बराबरी हुई। फिलिस्तीन ने 49वें मिनट में बढ़त ली थी, लेकिन अंत समय में ओमान को पेनल्टी मिली, जिसे इस्साम अल-साबीह ने गोल में बदलकर अपनी टीम की क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को जिंदा रखा।

अन्य मुकाबले- उज़बेकिस्तान ने कतर को 3-0 से हरा कर ग्रुप में दूसरा स्थान पाया। यूएई और किर्गिस्तान का मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिससे यूएई ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। जोर्डन ने पहले ही क्वालिफाई कर लिया था, लेकिन उसे इराक से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा।

ब्राज़ील और इक्वाडोर ने पक्की की विश्व कप 2026 की टिकट

नई दिल्ली। साओ पाउलो और लीमा में बुधवार (भारतीय समयानुसार) को खेले गए मुकाबलों में ब्राज़ील और इक्वाडोर ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। ब्राज़ील ने कोरिंथियंस एरिना में पराग्वे को 1-0 से हराकर, जबकि इक्वाडोर ने पेरू के खिलाफ 0-0 की ड्रॉ खेलकर क्वालीफिकेशन सुनिश्चित किया। ब्राज़ील के लिए एकमात्र गोल रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर ने 44वें मिनट में किया। उन्होंने मैथ्यूस कुन्हा के पास पर नजदीक से गेंद को गोलपोस्ट में डालते हुए टीम को बढ़त दिलाई। यह ब्राज़ील के नए कोच कार्लो एंसेलोटी की पहली जीत रही, जो उनके घरेलू डेब्यू में ही मिली। इस जीत के साथ ब्राज़ील अब 16 मैचों में 25 अंकों के साथ कॉनमेबोल क्वालीफाइंग स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, जिससे वह शीर्ष छह में रहते हुए सीधे विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर गया। इसके साथ ही ब्राज़ील ने अपने ऐतिहासिक रिकॉर्ड को कायम रखा- वह एकमात्र देश है जिसने अब तक हर फीफा विश्व कप टूर्नामेंट में भाग लिया है। वहीं इक्वाडोर ने भी पेरू से ड्रॉ खेलकर कुल 25 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिका की टॉप छह टीमों में जगह बना ली।

चिली लगातार तीसरे फीफा वर्ल्ड कप से बाहर, कोच रिकार्डो गरेका ने दिया इस्तीफा

साओ पाउलो, 11 जून (एजेंसियां)।

चिली की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। टीम फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रही है और लगातार तीसरे वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। मंगलवार को एल एल्टो (बोलीविया) में खेले गए मुकाबले में चिली को बोलीविया के हाथों 0-2 से हार झेलनी पड़ी, जिससे वह दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में सबसे आखिरी स्थान पर ही बनी रही।

इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम के मुख्य कोच रिकार्डो गरेका ने इस्तीफे की घोषणा कर दी। अर्जेंटीना के 67 वर्षीय इस कोच ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं खिलाड़ियों और अधिकारियों को उनके समर्थन के लिए सार्वजनिक रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अब टीम को छोड़ रहा हूं।

चिली की गोल्डन जनरेशन जिसने 2015 और 2016 में दो कोपा अमेरिका खिताब जीते थे, अब इतिहास बन चुकी है। टीम के दिग्गज स्ट्राइकर एलेक्सिस सांचेज़ ने हार के बाद कहा, बहुत दुख हो रहा है, मैंने ऐसा पहले कभी महसूस नहीं किया। हमें लोगों से माफ़ी मांगनी चाहिए। बदलाव की शुरुआत हो चुकी है, गोल्डन जनरेशन अब दफन हो चुकी है — मैं अकेला बचा हूं।

बोलीविया ने मैच की शुरुआत में ही पांचवें मिनट में मिगुएल तेरेसेरोस के गोल से बढ़त बना ली थी। 90वें मिनट में एंज़ो मोंटेरो ने दूसरा गोल कर चिली की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया। यह मुकाबला ला पाज़ के बाहरी इलाके स्थित 4,150 मीटर की ऊंचाई पर एल एल्टो स्टेडियम में खेला गया।

दूसरी ओर, उरुग्वे ने वेनेज़ुएला को 2-0 से हराकर क्वालिफाइंग स्टैंडिंग में बड़ी छलांग लगाई है। रोड्रिगो अग्विरे और जॉर्जियन डे अरेस्काएटा के गोलों की बदौलत उरुग्वे ने 16 मैचों में 24 अंकों के साथ शीर्ष छह में जगह मजबूत कर ली है, जो सीधे विश्व कप में एंट्री के लिए जरूरी है।

अब सातवें स्थान की इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ की दौड़ बोलीविया (17 अंक) और वेनेज़ुएला (18 अंक) के बीच रोचक बनती जा रही है। चिली का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आंध्र प्रदेश, कर्नाटक...

के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इन परियोजनाओं से अतिरिक्त 49 मिलियन टन प्रति वर्ष माल ढुलाई क्षमता बढ़ेगी। इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे की संचालन क्षमता में भी बढ़ोतरी होगी, जिससे सेवाओं में सुधार होगा और यातायात में सुगमता आएगी। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव भारतीय रेलवे के संचालन को सरल बनाएंगे और भीड़-भाड़ को कम करेंगे।रेल मंत्रालय ने बताया कि ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत तैयार की गई हैं, जो मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देती हैं। इससे लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की गतिशीलता में सुधार होगा। परियोजनाओं के पर्यावरणीय लाभों की बात करें तो, रेलवे एक पर्यावरण मित्र और ऊर्जा दक्ष परिवहन तरीका है, जो देश के जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करेगा। इसके अलावा, ये परियोजनाएं देश के लॉजिस्टिक लागत को कम करने, तेल आयात (52 करोड़ लीटर) घटाने और सीओ2 उत्सर्जन (264 करोड़ किलोग्राम) को घटाने में सहायक होंगी, जो 11 करोड़ पेड़ों के लगाने के बराबर होगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, पीएम मोदी के ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के दौरान, परिवहन और रसद लागत को कम करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। आईआईएम बैंगलोर और आईआईएम कलकत्ता के हालिया अध्ययन से पता चलता है कि परिवहन में निवेश से देश की रसद लागत में लगभग 4% की कमी आई है। रसद लागत में हर प्रतिशत की कमी का मतलब है कि बहुत अधिक प्रतिस्पर्धी उद्योग होंगे। हम अधिक निर्यात कर सकते हैं। हम उत्पादन लागत कम रख सकते हैं। पिछले 1 साल में परिवहन परियोजनाओं के लिए लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश को मंजूरी दी गई है। यह हमारे विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी बड़ी भूमिका निभाएगा।

पाकिस्तानी नागरिक...

ईडी ने भारत निर्वाचन आयोग और राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर पूरे मामले की जानकारी मांगी है। एजेंसी यह जानना चाहती है कि आजाद ने कौन-कौन से दस्तावेजों के जरिए मतदाता पहचान कार्ड हासिल किया और किस स्तर पर लापरवाही बरती गई। ईडी के मुताबिक प्रारंभ में आजाद मलिक ने खुद को बांग्लादेशी नागरिक बताया था और भारतीय पासपोर्ट समेत कई पहचान पत्र बनवा लिए थे लेकिन 29 अप्रैल को कोलकाता की विशेष अदालत में पेशी के दौरान उसने स्वीकार किया कि वह असल में पाकिस्तान का मूल निवासी है। उसने पहले फर्जी तरीके से बांग्लादेशी नागरिकता प्राप्त की और फिर भारतीय दस्तावेज हासिल कर भारत में रहना शुरू कर दिया। इस खुलासे ने राजनीतिक गलियारों में भी हड़कंप मचा दिया है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने इसे तृणमूल कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में विदेशी नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने की साजिश करार दिया है। उल्लेखनीय है कि दक्षिण 24 परगना के काकद्वीप विधानसभा क्षेत्र का मतदाता न्यूटन दास सोशल मीडिया पर बांग्लादेश के छात्र आंदोलन में हिस्सा लेता नजर आ रहा है। आरोप है कि दास के पास भारत और बांग्लादेश दोनों की नागरिकता है। इस पर चुनाव आयोग ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं। ईडी की जांच इस दिशा में इशारा कर रही है कि सीमावर्ती इलाकों में फर्जी दस्तावेजों के जरिये विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता और मतदान अधिकार दिलाने का संगठित रैकेट काम कर रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इस तरह के मामले सत्तारूढ़ दल के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

आधार प्रमाणित...

खानपान व पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट/इसके एप के माध्यम से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे। इसके बाद, 15 जुलाई 2025 से तत्काल बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी वेरिफिकेशन भी अनिवार्य कर दिया जाएगा।सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है, तत्काल टिकट भारतीय रेलवे के कम्प्यूटरीकृत पीआरएस (यात्री आरक्षण प्रणाली) काउंटरों/अधिकृत एजेंटों के माध्यम से बुकिंग के लिए केवल सिस्टम-जनरेटेड ओटीपी के वेरिफिकेशन के बाद ही उपलब्ध होंगे। यह ओटीपी बुकिंग के समय यूजर्स की ओर से दिए गए मोबाइल नंबर पर सिस्टम जरिए भेजा जाएगा। इस व्यवस्था को भी 15 जुलाई 2025 तक लागू किया जाएगा।सर्कुलर में यह भी कहा गया है कि भारतीय रेलवे के अधिकृत टिकटिंग एजेंट को तत्काल बुकिंग विंडो के पहले 30 मिनट के दौरान ओपनिंग डे तत्काल टिकट बुक करने की अनुमति नहीं होगी। खास तौर पर, उन्हें सुबह 10 बजे से 10.30 बजे तक वातानुकूलित श्रेणियों के लिए और सुबह 11 बजे से 11.30 बजे तक गैर-वातानुकूलित श्रेणियों के लिए तत्काल टिकट बुक करने से प्रतिबंधित किया जाएगा।

मंत्रालय ने रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र (सीआरआईएस) और आईआरसीटीसी को निर्देश दिया है कि वे प्रणाली में आवश्यक संशोधन करें और इन परिवर्तनों के बारे में सभी क्षेत्रीय रेलवे को सूचित करें। इसके अलावा, रेलवे की ओर से आश्वासन दिया गया है कि आम जनता को सूचित करने के लिए सभी उपलब्ध माध्यमों से इन बदलावों का व्यापक प्रचार किया जाएगा।

तकनीकी खामी...

इसके बाद फिर इसके प्रक्षेपण की तारीख में बदलाव करके 10 जून को 5.30 बजे कर दिया गया। फिर 10 जून से पहले ही नौ जून को भी मिशन को 11 जून तक टाल दिया गया था। तब इसरो ने इसका कारण खराब मौसम को बताया था। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने सोमवार शाम जारी बयान में कहा था, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले यान- एग्जियोम-4 मिशन का प्रक्षेपण 10 के बदले 11 जून 2025 तक स्थगित कर दिया गया है। अब चौथी बार फिर से एग्जियोम-4 का प्रक्षेपण स्थगित कर दिया गया है। इस महत्वाकांक्षी अभियान के तहत भारत जल्द ही ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने वाला है। भारत के शुभांशु शुक्ल अब अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बनने वाले हैं। इतना ही नहीं, वे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में पहुंचने वाले पहले भारतीय होंगे। इस मिशन को अमेरिका के अंतरिक्ष अभियानों से जुड़ी कंपनी एग्जियोम स्पेस और नासा के सहयोग से अंजाम दिया जा रहा है। साथ ही एलन मस्क की स्पेसएक्स इस मिशन में अहम भूमिका निभाएगी। आज एक्सिओम-4 मिशन की आज ही लॉन्चिंग होनी थी। लॉन्चिंग वाहन में रिसाव के चलते इसे फिर स्थगित कर दिया गया है। इसरो प्रमुख डॉ. वी नारायणन ने भी इसकी पुष्टि की। डॉ. नारायणन ने कहा कि आईएसएस पर पहले भारतीय गगनयात्री भेजने के लिए 11 जून को लॉन्च होने वाले एक्सिओम-4 मिशन को स्थगित कर दिया गया है। फाल्कन 9 लॉन्च वाहन के बूस्टर चरण के प्रदर्शन को मान्य करने के लिए लॉन्च वाहन की तैयारी के हिस्से के रूप में, लॉन्च पैड पर सात सेकंड का हॉट टेस्ट किया गया। परीक्षण के दौरान प्रणोदन बे में रिसाव का पता चला था। इसरो टीम ने एक्सिओम-4, स्पेसएक्स के विशेषज्ञों के साथ इस विषय पर चर्चा के आधार पर लॉन्च के लिए मंजूरी देने से पहले रिसाव को ठीक करने और आवश्यक सत्यापन परीक्षण करने का निर्णय लिया। इसलिए आईएसएस पर पहली बार भारतीय गगनयात्री भेजने के लिए 11 जून को होने वाले एक्सिओम-4 के प्रक्षेपण को स्थगित कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि एक्सिओम-4 मिशन को पहले भी तीन बार टालना पड़ा है। अंतरिक्षयात्रियों को 29 मई को रवाना होना था, लेकिन इसे आठ जून तक टाला गया। इसके बाद इसे 10 जून तक टाला गया। स्पेसएक्स का फाल्कन-9 रॉकेट मंगलवार शाम फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से रवाना होने वाला था, लेकिन खराब मौसम को एक दिन के लिए टाल दिया गया था।

अमरनाथ यात्रा ...

से अनुरोध करता हूं कि वे पवित्र यात्रा के लिए बड़ी संख्या में आएं और महादेव से जम्मू-कश्मीर और देश की प्रगति के लिए प्रार्थना करें। एसएएसबी और प्रशासन ने तीर्थयात्रियों की सुविधाओं में सुधार किया है। पुलिस, सेना, सीआरपीएफ, सीएपीएफ ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। वर्ष 2019 में इसे जम्मू में सम्पन्न किया गया था पर जबकि वर्ष 2022 से इसे पवित्र गुफा में ही सम्पन्न किया जा रहा है। अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक, अमरनाथ गुफा में ज्येष्ठ पूर्णिमा पर प्रथम पूजा हुई। साधु-संत व विद्वानों ने हवन और आरती कर पवित्र हिमलिंग की विधिवत पूजा-अर्चना की। हालांकि पिछले साल उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रथम पूजा की थी। कोरोना काल से पहले प्रथम पूजा चंदनबाड़ी में की जाती थी लेकिन कोरोना के कारण उपजे हालात में वर्ष 2019 में इसे जम्मू में सम्पन्न करवाया गया था तो वर्ष 2020 में यात्रा रद्द होने के बावजूद गुफा में। पवित्र गुफा से सुबह व शाम को आरती का सीधा प्रसारण भी करवाने का फैसला किया गया है। इस अवसर पर उप राज्यपाल ने कहा कि दुनिया भर के लाखों भक्तों के लिए बाबा अमरनाथ की पवित्र गुफा की तीर्थ यात्रा जीवन भर का सपना होती है। 3 जुलाई से शुरू होने वाली यात्रा के सफल संचालन के लिए स्थानीय निवासियों का अत्यधिक योगदान है। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने शिवभक्तों को बेधड़क होकर अमरनाथ की यात्रा में शामिल होने का न्यौता देते हुए कहा कि सुरक्षा का त्रिस्तरीय प्रबंध हैं। यह यात्रा कश्मीरियत का प्रतीक है। यह कश्मीर के लिए सिर्फ धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व नहीं रखती, बल्कि यह स्थानीय अर्थ व्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। तीन लाख परिवार इससे प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से आजीविका कमाते हैं। कश्मीर में सुधरते हालात कुछ लोगों को रास नहीं आते और वह यहां हालात बिगाड़ने की हरकतें करते हैं, लेकिन किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। यह बाबा भोले की यात्रा है और बाबा भोले की कृपा से सुरक्षित, शांत और विश्वासपूर्ण वातावरण में ही सम्पन्न होगी।

देश के पहले डबल...

डबल डेकर फ्लाईओवर का यह प्रोजेक्ट न केवल आधुनिक शहरी परिवहन का उदाहरण है, बल्कि यह पटना की बुनियादी ढांचे को नई दिशा देने वाला एक मील का पत्थर भी है। पथ निर्माण विभाग की ओर से बताया गया कि इस परियोजना का नाम गांधी मैदान-पीएमसीएच-अशोक राजपथ-साइंस कॉलेज डबल डेकर एलिवेटेड कॉरिडोर है। यह भारत का पहला दो लेन का डबल डेकर फ्लाईओवर है। 422 करोड़ के इस परियोजना का शुभारंभ 15 जनवरी 2022 को हुआ था। 31 मई 2025 को इसका निर्माण कार्य पूरा हो गया। हालांकि 10 प्रतिशत काम अब भी शेष बचे हैं। वह भी जल्द कर लिए जाएंगे। यह कॉरिडोर गांधी मैदान से कृष्णा घाट और गंगा पथ को जोड़ेगा। साथ ही गायघाट, पटना सिटी और कच्ची दरगाह तक आसानी से लोग पहुंच पाएंगे। फ्लाईओवर के समानांतर 5.50 मीटर चौड़ी दो सर्विस लेन भी बनाई गई हैं, जिससे स्थानीय आवागमन सुगम होगा। यह फ्लाईओवर खासतौर पर पीएमसीएच अस्पताल आने-जाने वाले मरीजों और उनके परिजनों के लिए राहत दायक साबित होगा, जिन्हें अब जाम में फंसने की परेशानी नहीं होगी।

न्यायिक आयोग के...

कालेश्वरम ऐसी परियोजना है, जिसमें 100 से अधिक घटक हैं। बैराज में लगे 85 खंभों में से दो क्षतिग्रस्त हुए हैं। मुझे लगता है यह कांग्रेस ने किसी शरारत के तहत किया है। मुझे यह उम्मीद है कि जल्द आयोग और अन्य राजनीतिक दलों को यह लगने लगेगा कि कुछ गलत नहीं हुआ था। तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने हाल ही में कहा था कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) ने एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की लागत से निर्मित कालेश्वरम परियोजना को देश की सबसे बड़ी मानव निर्मित आपदा करार दिया है। कालेश्वरम परियोजना तत्कालीन अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य द्वारा तैयार की गई डॉ. बी आर अंबेडकर प्राणहिता-चेवेल्ला सुजला श्रवणथी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीसीएसएस परियोजना) की एक शाखा है। पिछले साल तेलंगाना की कालेश्वरम परियोजना पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने निराशाजनक रिपोर्ट पेश की थी। इसमें कहा गया है कि यह शुरू से ही आर्थिक रूप से किसी भी काम की नहीं थी।खासकर पिछले साल मेदिगड्डा बैराज के कुछ घाटों के डूबने के बाद कालेश्वरम परियोजना विवादों में घिर गई है। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) ने भी माना था कि मेडीगड्डा बैराज गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था। जब तक इसे पूरी तरह से पुनर्निर्मित नहीं किया जाता तब तक यह बेकार हो जाएगा। हाल के विधानसभा चुनावों में बीआरएस की हार का एक बड़ा कारण बैराज को हुए नुकसान को माना जा रहा है।

अमरनाथ यात्रा...

हिस्से के तौर पर अमरनाथ यात्रा 2025 की ड्यूटी के लिए रवाना होना था। यह स्पेशल ट्रेन उदयपुर रेलवे स्टेशन (त्रिपुरा) से छह जून को जम्मू तवी रेलवे स्टेशन के लिए चलनी थी। बीएसएफ की तरफ से जवानों की सुगमता के मद्देनजर, रेलवे से एसी 2 वाले दो कोच, एसी 3 के दो कोच, स्लीपर के 16 कोच और 4 जीएस/एसएलआर मुहैया कराने की मांग की गई। उदयपुर (त्रिपुरा), अमबासा (त्रिपुरा) बदरपुर (असम), गोलपारा और कूचविहार (पश्चिम बंगाल) रेलवे स्टेशन से बीएसएफ जवानों को स्पेशल ट्रेन नंबर 00709 में सवार होना था।

बीएसएफ के कंपनी कमांडर ने उदयपुर से चलने वाली स्पेशल ट्रेन का निरीक्षण किया कि वह जवानों की सुरक्षा एवं दूसरी आवश्यकताओं के हिसाब से ठीक है या नहीं। निरीक्षण के दौरान ट्रेन के हालात देखकर बीएसएफ के अधिकारी और जवान हैरान रह गए। सूत्रों के मुताबिक, ट्रेन के वैगनों की स्थिति अमानवीय और दयनीय थी। इसका उपयोग जवानों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए नहीं किया जा सकता। जांच के बाद पता चला कि महीनों से वैगन का इस्तेमाल नहीं किया गया था। प्रत्येक वैगन में हर जगह टूटी हुई वस्तुएं पड़ी थीं। ट्रेन की खिड़कियों और दरवाजों में छेद बने हुए थे। टॉयलेट सीटें, टूटी पड़ी थी। ट्रेन के फर्श पर सैकड़ों कॉकरोच दौड़ रहे थे। अधिकांश सीटों पर गंदगी फैली हुई थी। ट्रेन के कई वैगनों में बल्ब या बिजली का कनेक्शन ही नहीं था। ट्रेन में एक कंपनी के शस्त्र/आवास, भंडार और जवानों के बिस्तर के लिए उपलब्ध कराई गई जगह पर्याप्त नहीं थी। इस मामले को बीएसएफ के आला अधिकारियों के संज्ञान में भी लाया गया। कंपनी कमांडर की ओर से बताया गया कि ट्रेन के वैगन, यात्रा के उपयोग के लिए नहीं थे। आंतरिक सुरक्षा ड्यूटी के लिए रवाना हो रहे बीएसएफ जवानों के लिए इस तरह की ट्रेन में सफर करना जोखिम भरा है। मंगलवार को इस मामले में जब भारतीय रेलवे के एनएफआर जोन के एक वरिष्ठ अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने कहा था कि छह जून को रवाना होने वाली ट्रेन रद्द हो गई थी। वजह, बीएसएफ की तरफ से ट्रेन की खामियों को लेकर कड़ी आपत्ति जताई गई थी। इस वजह से अब उन्हें दूसरी ट्रेन दी गई है। नई ट्रेन मंगलवार को रवाना कर दी गई है। इसके चलते बीएसएफ जवानों की अमरनाथ यात्रा के लिए तैनाती में भी देरी हो गई है। पहले इन जवानों को कश्मीर में 12 जून तक तैनात किया जाना था।

मंत्रों के जाप से दूर होते हैं ग्रहों के दोष

जीवन की इस आपाधापी में हर आदमी दो पैसे कमाने और बचाने के लिए दिन-रात जुटा रहता है। लेकिन कई बार तमाम कोशिशों के बावजूद मेहनत के मुताबिक न तो धन मिलता है और न ही उसकी बचत हो पाती है। ज्योतिष के अनुसार हमारे जीवन से जुड़े तमाम प्रकार के सुख-दुःख का हमारी कुंडली के नौ ग्रहों से सीधा संबंध होता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ग्रहों के दोष को दूर करने के लिए और उनकी शुभता प्राप्त करने के लिए ज्योतिष शास्त्र में कई तरह के उपाय बताये गये हैं। जिन्हें करने पर जीवन से जुड़ी जहां तमाम तरह की समस्याएं दूर होती हैं, वहीं सुख, समृद्धि और सौभाग्य बढ़ता है।

सूर्य – जीवन में सुख-संपत्ति और साहस को कायम रखने के लिए सूर्यदेव की कृपा पाना जरूरी है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार किसी भी जातक की कुंडली में सूर्य की दशा न सिर्फ उसकी सेहत, संपत्ति एवं सुख-शांति पर असर डालती है बल्कि उसे राजा से रंक बनाने का भी माद्दा रखती है। जन्मांग में ग्रहों का राजा यदि सूर्य मजबूत अवस्था में हो, तो जातक राजा, मंत्री, सेनापति, प्रशासक, मुखिया, धर्म संदेशक आदि बनाता है। लेकिन यदि सूर्य कुंडली में निर्बल अवस्था में हो तो वह शारीरिक तथा सफलता की दृष्टि से बड़ा ही खराब परिणाम देता है।

शुभता बढ़ाने और उनकी नाराजगी दूर करने के लिए कभी भी झूठ न बोलें। इस उपाय को करने से सूर्य से संबंधी दोष दूर हो जायेगा और उनके शुभ फल मिलने प्रारंभ हो जाएंगे। साथ ही प्रतिदिन उगते सूर्य का दर्शन एवं उन्हें 'ॐ घृणि सूर्याय नमः' कहते हुए जल अर्पित करना चाहिए। प्रतिदिन सूर्य को जल देने के पश्चात् लाल आसन में बैठकर पूर्व दिशा में मुख करके निम्न मंत्र का 108 बार जप करें –

एहि सूर्य सहस्त्रांशो तेजोराशे जगत्पते।
अनुकम्पय मां भक्त्या गृहणाध्र्य दिवाकर।।"

चंद्र – सूर्य की तरह चंद्रमा भी प्रत्यक्ष देवता हैं। नवग्रहों में चंद्र देवता को माता और मन का कारक माना जाता है। कुंडली में चन्द्र ग्रह की अशुभता का मनुष्य के मन पर पूरा प्रभाव पड़ता है। चंद्र दोष के कारण घर में कलह, मानसिक विकार, माता-पिता की बीमारी, दुर्बलता, धन की कमी जैसी समस्याएं सामने आती हैं। चंद्र देव की शुभता पाने और उनसे जुड़े दोष दूर करने के लिए जितना ज्यादा हो सके साफ-सफाई पर ध्यान दें। चंद्र दोष को दूर करने और उनकी कृपा पाने के लिए चंद्र देवता के निम्न मंत्रों का जाप काफी शुभ और असरकारक साबित होता है।

ॐ ऐं क्लीं सोमाय नमः।।
ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः।।
दधिशंख तुषाराभं क्षीरदार्णव संभवम्।
नमामि शशिनं समं शम्भोर्मकुट भूषणम्।।

मंगल – अदम्य साहसी और पराक्रमी पृथ्वी पुत्र मंगल को ग्रहों का सेनापति माना गया है। वैदिक ज्योतिष के मुताबिक किसी भी व्यक्ति में ऊर्जा का प्रवाह बनाए रखने के लिए मंगल दोष के प्रभाव को दूर करना अत्यंत आवश्यक होता है। शनि की तरह मंगल ग्रह की अशुभता से आमतौर पर लोग डरते हैं। मंगल देवता की कृपा पाने और उससे जुड़े दोष को दूर करने के लिए इस मंत्र का जाप करें।

ॐ अं अंगारकाय नमः।
धरणीगर्भसंभूतं विद्युत्कांति समप्रभम्।
कुमारं शक्तिहस्तं च भौममावाह्यम्।

बुध–ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बुध बुद्धि, व्यापार, त्वचा एवं धन का ग्रह है। बुध ग्रह का रंग हरा है। वह नौ ग्रहों में शारीरिक रूप से सबसे कमजोर और बौद्धिक रूप में सबसे आगे है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति के लिए बुधदेव की कृपा और शुभता अत्यंत जरूरी है। यदि आपकी कुंडली में बुध ग्रह कमजोर है या फिर नीच का हो तो आप बुध ग्रह की शुभता पाने के लिए बुध के बीज मंत्र का जाप करें –

'ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय् नमः।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम।
सौम्यं सौम्य गुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।

बृहस्पति – ज्योतिष में देवताओं के गुरु बृहस्पति को एक शुभ देवता और ग्रह माना गया है। बृहस्पति के शुभ प्रभाव से सुख, सौभाग्य, लंबी आयु, धर्म लाभ आदि मिलता है। आमतौर पर देवगुरु बृहस्पति शुभ फल ही प्रदान करते हैं, लेकिन यदि कुंडली में यह किसी पापी ग्रह के साथ बैठ जाएं तो कभी-कभी अशुभ संकेत भी देने लगते हैं। ऐसे में बृहस्पति की कृपा पाने और इनसे जुड़े दोष को दूर करने के लिए प्रतिदिन तुलसी या चंदन की माला से 'ॐ बृं बृहस्पतये नमः' का 108 बार जप अवश्य करे।

देवानां च ऋषीणां च गुरुं कांचनसंनिभम्।
बुद्धिभूतं त्रिलोकशं तं नमामि बहस्पतिम्।।

शुक्र – ज्योतिष में शुक्र ग्रह को जीवन से जुड़े सभी भौतिक सुख-सुविधाओं का कारक माना गया है। शुक्र ग्रह से ही किसी जातक के जीवन में स्त्री, वाहन, धन आदि का सुख सुनिश्चित होता है। कुंडली में शुक्र मजबूत होने पर इन सभी सुखों की प्राप्ति होती है लेकिन अशुभ होने पर तमाम तरह के आर्थिक कष्टों का सामना करना पड़ता है। दांपत्य जीवन के सुख का अभाव रहता है। शुक्र ग्रह की शुभता पाने के लिए इस मंत्र का जाप करें

ॐ शुं शुक्राय नमः।
ॐ हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्
सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्।।

शनि – कुंडली में शनि ऐसे देव हैं जिनसे अक्सर लोग डरते हैं। जबकि शनि कर्म के देवता हैं और आपके किए गए कार्य का फल जरूर देते हैं। यदि आपकी कुंडली में शनि दोष है तो आप उसे दूर करने के लिए सबसे पहले अपने अपने व्यवहार में जरूर परिवर्तन लाएं। विशेष रूप से अपने माता-पिता का सम्मान और उनकी सेवा करें। साथ ही शनिदेव से जुड़े मंत्रों का जाप करें। शनिदेव के ये मंत्र काफी प्रभावी है। शनिदेव को समर्पित इस मंत्र को श्रद्धा के साथ जपने से निश्चित रूप से आपको लाभ होगा।

ॐ शं शनैश्चराय नमः।
ॐ प्रां प्रीं प्रौ सं शनैश्चराय नमः।
सूर्य पुत्रो दीर्घ देहो विशालाक्षः शिव प्रियः।
मंदाचाराह प्रसन्नात्मा पीड़ां दहतु में शनिः।।

राहू –कुंडली में राहु और केतु छाया ग्रह हैं। कुंडली में यदि राहु अशुभ स्थिति में है तो व्यक्ति को आसानी से सफलता नहीं मिल पाती है और परेशानियां बनी रहती है। कुंडली में इस ग्रह को राहु के दोष को दूर करने के लिए इसके मंत्र का जाप करने पर शुभ फल प्राप्त होते हैं।

'ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः'।
अर्धकायं महावीर्यं चंद्रादित्यविमर्दनम्।
सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।

केतु – ज्योतिष के अनुसार केतु को सर्प का धड़ माना गया है। गौरतलब है कि बगैर सिर के धड़ को कुछ दिखाई नहीं देता कि क्या किया जाए और क्या नहीं। यही कारण है कि केतु ग्रह के दोष के कारण अक्सर व्यक्ति भ्रम का शिकार होता है। जिसके कारण उसे तमाम परेशानियां झेलनी पड़ती है। केतु के दुष्प्रभाव से बचने के लिए सबसे पहले आप अपने बड़े-बुजुर्ग की सेवा करना प्रारंभ कर दें। साथ में केतु के इन मंत्रों का जप करें

ॐ कें केतवे नमः।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्।।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

कल अपने ही नक्षत्र भरणी में आएंगे शुक्र जानिए किन राशियों की खुलेगी किस्मत

ज्योतिषशास्त्र में भौतिक सुख, वैवाहिक सुख, भोग-विलास, शोहरत, कला, प्रतिभा, सौंदर्य, रोमांस, काम-वासना का कारक ग्रह शुक्र को माना जाता है। वह 13 जून 2025 को अपने ही नक्षत्र भरणी में गोचर करने जा रहे हैं।

शुक्र के अपने नक्षत्र भरणी में ही आने से उनकी शक्तियों में वृद्धि होगी और ऐसे में वह कुछ राशियों के जातकों को हर तरह का भौतिक सुख देने का काम करेंगे। लग्जरी चीजों को खरीदने का मन करेगा।

ऐसी चीज आप ले सकते हैं, जिससे आपके सुख सुविधाओं में वृद्धि हो और आराम मिले। आइए जानते हैं शुक्र के इस नक्षत्र परिवर्तन से किन राशियों के लोगों को मिलेगा फायदा। मेष राशि की ऊर्जा मिलने से घूमने फिरने का मौका भी मिल सकता है।

मेष राशि – इस राश के जातकों को शुक्र के नक्षत्र परिवर्तन से बहुत लाभ होने की संभावना है। उनके प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। पार्टनर का पूरा सहयोग मिलेगा। सुख सुविधाओं की चीजों पर खर्च करने से पीछे नहीं हटेंगे।

सिंह राशि –इस राशि के जातकों को शुक्र के नक्षत्र परिवर्तन से लाभ मिल सकता है। बच्चे ललित कलाओं में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। धन लाभ होने के भी योग बनेंगे। नौकरी में प्रमोशन के योग बन सकते हैं। मनोरंजन में समय बीतेगा और दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा। प्रेम प्रसंग में सफलता मिलेगी।

तुला राशि –इस राशि के जातकों को लाइफ पार्टनर का पूरा सहयोग मिलेगा। इसके अलावा लग्जरी लाइफ से जुड़ी हुई चीजों को खरीदने में दिलचस्पी रहेगी। पार्टनर के लिए कोई अच्छा गिफ्ट ले सकते हैं। अपने लाइफ पार्टनर को परफ्यूम इत्र या कोई महंगी वस्तु उपहार में देने से लाभ मिलेगा। किसी खूबसूरत जगह या बगीचे में या किसी अच्छी जगह पर घूमने जाने से मन को शांति मिलेगी।

मंगल दोष से छुटकारा पाने के लिए करें ये उपाय

ज्योतिष शास्त्र में मंगल दोष को बहुत भारी माना जाता है, जो किसी व्यक्ति के वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर सकता है। जब किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल ग्रह लग्न, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें घर में स्थित होता है, तो उसे मांगलिक कहा जाता है। माना जाता है कि मंगल दोष से विवाह में देरी, वैवाहिक जीवन में लड़ाई-झगड़े, तनाव व अलगाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, मंगल दोष कोई अभिशाप नहीं है। ज्योतिष शास्त्र में इससे छुटकारा पाने के लिए कई सारे उपाय बताए गए हैं।

मंगल दोष के उपाय

मांगलिक से विवाह – मंगल दोष का सबसे सरल और प्रभावी उपाय यह है कि मांगलिक व्यक्ति का विवाह किसी अन्य मांगलिक व्यक्ति से हो। माना जाता है कि दो मांगलिक व्यक्तियों के विवाह से मंगल दोष का प्रभाव ही समाप्त हो जाता है।

कुंभ विवाह – अगर मांगलिक व्यक्ति का विवाह किसी गैर-मांगलिक से हो रहा हो, तो मंगल दोष के निवारण के लिए 'कुंभ विवाह' अनुष्ठान करवाएं। इसमें व्यक्ति का विवाह भगवान विष्णु की प्रतिमा से या वट वृक्ष से किया जाता है। इसके बाद असल जिंदगी में विवाह होता है।

मंगल ग्रह की शांति पूजा – मंगल ग्रह को शांत करने के लिए विशेष पूजा और अनुष्ठान किए जाते हैं। इसमें वैदिक मंत्रों का जाप, हवन और मंगल यंत्र की स्थापना शामिल है। हालांकि ये सब अनुष्ठान किसी जानकार पंडित की मौजूदगी में कराना चाहिए।

मंगलवार व्रत – मंगलवार का दिन भगवान हनुमान और मंगल ग्रह को समर्पित है। कहा जाता है कि मांगलिक व्यक्ति को मंगलवार का व्रत रखना चाहिए। साथ ही हनुमान जी की पूजा, हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ करना भी बहुत लाभकारी माना जाता है।

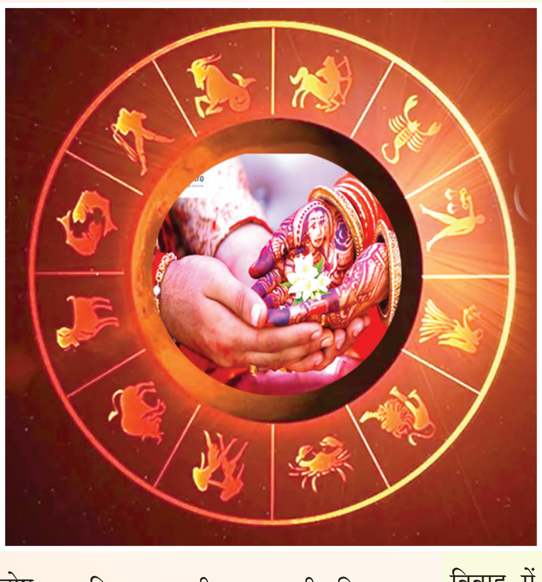

मंगल मंत्र का जाप – मंगल ग्रह के बीज मंत्र 'ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः' का रोजाना 108 बार जप करें। इससे मंगल दोष के प्रभावों को आसानी से कम किया जा सकता है। इसके अलावा 'ॐ अं अंगारकाय नमः' मंत्र का जाप भी कर सकते हैं।

रत्न धारण – मूंगा रत्न पहनने से मंगल ग्रह के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं। ऐसे में मूंगा को सोने या तांबे की अंगूठी में अनामिका उंगली में मंगलवार के दिन धारण करें। हालांकि रत्न धारण करने से पहले ज्योतिष की सलाह जरूर लें।

मंगल दोष कितना खतरनाक शादी के बाद कुंडली में इसके होने से क्या नुकसान होते हैं?

मध्य प्रदेश के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की वजहों में मंगलदोष की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि सोनम और राजा, दोनों की कुंडली में मंगलदोष थे। इसी को मिटाने के लिए सोनम ने उसे मौत के घाट उतार दिया। इस घटनाक्रम के बाद मंगलदोष पर भी चर्चा उठ चली है। ऐसे में जानना जरूरी हो जाता है कि मंगल दोष कितना खतरनाक होता है, इसके होने से विवाहित जोड़े के जीवन में कैसी परेशानियां आती हैं, क्या दोनों में से किसी एक की मौत तय होती है।

क्या होता है मंगल दोष?

मांगलिक दोष एक ऐसा दोष है जिसे वैवाहिक जीवन के लिए अशुभ माना गया है। मंगल दोष कुंडली में मंगल ग्रह से जुड़ा होता है, जिसके कारण शादी , विवाह में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

कब बनता है मांगलिक दोष?

जब किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल ग्रह पहले, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें भाव में स्थित होता है, तो मंगल दोष होने की संभावना होती है।मांगलिक दोष के कारण व्यक्ति को जीवन में बहुत सी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है जैसा विवाह में देरी, विवाह में दिक्कतें, तनाव और संघर्ष जैसी समस्याएं आ सकती है।

अगर किसी की कुंडली में मांगलिक दोष होता है और उस स्थिति में किसी की शादी बिना मंगल दोष वाले व्यक्ति से हो जाती है तो ऐसी स्थिति में वैवाहिक जीवन में परेशानियां आ सकती हैं। जैसा पति-पत्नी के जीवन में विभिन्न कारणों के कारण मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। कई बार पति-पत्नी के स्वास्थ्य पर इसका असर नजर आता है। मांगलिक दोष होने के कारण तलाक जैसी स्थिति भी पैदा हो सकती है।

इसीलिए कोशिश करें और अगर किसी की कुंडली में मंगल दोष है तो उसके लिए उपाय जरूर करें और मांगलिक जीवनसाथी के तलाश के बाद की उसकी तीव्रता को देखते हुए ही विवाह करना चाहिए। अन्यथा मांगलिक दोष के कारण पति-पत्नी में से किसी एक की मृत्यु हो सकती है।

जगन्नाथ मंदिर के महाप्रसाद बनने की अजीब है परंपरा, दुनिया में कहीं नहीं होता ऐसा!

जगन्नाथ पुरी में आषाढ़ महीने के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से रथ यात्रा शुरू होती है। यहां जाने का सबसे अच्छा समय यही होता है, जब आपको यहां जबरदस्त सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति हो सकती है। इस साल जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून 2025 को शुरू होगी। इस मौके पर हम आपको जगन्नाथ मंदिर के महाप्रसाद बनने की अजीब परंपरा के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे जानकर आप हैरान हो जाएंगे। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रसोई दुनिया की सबसे बड़ी रसोई है। यहां करीब 500 रसोइए और 300 सहयोगियों के द्वारा रथ यात्रा के दौरान महाप्रसाद तैयार किया जाता है।

मुख्य प्रसाद है भात

ये रसोइए वैसे तो 56 भोग बनाते हैं। मगर, यहां का मुख्य प्रसाद भात है। एक कहावत है कि 'जगन्नाथ के भात को जगत पसारे हाथ'। सबसे मजेदार बात यह है कि भगवान जग्ननाथ का महाप्रसाद किसी धातु के बर्तन में नहीं बनाया जाता।

मिट्टी के बर्तन में बनता है प्रसाद

महाप्रसाद बनाने के लिए बड़े मिट्टी के सात बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। इन्हें एक के ऊपर एक करके रखा जाता है। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह है कि सबसे पहले सबसे ऊपर की हांडी का प्रसाद पकता है। इसके बाद नीचे के बर्तनों का प्रसाद एक के बाद एक करके पकता है।

सबसे ऊपर का प्रसाद पकता है पहले

सबसे ऊपर का बर्तन छोटा और संकरा होता है। उसके नीचे का बर्तन उससे बड़ा और सबसे नीचे का बर्तन सबसे बड़ा होता है। सबसे ऊपर के बर्तन में दाल या खीर जैसी चीजें बनाई जाती हैं। जैसे-जैसे प्रसाद पकता है, नीचे की तरफ वाले बर्तन धीरे-धीरे गर्म होने लगते हैं और प्रसाद पकाने की प्रक्रिया जारी रहती है।

कभी कम नहीं पड़ता है प्रसाद

कहते हैं सामान्य दिन में रोजाना करीब 20 हजार लोगों के लिए और विशेष दिन में करीब 50 हजार लोगों के लिए प्रसाद बनाया जाता है। मगर, यहां लाखों की संख्या में भक्त भी पहुंच जाएं, तो भी प्रसाद कम नहीं पड़ता है। हर भक्त को प्रसाद मिलता है।यह भी कहा जाता है कि प्रसाद को मां लक्ष्मी की देख-रेख में पकाया जाता है। प्रसाद बनने के बाद यहां विमालदेवी के नाम से बने मां पार्वती के मंदिर में सबसे पहले भोग लगाया जाता है। इसके बाद भगवान जगन्नाथ को भोग लगया जाता है।

श्रीजगन्नाथ रथयात्रा के दौरान इन बातों का रखें ध्यान, गलती से भी न करें ये काम

श्री जगन्नाथ रथयात्रा, जिसे पुरी रथयात्रा के नाम से भी जाना जाता है। इसका शास्त्रों में बड़ा महत्व बताया गया है। यह पर्व हर साल ओडिशा के पुरी में स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से शुरू होती है और भगवान जगन्नाथ के बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ उनकी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर तक जाती है। इस धार्मिक यात्रा में लाखों भक्त शामिल होते हैं। इस साल जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत दिन शुक्रवार 27 जून, 2025 से होने जा रही है।

यात्रा के दौरान इन बातों का दें ध्यान

रथयात्रा में लाखों की संख्या में भक्त शामिल होते हैं, इसलिए रथ को पकड़ने के लिए धक्का-मुक्की न करें।

यात्रा के दौरान तामसिक चीजें न ले जाएं।

मन में किसी के लिए गलत विचार न रखें।

यात्रा के दौरान किसी के साथ गलत व्यवहार न करें।

मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में भी स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

यात्रा के दौरान शांत और धैर्य रखें।

बच्चे, बुजुर्गों और महिलाओं की यात्रा में मदद करें।

यात्रा के दौरान मिलने वाले प्रसाद को तुरंत ग्रहण करें, क्योंकि यह भगवान का आशीर्वाद माना जाता है।

यह एक धार्मिक यात्रा है, इसलिए पूरी यात्रा के दौरान श्रीजगन्नाथ बाबा के मंत्रों का जप करें।

भगवान के रथ या अन्य पवित्र वस्तुओं का अनादर न करें।

रथ पर चढ़ने या उन्हें छूने का प्रयास न करें, जब तक कि अनुमति न हो।

ज्यादा शोर या चिल्लाने से बचें।

धर्मेंद्र ने अभिनेत्री आशा पारेख के कहने पर छोड़ दी थी शराब!

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र ने सालों तक बड़े पर्दे पर राज किया और कई हसीनाओं के साथ स्क्रीन शेयर की। धर्मेंद्र की एक एक्ट्रेस तो ऐसी भी रहीं जो ताउम्र कुंवारी रह गईं और उन्होंने कभी शादी नहीं की। आज उनकी उम्र 82 साल को चुकी है। यहां बात हो रही है गुजरे दौर की बेहतरीन अदाकारा आशा पारेख की। आशा पारेख और धर्मेंद्र साथ में फिल्म कर चुके हैं। तब एक बार कुछ ऐसा हुआ था कि आशा के कहने पर धर्मेंद्र ने शराब तक छोड़ दी थी।

आशा पारेख और धर्मेंद्र दोनों ही अपने दौर के सबसे पॉपुलर स्टार्स में से एक रहे हैं। दोनों ने कई फिल्मों में काम किया और साथ में भी स्क्रीन शेयर की। ये जोड़ी बड़े पर्दे पर फिल्म 'आए दिन बहार के' में भी नजर आई थी और इसी के सेट पर आशा ने धर्मेंद्र की शराब पीने की आदत छुड़वा दी थी।

धर्मेंद्र ने एक टीवी रियलिटी शो के दौरान बताया था कि हम दार्जिलिंग में 'आए दिन बहार' की शूटिंग कर रहे थे। शूटिंग के बाद देर रात तक टीम पार्टी करती थी। इस दौरान धर्मेंद्र भी खूब शराब पीते थे। हालांकि इसकी बदबू सुबह तक रहती थी। इससे बचने के लिए एक्टर ने एक अजीब तरीका निकाला, लेकिन वो कारगर साबित नहीं हुआ।

धर्मेंद्र ने आगे बताया था कि उनके मुंह से बहुत ज्यादा शराब की बदबू आती थी, इस वजह से वो सेट पर प्याज खाकर जाते थे। हालांकि आशा को फिर भी धर्मेंद्र के मुंह से बदबू आती थी। तब धर्मेंद्र ने खुद एक्ट्रेस को बता दिया था कि ये गंध प्याज नहीं, बल्कि शराब की है। उसके बाद एक्ट्रेस ने अभिनेता को शराब छोड़ने के लिए कहा था। धर्मेंद्र ने तुरंत उनकी बात मन ली और फिर शराब नहीं पी।

एक तरफ जहां धर्मेंद्र ने दो-दो शादी की और उनकी दोनों शादी से 6 बच्चे हुए। तो वहीं दूसरी ओर आशा पारेख ने अपनी पूरी लाइफ अकेले ही गुजार दी। उन्होंने बताया था कि मेरी शादी के लिए रिश्ते भी आए थे, लेकिन बात नहीं बन पाई। वहीं एक्ट्रेस ने अपनी बायोग्राफी 'द हिट गर्ल' में बताया, मेरा मानना है कि शादियां ऊपर से तय होती हैं और शायद इस मामले में भगवान मेरी जोड़ी बनाना ही भूल गए। मेरी शादी का संयोग ही नहीं था, इसलिए मेरी शादी नहीं हुई। मेरी मां चाहती थीं कि मेरी शादी किसी तरह हो जाए।

अभिनेता जूनियर एनटीआर अब भगवान शिव के बेटे कुमार स्वामी के रोल में नजर आएंगे

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के कई सारे ऐसे सुपरस्टार्स हैं जो साउथ बेल्ट में तो काफी समय से सक्रिय हैं लेकिन कुछ सालों में उनकी पॉपुलैरिटी बहुत तेजी से बढ़ी है। एक्टर ने आर आर आर फिल्म में अपनी शानदार एक्टिंग और एक्शन से माहौल बना दिया और खूब कमाई की। इसके बाद देवरा फिल्म में भी उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया हालांकि फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी। कई सारी पौराणिक कथाओं पर बनी फिल्मों में काम कर चुके जूनियर एनटीआर अब फिल्म में भगवान बनने जा रहे हैं। वे शिव और पार्वती के बेटे कुमार स्वामि पर बन रही फिल्म में लीड रोल प्ले करने जा रहे हैं।

करीबी सूत्रों की मानें तो- एनटीआर अब त्रिविक्रम की फिल्म में काम करने जा रहे हैं और वे इस फिल्म में लॉर्ड कुमार स्वामि का रोल प्ले करते नजर आएंगे। हारिका हसीन क्रिएशन्स के बैनर तले एस राधा कृष्णा (चिन्ना बाबू) और सूर्यदेवरा नागा वामसी इस फिल्म को प्रोड्यूस करेंगे। इस रोल को लेकर टीम बहुत एक्साइटेड है और इस बारे में जल्द ही और डिटेल्स भी सामने आ सकती हैं। जूनियर एनटीआर की साउथ में अच्छी रीच है और अब तो उनकी पैन इंडिया फिल्में भी आने लगी हैं। ऐसे में उनकी इस फिल्म पर सभी की नजरें होंगी। जल्द ही इस खबर की ऑफिशियल अनाउंसमेंट भी की जा सकती है।

जूनियर एनटीआर की झोली में मौजूदा समय में कई सारी फिल्में हैं। मौजूदा समय में वे वॉर 2 फिल्म में नजर आएंगे जिसमें पहली बार उनकी जोड़ी ऋतिक रोशन के साथ देखने को मिलेगी। इस फिल्म के पहले पार्ट को बहुत पसंद किया गया था और अब फैंस को दूसरे पार्ट का इंतजार है। इसके अलावा वे देवरा पार्ट 2 का भी हिस्सा होंगे। वहीं ड्रैगन फिल्म में तो वे नजर आने वाले हैं ही। इन सभी के अलावा ऐसी खबरें भी हैं कि वे नेलसन दिलीप कुमार संग भी कोलाबोरेट कर सकते हैं।

आर आर आर फिल्म की बात करें तो इस फिल्म को काफी पसंद किया गया था और दुनियाभर में इसका डंका बजा था। फिल्म को उसके गाने नाटू नाटू के लिए ऑस्कर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया और देश का सिर गर्व से ऊंचा हुआ। फिल्म ने दुनियाभर के सिनेमाघरों में कमाल का प्रदर्शन किया और 1200 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाए।

पूजा बेदी ने शेयर किया पोस्ट, बोलीं

मैं अब वही करती हूं जो मेरे लिए सार्थक हो, न कि परफेक्ट

अभिनेत्री पूजा बेदी ने समाज में परफेक्शन की चाहत रखने वालों पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि वह अब दिखावे की बजाय मन की शांति और सच्चाई को प्राथमिकता दे रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि प्रभावशाली दिखना जरूरी नहीं है।अभिनेत्री पूजा बेदी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने परफेक्शन पर अपने विचार रखे। पूजा ने अपने पोस्ट में बताया कि वास्तव में परफेक्शन को लेकर क्या नजरिया है। उन्होंने बताया, समाज हमसे हर समय, हर जगह परफेक्ट होने की उम्मीद करता है। हम देखने में परफेक्ट हों, काम में परफेक्ट हों और कोई कमी न रहे। लेकिन, मैं अब यह समझ गई हूं कि इस दबाव से बाहर निकलना होगा। इसलिए जो महत्वपूर्ण है, उसी का चयन करें, न कि प्रभावशाली दिखने की दौड़ में शामिल हों।

उन्होंने बताया, मुझे सुनहरे पेन से डायरी लिखने, सुबह तक चमकते चेहरे के लिए टॉनिक या किसी तरह के जूस देने की जरूरत नहीं है। मैं ऊर्जा को सुंदरता से, उद्देश्य को प्रदर्शन से ज्यादा महत्व देती हूं। यह नियंत्रण बनाम अराजकता नहीं, बल्कि सोच-समझकर चुने गए रास्ते की बात है। परफेक्शन एक बदलता लक्ष्य है, लेकिन प्राथमिकताएं एक दिशा-सूचक की तरह हैं।

उन्होंने आगे लिखा, मैं अब वही करती हूं, जो मेरे लिए सार्थक हो, न कि परफेक्ट। प्राथमिकताएं शांति देती हैं। जबकि, परफेक्शन चमक के साथ तनाव देता है। कुछ दिन मैं चमकती हूं, कुछ दिन ठोकर खाती हूं, लेकिन हमेशा उस दिशा में चलती हूं, जो सही लगता है। यही मेरे लिए काफी है। पूजा बेदी अभिनेता कबीर बेदी की बेटी हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1991 में 'विषकन्या' से की थी। इसके बाद वह आमिर खान के साथ 'जो जीता वही सिकंदर' में नजर आईं, जो उनकी सबसे यादगार फिल्मों में से एक है।

आनंद अहूजा ने सोशल मीडिया पर सोनम कपूर के लिए प्यारा नोट किया शेयर

आनंद आहूजा ने अपनी पत्नी और अभिनेत्री सोनम कपूर के लिए अपने प्यार का इजहार करते हुए सोशल मीडिया पर एक दिल को छू लेने वाला पल नोट शेयर किया। एक भावपूर्ण पोस्ट में, उद्यमी ने सोनम के लिए अपनी गहरी मोहब्बत का इजहार करते हुए उन्हें बेबी कहकर संबोधित किया और अपने छोटे बेटे वायु की एक प्यारी तस्वीर के साथ उनके पारिवारिक जीवन की एक दुर्लभ झलक भी दिखाई। बुधवार को आनंद ने इंस्टाग्राम पर सोनम के 40वें जन्मदिन के जश्न की एक प्यारी तस्वीर साझा की। इस प्यारी तस्वीर में, वायु अपनी मां को केक का एक टुकड़ा खिलाते हुए नजर आ रहे हैं।

कैप्शन में आहूजा ने लिखा, हर दिन थोड़ा समझदार बनने की कोशिश करो। दिन-ब-दिन और दिन के आखिरी तक तुम जीवन से वही पाओगे, जिसके तुम हकदार हो। हर दिन अद्भुत मेरी बेबी के लिए, जो हर दिन और भी विचारशील और भी देखभाल करने वाली बनती जा रही है। तुम सभी आशीर्वादों की हकदार हो। तुम्हारे लिए मेरे प्यार की गहराई को व्यक्त करना असंभव है! तुमसे प्यार करता हूं। सोनम कपूर ने 8 जून को मुंबई में अपना 40वां जन्मदिन खूब धूमधाम से मनाया था। इस जश्न में शामिल होने वाले मेहमानों में करीना कपूर खान, जो कि सोनम के साथ वीरे दी वेडिंग'' की सह-कलाकार थी, अपने पति सैफ अली खान के साथ शामिल हुई थी। मेहमानों की सूची में स्वरा भास्कर, करिश्मा कपूर, अर्जुन कपूर, खुशी कपूर, भूमि पेडनेकर और फिल्म निर्माता करण जौहर भी शामिल थे, सभी इस अवसर को यादगार बनाने के लिए एकत्र हुए।

अर्जुन कपूर ने भी सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी पोस्ट के साथ अपनी चचेरी बहन को जन्मदिन की बधाई दी। 'सिंघम अगेन' के अभिनेता ने बचपन की एक दुर्लभ तस्वीर साझा की, जिसमें वह और सोनम कपूर छोटे बच्चे थे और इसे कैप्शन दिया, अगर कपूर खानदान का 'एवेंजर्स' वर्जन होता, तो सोनम चुलबुली शक्तियों वाली ग्लैमर देवी होतीं। जन्मदिन मुबारक हो सोनम कपूर!

कैटरीना कैफ को न्यूयॉर्क में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला

बॉलीवुड सुपरस्टार कैटरीना कैफ को इंडी फिल्म फेस्टिवल अवाड्र्स - न्यूयॉर्क में मैरी क्रिसमस में उनके शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया, जहां 2024 की हिंदी भाषा की फिल्मों के विजेताओं की आधिकारिक घोषणा की गई। यह बहुप्रतीक्षित समारोह, जो स्वतंत्र और वैश्विक सिनेमा में उत्कृष्टता को पहचान देने के लिए जाना जाता है, दुनियाभर के अनूठे कहानीकारों को एक मंच पर लाया। मैरी क्रिसमस में कैटरीना की भूमिका की गहराई, संयम और भावनात्मक सटीकता के लिए व्यापक रूप से प्रशंसा की गई - यह उनके करियर की सबसे प्रभावशाली भूमिकाओं में से एक है। विभिन्न शैलियों में अपने बहुआयामी करियर के लिए प्रसिद्ध कैटरीना कैफ एक कलाकार के रूप में लगातार विकसित कर रही हैं और अपनी विशेष पहचान स्थापित कर रही हैं।

मैरी क्रिसमस ने उन्हें एक ऐसा मंच दिया जहाँ उन्होंने भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण किरदार को आत्मविश्वास और सच्चाई के साथ निभाया - जिससे उनकी अभिनय क्षमता और भी अधिक उजागर करता है। इंडी फिल्म फेस्टिवल अवाड्र्स में भारतीय सिनेमा के अन्य उत्कृष्ट योगदानकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया: कार्तिक आर्यन को चंदू चैंपियन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया, जिसने सर्वश्रेष्ठ फिल्म का भी पुरस्कार जीता।

बिन्नी एंड फैमिली ने सर्वश्रेष्ठ पारिवारिक फिल्म का पुरस्कार जीता। जबकि सिद्धार्थ आनंद को फाइटर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सम्मान मिला। इम्तियाज अली को चमकीला के लिए सर्वश्रेष्ठ ओटीटी स्पेशल का पुरस्कार मिला।

एक गलती और करियर खत्म! इन सितारों ने अपने हाथों से बर्बाद किया अपना सुपरस्टारडम

मुंबई शहर को सपनों की नगरी कहा जाता है और इसी सपनों की नगरी में बसता है बॉलीवुड। इस बॉलीवुड में कुछ सितारे रातों रात बुलंदियों को छूते हैं, तो कभी एक छोटी सी गलती या एक गलत कदम उन्हीं सितारों के करियर को हमेशा के लिए खत्म भी कर देता है। बॉलीवुड के इतिहास में ऐसे कई चमकते सितारे रहे हैं, जिन्होंने कभी दर्शकों के दिलों पर राज किया, लेकिन उनकी एक गलती उनपर इतनी भारी पड़ी कि उनका सुपरस्टारडम हमेशा के लिए मिट्टी में मिल गया। आज हम ऐसे ही कुछ नामों की बात करेंगे, जो कभी आसमान छूते थे, लेकिन एक फैसला उन पर इतना भारी पड़ा कि उनका करियर ढलान पर आ गया।

शाइनी आहूजा –एक समय शाइनी आहूजा बॉलीवुड के सबसे टैलेंटेड एक्टर में से एक थे। 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी', 'गैंगस्टर' और 'लाइफ इन ए मेट्रो' जैसी फिल्मों से उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग का लोहा मनवाया था। उनकी मासूमियत और उनकी सीरियस एक्टिंग ने उन्हें लाखों दिलों की धड़कन बना दिया था।उनके करियर का ग्राफ देखकर सबने विश्वास कर लिया था कि वो लंबी रेस के घोड़े हैं। लेकिन साल 2009 में उन पर लगे बलात्कार के गंभीर आरोप ने उनके करियर को पूरी तरह से तबाह कर दिया। एक गलत कदम की वजह से शाइनी का स्टारडम पूरी तरह से खत्म हो गया। उन्हें इस बीच इक्का-दुक्का रोल मिले भी, लेकिन वो अपना पुराना रुतबा और दर्शकों का प्यार वापस हासिल नहीं कर पाए।

ममता कुलकर्णी – 90 के दशक में ममता कुलकर्णी का नाम हर जुबान पर था। 'करण अर्जुन', 'सबसे बड़ा खिलाड़ी' और 'बाजी' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों से उन्होंने दर्शकों का दिल जीता था। अपनी बोल्ड इमेज और बेबाक अंदाज के लिए वो बॉलीवुड में मशहूर थीं। लेकिन उनकी जिंदगी में एक बड़ा ट्विस्ट तब आया, जब उनका नाम अंडरवर्ल्ड डॉन विकी गोस्वामी के साथ जुड़ा। ड्रग्स तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे बेहद गंभीर आरोपों ने उन्हें घेर लिया। एक समय बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस मानी जाने वाली ममता कुलकर्णी अचानक ही गुमनामी में चली गईं। एक गलती के चलते ममता कुलकर्णी का करियर ऐसे खत्म हुआ कि किसी को भी यकीन नहीं हुआ कि बॉलीवुड का चमकता सितारा ऐसे भी गायब हो सकता है।

मोनिका बेदी – मोनिका बेदी भी 90 के दशक की एक जानी-मानी एक्ट्रेस थीं। उन्होंने कई फिल्मों में अपना कमाल दिखाया। उनका नाम तब पूरे देश में मशहूर हुआ, जब अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम से उनका रिश्ता दुनिया के सामने आया। मोनिका को अबू सलेम के साथ पुर्तगाल में गिरफ्तार किया गया था। जालसाजी और फर्जी पासपोर्ट जैसे कई गंभीर मामलों में उन्हें जेल भी जाना पड़ा। इस विवादित रिश्ते और कानूनी मामले ने उनके बॉलीवुड करियर पर पूरी तरह से ब्रेक लगा दिया। जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने फिल्मों और टीवी में वापसी की कोशिश की, लेकिन वो बुरी तरह से फेल हो गईं।

पृथ्वी वजीर – 90 के दशक की शुरुआत में बॉलीवुड में बड़ा बदलाव आ रहा था। अमिताभ बच्चन, विनोद खन्ना और ऋषि कपूर जैसे बड़े सितारों के हाथ से लीड रोल जाने लगे थे। उनकी जगह नए चेहरे ले रहे थे, इन नए चेहरों में सलमान, शाहरुख, आमिर जैसे खान और अक्षय कुमार-अजय देवगन जैसे नए हीरो शामिल थे। इसी दौरान इंडस्ट्री में एक ऐसा एक्टर आया, जिसे लोग 'द नेक्स्ट राजेश खन्ना' कहने लगे थे, इस एक्टर का नाम था पृथ्वी वजीर। उनकी मुस्कान और अंदाज़ राजेश खन्ना से मिलता-जुलता था और उनमें हीरो बनने के सारे गुण थे। लेकिन पृथ्वी वजीर से एक ऐसी गलती हुई, जिसने उनका पूरा करियर ही बर्बाद कर दिया। उन्होंने एक गलत कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिया। इस कॉन्ट्रैक्ट ने उन्हें इस तरह बांध दिया कि वे दूसरी अच्छी फिल्में नहीं कर पाए। उनके हाथ से बड़े मौके निकल गए, और देखते ही देखते ये 'नेक्स्ट राजेश खन्ना' इंडस्ट्री से गायब हो गया।

गोविंदा – गोविंदा एक ऐसा नाम है, जो 90 के दशक की पहचान था। अपनी बेजोड़ कॉमेडी, धमाकेदार डांस और अनोखे स्टाइल से उन्होंने 'हीरो नंबर 1' का टैग हासिल किया था। 'कुली नंबर 1', 'हसीना मान जाएगी' और 'साजन चले ससुराल' जैसी एक के बाद एक सुपरहिट फिल्मों ने उन्हें सुपरस्टार बना दिया था। लेकिन गोविंदा की 'गलती' किसी आपराधिक मामले से नहीं, बल्कि उनकी अपनी करियर चॉइस और कथित अनप्रोफेशनल रवैये से जुड़ी है। उन्होंने कई अच्छी फिल्मों को ठुकरा दिया। सेट पर उनके देर से आने की खबरें आम हो गईं, और राजनीति में एंट्री ने भी उनके फिल्मी करियर को बुरी तरह प्रभावित किया। एक तरह से, लगातार किए हुए बुरे फैसलों से गोविंदा ने खुद ही अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली। एक समय के सुपरस्टार गोविंदा आज खुद के प्रोड्यूस किए हुए इक्का-दुक्का फिल्मों में ही नजर आते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है। आज आप गुस्से में परिवार के किसी सदस्य को भला–बुरा कह सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस–पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को खुशी देगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। किसी छोटी–मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक–झोंक हो सकती है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। खुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की जरुरत है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। मुहब्बत के मोर्चे पर आज आपकी तूती बोलेगी, क्योंकि आपका महबूब आपकी रसिक कल्पनाओं को अमली जामा पहनाने के लिए तैयार है। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं। किसी पेड़ मे जल डालना आज आपको सुकून मिलेगा। जीवन को आज आप नजदीक से जान पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी सेहत ठीक रहेगी, लेकिन यात्रा आपके लिए थकाऊ और तनावपूर्ण साबित हो सकती है। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। समय का सदुपयोग करना सीखें। यदि आपके पास खाली वक्त है तो कुछ रचनात्मक करने की कोशिश करें। वक्त को बर्बाद करना अच्छी बात नहीं है। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अच्छी चीज़ों को ग्रहण करने के लिए आपका दिमाग़ खुला रहेगा। अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा–ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं। अगर आप अपने मन की सुनें, तो यह दिन ख़रीदारी के लिहाज़ से उम्दा है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपके जीवन–साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं– लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है। दोस्त अकेलापन दूर करने के सबसे अच्छे माध्यमों में से एक हैं। दोस्तों के साथ समय बिताकर आज के दिन आप बेहतरीन चीज़ में समय निवेश कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। डाक या ई–मेल से आया कोई महत्वपूर्ण संदेश पूरे परिवार के लिए ख़ुशख़बरी लाएगा। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। जीवनसाथी के ख़राब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है। आपका संगी आज आपके लिए घर पर कोई सरप्राइज डिश बना सकता है जिससे आपके दिन की थकान मिट जाएगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

काम का दबाव और घरेलू मतभेद तनाव की वजह बन सकते हैं। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को ख़ुश रखेंगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफ़े की उम्मीद कर सकता है। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 12 जून 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा दोपहर 02:30 तक
नक्षत्र : मूल रात्रि 09:57 तक
योग : शुभ दोपहर 02:03 तक
करण : कौलव दोपहर 02:30 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 09:57 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जनता को सौगात

सफाई कर्मियों के वेतन में की बढ़ोतरी, नशा मुक्ति केंद्रों के विस्तार की भी घोषणा

चंडीगढ़, 11 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संत शिरोमणि कबीर दास जी की जयंती के अवसर पर सफाई कर्मियों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उनके मासिक वेतन में 2100 रुपये की वृद्धि की घोषणा की। इसके अलावा, सिरसा में बन रहे संत सरसाई नाथ मेडिकल कॉलेज में 100 बेड का नशा मुक्ति केंद्र बनाने की भी घोषणा की। साथ ही, डबवाली में स्थित नशा मुक्ति केंद्र में 10 बेड की संख्या को बढ़ाकर 30 बेड करने और ऐलनाबाद के सरकारी अस्पताल के पास 30 बेड का नया नशा मुक्ति केंद्र बनाने की भी घो–षणा की।

मुख्यमंत्री संत–महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रचार प्रसार योजना के तहत जिला सिरसा में आयोजित संत शिरोमणि कबीर दास जयंती राज्य स्तरीय समारोह में उपस्थितजन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 31 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने संकल्प पत्र में सफाई कर्मियों के वेतन को चरणबद्ध तरीके से 5 सालों में 26 हजार तक बढ़ाने का संकल्प लिया है, इसके लिए सरकार कटिबद्ध है। संकल्प पत्र में जो हमने कहा है उसे हम पूरा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत कबीर भारतीय संस्कृति की 'सर्वधर्म समभाव' और 'वसुधैव कुटुम्बकम' परम्परा के संवाहक और इतिहास के अनमोल रत्न थे। उनका जन्म ऐसे समय में हुआ, जब हमारा समाज अंधविश्वास, जात–पात और रूढ़िवादी परम्पराओं में जकड़ा हुआ था। संत कबीर ने अपने कर्म से वंदनीय स्थान प्राप्त किया। वे अपने समय के सबसे साहसी समाज–सुधारक थे। उन्होंने सभी धर्मों की कुरीतियों और रूढ़ियों पर कड़ी चोट की। उन्होंने कहा कि संत कबीर दास जी जैसे संत–महात्माओं, ऋषि–मुनियों, पीर–पैगम्बरों और गुरुओं ने भूली–भटकी मानवता को जीवन का सच्चा रास्ता दिखाया है। ऐसी महान विभूतियों की शिक्षाएं पूरे मानव समाज की धरोहर हैं। उनकी विरासत को संभालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा संत कबीर जी के विचारों को आधुनिक भारत की नींव बताया है। संत कबीर जी के विचारों को आगे बढ़ाते हुए आजादी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आधुनिक भारत के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाई है। पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने कल्याणकारी योजनाएं चलाकर गरीबों को सशक्त व मजबूत करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने भी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र पर चलते हुए समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं और नीतियां लागू की हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का मूल दर्शन 'अंत्योदय' है, पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति का उत्थान है। यही संत कबीर का मार्ग है, यही हमारी नीतियों का आधार है। आज हमारी ट्रिपल इंजन सरकार तीन गुणा रफ्तार से संत कबीर द्वारा दिखाए गए मार्ग पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जब 'वंचित अनुसूचित जाति' के लिए आरक्षण के प्रावधान पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आया तो हरियाणा सरकार ने उस निर्णय को प्रदेश में लागू करने का काम किया और डीएससी समाज को उसका हक दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने सफाई कर्मियों के हितों की रक्षा के लिए हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का गठन किया है। सफाई कर्मियों के लिए सुरक्षा और गरिमा की गारंटी दी है। सफाई कर्मियों की उनकी ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने की स्थिति में 5 लाख रुपये और सीवरेज में काम करते समय मृत्यु होने की स्थिति में 10 लाख रुपये की बीमा राशि का प्रा–वधान किया है। इसके अलावा, एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत 5 हजार से अधिक सफाई कर्मियों को संबंधित पालिका के रोल पर लिया है।

जासूसी मामले में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की जमानत याचिका खारिज

हिसार, 11 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार की एक अदालत से यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को बड़ा झटका लगा है। अदालत ने ज्योति की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका उनके वकील कुमार मुकेश की ओर से दाखिल की गई थी।

पाकिस्तान के लिए कथित तौर पर जासूसी के आरोपों में यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को गिरफ्तार किया गया था, वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए फिलहाल उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया है।

जांच एजेंसियों का दावा है कि ज्योति मल्होत्रा भारत की संवेदनशील और गोपनीय सूचनाएं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई (आईएसआई) को भेज रही थीं। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि इन सूचनाओं के बदले ज्योति को आर्थिक लाभ दिया गया था। एजेंसियों के अनुसार, ज्योति मल्होत्रा सोशल मीडिया और यूट्यूब चैनल के जरिए कुछ ऐसी जानकारी साझा कर रही थीं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील हैं।

इससे पहले, 26 मई को हिसार की एक अदालत ने ज्योति को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। पुलिस रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद ज्योति को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजने का आदेश दिया गया था।

ज्योति मल्होत्रा को 16 मई को सरकारी गोपनीयता अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। वह उन 12 लोगों में शामिल थीं, जिन्हें जासूसी के संदेह में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया था। बताया गया कि वह पाकिस्तानी उच्चायोग के कर्मचारी एहसान–उर–रहीम उर्फ दानिश के संपर्क में थीं। भारत ने कथित तौर पर जासूसी में लिप्त होने के कारण 13 मई को दानिश को देश से निष्कासित कर दिया था।

संत कबीर एक महान समाज सुधारक और अद्वितीय कवि : बंडारू

चंडीगढ़, 11 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने संत कबीर की 628वीं जयंती के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। इस अवसर पर उन्होंने राजभवन में संत कबीर दास की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

राज्यपाल ने संत कबीर के जीवन और उनके आध्यात्मिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कबीर साहेब न केवल एक महान संत एवं समाज सुधारक थे, बल्कि एक अद्वितीय कवि भी थे, जिन्होंने अपनी सशक्त वाणी और दोहों के माध्यम से समाज को जागरूक करने का कार्य किया। उनके विचार आज भी मानवता को एक नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि संत कबीर ने जीवनपर्यंत छूआछूत, नशाखोरी, पाखंड और रूढ़िवादिता जैसी सामाजिक कुरीतियों का डटकर विरोध किया। उनके संदेश समाज को समरसता, भाईचारा और समानता की ओर प्रेरित करते हैं। वे मानते थे कि आपसी सद्भावना ही समाज की असली ताकत है। राज्यपाल ने कहा कि संत कबीर जी की शिक्षाएं सत्य, प्रेम, करुणा और मानवता के मूल्यों पर आधारित हैं। उनके विचार आज के समय में और अधिक प्रासंगिक हो गए हैं, जब समाज को एकजुटता और सहिष्णुता की आवश्यकता है।

दत्तात्रेय ने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे संत कबीर के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करें। यह उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव अतुल द्विवेदी, आईएएस तथा राज्यपाल के एडीसी मनप्रीत सिंह, आईपीएस ने भी महान कवि संत कबीर दास को पुष्पांजलि अर्पित की। राजभवन के अन्य अधिकारियों ने भी महान कवि को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

दौसा, 11 जून (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर बुधवार को दौसा में कांग्रेस नेताओं का बड़ा जमावड़ा देखने को मिला। इस श्रद्धांजलि सभा में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, सांसदों, विधायकों, पूर्व मंत्रियों और कार्यकर्ताओं ने राजेश पायलट को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। यह केवल एक श्रद्धांजलि सभा नहीं रही, बल्कि इसे कांग्रेस का राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन भी माना जा रहा है – खासतौर पर अशोक गहलोत और सचिन पायलट की एक मंच पर उपस्थिति के चलते।

सचिन पायलट ने दिया व्यक्तिगत न्योता, गहलोत की मौजूदगी बनी चर्चा का विषयपूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की उपस्थिति ने इस आयोजन को और अधिक राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बना दिया। जानकारों के मुताबिक, गहलोत को इस कार्यक्रम में आमंत्रित करने खुद सचिन पायलट उनके आवास पर पहुंचे थे। इस आत्मीय आमंत्रण के बाद गहलोत की दौसा यात्रा को दोनों नेताओं के बीच रिश्तों में नरमी के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर आयोजित सभा में प्रार्थना के बाद उनकी जीवनी पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई, जिससे पायलट के योगदान और राजनीतिक सफर की झलक लोगों के सामने आई।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से की शिष्टाचार भेंट

जयपुर, 11 जून (एजेंसियां)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की, राजस्थान की योग ब्रांड एम्बेसेडर बनाये जाने के लिये आभार व्यक्त किया तथा योग मंत्र के साथ वाइब्रेंट योग की एक ऑडियो भी भेंट की।इस अवसर पर उन्होंने नगर निगम ग्रेटर द्वारा योग महोत्सव 2025 के तहत लगाये जा रहे योग शिविरों की भी जानकारी दी।

बूंदी में बनेगा स्टोन पार्क, मुख्यमंत्री भजनलाल ने दी भूमि आवंटन की मंजूरी

बूंदी, 11 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए बूंदी जिले की तालेड़ा तहसील के कछालिया ग्राम में स्टोन पार्क की स्थापना के लिए 47.07 हैक्टेयर भूमि राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोग निगम लिमिटेड (रीको) को आवंटित करने की स्वीकृति प्रदान की है। बजट घोषणा वर्ष 2025–26 के क्रम में राज्य सरकार का यह निर्णय प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति प्रदान करेगा। स्टोन पार्क की स्थापना से क्षेत्र में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा खनिज आधारित उद्योगों को एक संगठित मंच उपलब्ध होगा।

राज्य सरकार द्वारा यह आवंटन राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 92 के अंतर्गत भूमि सेट–अपार्ट कर तथा राजस्थान भू–राजस्व (औद्योगिक क्षेत्र आवंटन) नियम 1959 के नियम 11ए के तहत किया गया है। स्टोन पार्क क्षेत्र में केवल गैर प्रदूषणकारी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जाएगी तथा ये इकाइयां आबादी से कम से कम 1.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थापित होंगी।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में ईआरसीपी परियोजना (राम जल सेतु लिंक परियोजना) के अन्तर्गत वन भूमि के प्रत्यावर्तन के तहत बारां जिले की छबड़ा तहसील में 34.41 हैक्टेयर भूमि वन विभाग को आंवटित करने की स्वीकृति प्रदान की है।

ट्रक और जीप की टक्कर में दुल्हन सहित पांच की मौत, दूल्हा घायल

जयपुर, 11 जून (एजेंसियां)। जयपुर ग्रामीण के रायसर इलाके में बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। बारातियों से भरी एक जीप और ट्रक की आमने–सामने हुई टक्कर में दुल्हन समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूल्हा सहित आठ लोग घायल हो गए हैं। हादसे के बाद जीप के परखच्चे उड़ गए और शव बुरी तरह से गाड़ी में फंसे रहे। कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें निकाला जा सका। सुबह 6:10 बजे हुआ हादसा

यह दुर्घटना आज सुबह करीब 6:10 बजे भटकाबास गांव, रायसर (जयपुर ग्रामीण) के पास दौसा–मनोहरपुर नेशनल हाईवे (छक्-148) पर हुई। जीप में मध्य प्रदेश के शहडोल जिले से लौट रही बारात सवार थी, जो राजस्थान के झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी जा रही थी।

रायसर थाना प्रभारी रघुवीर सिंह के अनुसार, ट्रक और जीप की टक्कर इतनी भयानक थी कि मौके पर ही चार लोगों की जान चली गई, जबकि एक अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ा। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। दुर्घटना के बाद हाईवे पर भारी जाम लग गया और स्थानीय लोग घायलों की मदद में जुट गए।

हादसे में जिन पांच लोगों की मौत हुई, उनमें 18 वर्षीय दुल्हन भारती, निवासी मंडोली, शहडोल शामिल है। बाकी मृतकों में सीकर और झुंझुनूं के निवासी हैं। 25 वर्षीय दूल्हा विक्रम मीणा गंभीर रूप से घायल है और जयपुर के निम्स हॉस्पिटल में भर्ती है।हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मदद के लिए पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई। एडिशनल एसपी नारायण लाल तिवाड़ी ने बताया कि हादसे की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर भेजा गया। घायलों को निम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दें

यूपी वन निगम बना लाभदायक निकाय, 243.31 करोड़ आय हुई

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश वन निगम ने योगी सरकार के कुशल नेतृत्व में न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी निकाय के रूप में अपनी पहचान बनाई है, बल्कि सामाजिक उत्थान और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्ष 2024-25 में यूपी वन निगम ने 243.31 करोड़ रुपए की आय अर्जित की, जो इसकी वित्तीय सुदृढ़ता और प्रबंधकीय दक्षता का प्रमाण है।

इसके साथ ही, निगम ने प्रदेश के जनजातीय समुदायों को आजीविका प्रदान करने, महाकुंभ जैसे विशाल आयोजन में सहयोग, और वैश्विक मानकों पर खरा उतरने में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। साथ ही यूपी वन निगम ने काष्ठ आधारित उत्पादों के निर्यात में वृद्धि से विदेशी मुद्रा अर्जित की है। यह उपलब्धि वन निगम की पर्यावरणीय जिम्मेदारी और टिकाऊ वन प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उत्तर प्रदेश वन निगम प्रदेश में स्थाई वानिकी, पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वन प्रबंधन का कार्य करती है। इसके अतिरिक्त वन निगम वनोपज के संग्रह, विक्रय के साथ ही वन पर आश्रित जनजातीय समुदाय के सामाजिक एवं आर्थिक रूप से लाभकारी तरीकों को प्रोत्साहित करता है। सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में उनके विजन के अनुरूप कार्य करते हुए यूपी वन निगम ने कई उल्लेखनीय सफलताएं हासिल की हैं।

वर्तमान में यूपी वन निगम पूरी तरह एक लाभकारी संस्था बन चुका है। वन निगम ने जहां वर्ष 2023-24 में 246.29 करोड़ रुपए तो वहीं वर्ष 2024-25 में 243.31 करोड़ रुपए की आय अर्जित की है। वहीं वन निगम ने वर्ष 2020-21 में 150.55 करोड़, 2021-22 में 151.65 करोड़, 2022-23 में 227.66 करोड़ रुपए की आय अर्जित की है। पिछले कई वर्षों से परिचालन लाभ में निरंतर वृद्धि वन निगम की कार्यकुशलता और आर्थिक स्थिरता का परिचायक है। यूपी वन निगम ने योगी सरकार के मार्गदर्शन में न केवल आर्थिक लाभ अर्जित किया, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। वन निगम ने तेंदूपत्ता संग्रहण के माध्यम से लगभग 02 लाख जनजातीय परिवारों को आजीविका भी प्रदान की है।

विभाग के संबंधित अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष लगभग 04 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता का उत्पादन किया गया। जिससे बीड़ी उद्योग से जुड़े छोटे-बड़े ठेकेदारों और श्रमिकों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हुए। यह पहल न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रही है, बल्कि जनजातीय समुदायों के सशक्तिकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सनातन आस्था के महापर्व, महाकुंभ 2025 में यूपी वन निगम ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जलौनी लकड़ी के विक्रय की व्यवस्था की। जिसके तहत प्रयागराज में अस्थाई रूप से बसी महाकुम्भ नगरी में यूपी वन निगम में 17 टालों के माध्यम से 27,000 क्विंटल जलौनी लकड़ी का विक्रय किया। यह प्रयास न केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से टिकाऊ रहा, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं और कल्पवासियों की आस्था को भी पूरा करने में भी सहायक सिद्ध हुआ। यह पहल कुंभ मेले की व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण योगदान के रूप में देखी जा रही है।

सड़क हादसे में महिला की मौत, आक्रोशित लोगों ने आगजनी कर किया सड़क जाम

पटना (एजेंसियां)। पटना में सड़क पार करने के दौरान एक महिला अज्ञात वाहन की चपेट में आई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने आननफानन में उस महिला को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना बिहटा थाना क्षेत्र के राघोपुर बाजार समिति के पास की है। महिला की मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीण और परिवार वालों ने शव को सड़क पर रखकर आगजनी करते हुए मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। विरोध कर रहे लोग गाड़ी के ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई व मुआवजे की मांग करते हुए डटे रहे। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस से लोगों को समझाने बुझाने के लिए जुटी रही। सड़क जाम होने के कारण सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार काफी देर तक लगी रही।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि बिहटा के राघोपुर गांव में किराए के मकान में रह रहे विनोद श्रीवास्तव की पत्नी निधि कुमारी (30) किसी काम को लेकर बाजार गई थी। इस बीच राघोपुर बाजार समिति के पास निधि सड़क पार करने लगी। तभी तेज रफ्तार से जा रहे एक अज्ञात वाहन ने निधि को जोरदार टक्कर मारते हुए मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में घायल हुई महिला को स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने घायल महिला को उचित इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया। जिसकी कुछ देर में ही इलाज के दौरान पटना के पीएमसीएच में मौत हो गई।

महिला की मौत की घटना की जानकारी मिलते ही लोग आक्रोशित हो गए। दुर्घटना से गुस्साए लोगों ने मृतक के शव को मुख्य सड़क पर रखकर आगजनी करने लगे। लोगों ने विरोध करते हुए सड़क को जाम कर दिया। विरोध कर रहे लोगों ने पुलिस प्रशासन से ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही परिजनों को मुआवजा देने की भी मांग की। सड़क जाम होने के कारण लोग घंटों परेशान रहे। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस से लोगों को समझाने बुझाने के लिए घंटो मशक्कत करती रही।

घटना के संबंध में बिहटा थाना अध्यक्ष शशि कुमार राणा ने बताया कि अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक महिला घायल हो गई थी। उसे इलाज के लिए पटना के पीएमसीएच में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। अब स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया है।

जीआरपी सब इंस्पेक्टर को निगरानी विभाग ने घूस लेते रंगेहाथ पकड़ा

पटना (एजेंसियां)। सासाराम रेलवे स्टेशन स्थित जीआरपी थाने में पदस्थापित एक एसआई को पटना से आई निगरानी विभाग की टीम ने बुधवार को घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सब इंस्पेक्टर विजय सिंह एक महिला से पांच हजार रुपये ले रहा था। तभी निगरानी विभाग की टीम ने विजय सिंह को रंगेहाथ दबोच लिया। घटना के बाद रेलवे स्टेशन पर हड़कंप मच गई।

मामले में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की वरीय डीएसपी कुमारी किरण पासवान ने बताया कि जीआरपी के सब इंस्पेक्टर विजय सिंह एक महिला से केस में मदद के नाम पर रिश्वत की मांग कर रहे थे। महिला बसंती देवी द्वारा निगरानी विभाग में दर्ज शिकायत का सत्यापन कर प्राथमिकी दर्ज की गई और इसी आलोक में आज निगरानी विभाग की टीम ने मामले के अभियुक्त विजय सिंह को रिश्वत की राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि जीआरपी के सब इंस्पेक्टर रेल थाना कांड संख्या 10/2025 में अनुसंधानकर्ता थे और केस में मदद के नाम पर बसंती देवी से रिश्वत की मांग कर रहे थे।

एक के बाद एक हो रही निगरानी विभाग की कार्रवाई से जिले के अधिकारियों व कर्मचारियों में हड़कंप मचा हुआ है। बता दें कि बीते 25 मई को सासाराम अंचल में पदस्थापित एक डाटा ऑपरेटर आकाश कुमार को भी निगरानी विभाग की टीम ने रिश्वत की रकम के साथ गिरफ्तार किया था। मात्र 15 दिन के अंतराल पर निगरानी विभाग की इस कार्रवाई से जिले के भ्रष्ट अधिकारियों में एक तरफ जहां खौफ है वहीं दूसरी ओर आम जनता राहत महसूस कर रही है।

सीतामढ़ी में बनेगा मां सीता का भव्य मंदिर: बिहार सरकार ने दी 12 एकड़ भूमि, तीर्थ स्थल का भी होगा विकास

नई दिल्ली (एजेंसियां)। नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में रामायण रिसर्च काउंसिल के देखरेख में मां सीताजी के प्राकट्य क्षेत्र सीतामढ़ी में भव्य मंदिर निर्माण के लिए प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान प्रेस वार्ता में बताया गया कि सीतामढ़ी में मां सीताजी के लिए बड़ा मंदिर बनाने की योजना है। बिहार सरकार ने काउंसिल को इस काम के लिए 12 एकड़ जमीन दी है। काउंसिल के स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने सरकार का धन्यवाद किया।

मंदिर के स्थान को लेकर स्वामी ज्ञानानंद ने कहा कि मां सीताजी का प्राकट्य स्थल और मंदिर बनने वाला स्थान अलग है। सीतामढ़ी में जो जगह है, वह मां सीताजी के प्राकट्य स्थल से लगभग 4 किलोमीटर दूर है। इस जगह का नाम श्रीरामजानकी स्थान है, जो बहुत पुराना और पवित्र मठ है। इसे ठीक करने और मंदिर बनाने के लिए काउंसिल लंबे समय से कोशिश कर रही थी।

बता दें कि इस प्रेस वार्ता में कई संत और धर्मगुरु मौजूद थे।

उन्होंने बताया कि सीतामढ़ी को तीर्थ स्थल बनाया जाएगा। यहां एक 108 फीट ऊंचा श्रीहनुमान जी की मूर्ति भी बनाई जाएगी। सभी संत मिलकर इस काम को आगे बढ़ाएंगे और लोगों को जोड़ेंगे।

वहीं मंदिर के निर्माण को लेकर जूना अखाड़े के स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि जैसे अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर है, वैसे ही सीतामढ़ी में भी मां सीताजी के मंदिर को बढ़ावा दिया जाएगा। वहीं परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि मंदिर बनाने के साथ-साथ मां सीताजी के जीवन की सीख भी दुनिया तक पहुंचाई जाएगी।

इसके साथ ही सीतामढ़ी के सांसद देवेशचंद्र ठाकुर ने कहा कि यह उनके लिए गर्व की बात है कि बिहार सरकार और केंद्र सरकार मां सीताजी के मंदिर के लिए काम कर रही हैं। रामायण रिसर्च काउंसिल भी तीर्थ स्थल बनाने में मदद कर रही है।

काउंसिल के महासचिव कुमार सुशांत ने बताया कि जल्द ही मंदिर के लिए भूमि पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों कराई जाएगी। काउंसिल 51 शक्तिपीठों से मिट्टी और ज्योत लाकर मां सीताजी को स्थापित करेगी। गौरतलब है कि इस कार्यक्रम में कई प्रमुख लोग और अधिकारी मौजूद थे। सभी ने मिलकर इस मंदिर निर्माण के लिए पूरी मदद करने का वादा किया है। इससे सीतामढ़ी धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से और भी खास बनेगा।

श्रावणी मेले के लिए व्यापक तैयारियों की पर्यटन विभाग ने की घोषणा

पटना (एजेंसियां)। बिहार सरकार के पर्यटन विभाग ने श्रावणी मेले के लिए व्यापक तैयारियों की घोषणा की है। इस मेले में श्रद्धालुओं को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, जिनमें आवासन, शौचालय, पेयजल, कांवर स्टैंड, फूड कियोस्क और मनोरंजन शामिल हैं।

पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने बताया कि बाबा अजगैबीनाथ से बिहार सीमा दुम्मा तक श्रद्धालुओं को ये सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके

अलावा, पहलेजा घाट से मुजफ्फरपुर के बाबा गरीबनाथ तक भी कांवरियों को सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

श्रद्धालुओं के आवासन के लिए सुल्तानगंज से बिहार सीमा तक चार टेंट सिटी बनाई जाएंगी, जिनमें पेयजल, शौचालय, कांवर स्टैंड, साफ-सफाई, बिजली और दर्पण जैसी सुविधाएं होंगी। इन टेंट सिटी में श्रद्धालुओं के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

इसके अलावा, सुल्तानगंज से दुम्मा तक 12 अस्थायी पर्यटक सूचना केंद्र बनाए जाएंगे, जहां श्रद्धालुओं को आवश्यक जानकारी प्रदान की जाएगी। इन केंद्रों पर श्रद्धालुओं को मेले के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा।

पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने बताया कि बिहार पर्यटन श्रावणी मेला को बढ़ावा देने एवं कांवरिया पथ में मौलिक पर्यटकीय नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में सुल्तानगंज से बिहार सीमा तक विभिन्न स्थलों पर पर्यटक सहायता केंद्र होंगे, जहां कांवरियों/श्रद्धालुओं को सूचना एवं सहयोग प्रदान की जाएगी।

निगरानी टीम की बड़ी कार्रवाई

नगर निगम के लिपिक को रंगे हाथ किया गिरफ्तार

सारण (एजेंसियां)। पटना की निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छपरा नगर निगम के एक लिपिक को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लिपिक की पहचान सूरज मोहन यादव के रूप में हुई है, जो नगर निगम छपरा में कार्यरत है।

निगरानी विभाग के अनुसार लिपिक सूरज मोहन यादव ने एक सेवानिवृत नगर निगम कर्मी की पेंशन बहाल कराने के लिए मोटी रकम की मांग कर रहा था। इसको लेकर अवकाश प्राप्त कर्मी ने निगरानी विभाग को कई माह पूर्व ही शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद टीम के सदस्यों ने अपने स्तर से तहकीकात करने के बाद ही जाल बिछाया। निगरानी टीम के अधिकारियों ने बताया कि रिश्वत की शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच की गई और फिर सटीक योजना के तहत लिपिक को 60 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

निगरानी टीम आरोपी सूरज मोहन यादव को गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए अपने साथ पटना ले गई। लिपिक सूरज मोहन यादव पर हुई इस कार्रवाई से नगर निगम सहित शहर में हड़कंप मच गया है। निगरानी की टीम ने इससे पहले सोमवार को सिवान जिले के लकड़ी नबीगंज प्रखंड के एक राजस्व कर्मचारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ निगरानी की टीम ने गिरफ्तार किया था।

बाइक सवार युवकों को वाहन ने कुचला, दो की मौत

पटना (एजेंसियां)। नालंदा जिले में मंगलवार रात तेज रफ्तार ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। सरमेरा थाना क्षेत्र के मलावां गांव के पास बिहटा-सरमेरा टू-लेन पर अज्ञात वाहन ने एक बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। बाइक पर सवार धनावाडीह गांव निवासी 22-वर्षीय चुनचुन साव (पिता गनौरी साव) और 23-वर्षीय छोटू साव (पिता मंटू साव) की सरमेरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचते ही मौत हो गई, जबकि तीसरा साथी शिवदानी चौधरी गंभीर रूप से घायल है।

मुख्य सड़क पर अतिक्रमण के खिलाफ फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, प्रदर्शन कर जताया विरोध

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के फुलवरिया प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत राज गोसाई मांझा के माधोपुर गांव में मुख्य सड़क पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ मंगलवार को ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। गांव के एक व्यक्ति द्वारा पीसीसी सड़क पर अवैध रूप से मिट्टी डालकर रास्ता जाम किए जाने के विरोध में ग्रामीणों ने एकजुट होकर जोरदार प्रदर्शन किया और प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि जिस सड़क से प्रतिदिन एम्बुलेंस, स्कूल वैन और अन्य वाहनों का आना-जाना होता है, उस पर मिट्टी गिराकर कब्जा कर लिया गया है। इससे न सिर्फ आवागमन में बाधा उत्पन्न हो गई है, बल्कि दोनों ओर की नालियों का गंदा पानी सड़क पर फैलकर दुर्गंध और संक्रमण का कारण बन रहा है। पानी के जमाव से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने पंचायत प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बताया कि इस अतिक्रमण की शिकायत कई बार की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

पंचायत मुखिया आनंद मोहन राय ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे को लेकर कई बार प्रखंड के अंचलाधिकारी बीरबल वरुण कुमार समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा है, लेकिन कार्रवाई शून्य रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो ग्रामीण प्रखंड मुख्यालय का घेराव कर बड़ा आंदोलन करेंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। वहीं अंचलाधिकारी बीरबल वरुण कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। बहुत जल्द अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्रदर्शन में उमेशलाला श्रीवास्तव, रामाश्रय प्रसाद, रामाधार प्रसाद पटेल, बाबूचंद प्रसाद, विद्यावती देवी, उमा देवी, रंजीत यादव, मुकेश प्रसाद, रंजीता देवी, अर्जुन राय, रतन पासवान और ललन कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। ग्रामीणों ने दो टूक कहा कि यह मामला सिर्फ आवागमन की असुविधा का नहीं, बल्कि आम जनजीवन, जनस्वास्थ्य और प्रशासन की संवेदनशीलता से जुड़ा है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कितनी शीघ्रता और गंभीरता से कार्रवाई करता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com